सुपौल दस्तक मासिक अखबार

RNI NO. BHHIN/25/A5267

मासिक हिन्दी

website: https://www.supauldastaknews.com

ईमेलः rajeshkumarranjan4056@gmail.com

वर्षः- 1 अंकः- 1 सुपौल, माह जनवरी, 2026 (प्रत्येक माह की 15 तारीख को जारी) पृष्ठः 8 मूल्यः 5/- रू.

अनमोल वचन

ज़िंदगी वही है जो आज है, जो बीत गया वो अनुभव है और जो आने वाला है वो भ्रम।

10 मिनट डिलीवरी पर सरकार की 'नो'

ब्लिंकिट, जोमैटो को सख्त निर्देश, अब सुरक्षा पहले!

नई दिल्ली, (एजेंसी)। डिलीवरी पार्टनर्स की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को लेकर केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद, क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकइट ने अपने सभी ब्रांड प्लेटफॉर्म से "10 मिनट में डिलीवरी" का दावा हटा दिया है। इस मुद्दे पर मांडविया ने ब्लिंकइट, जेप्टो, स्विगी और जोमैटो के अधिकारियों से बातचीत की, जिसमें उन्होंने कंपनियों को डिलीवरी कर्मचारियों की सुरक्षा के हित में सख्त डिलीवरी समय सीमा को समाप्त करने की सलाह दी। मंत्री ने जोर दिया कि आक्रामक समयसीमा डिलीवरी पार्टनर्स पर अनावश्यक दबाव डाल सकती है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा सकती है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सभी कंपनियों ने सरकार को आश्वासन दिया कि वे अपने ब्रांड विज्ञापनों के साथ-साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भी डिलीवरी समय संबंधी प्रतिबद्धताओं को हटा देंगे। इस कदम का उद्देश्य ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हुए गिग वर्कर्स की भलाई और सुरक्षा को प्राथमिकता देना है। यह घटनाक्रम त्वरित वाणिज्य मॉडलों और वितरण कर्मियों पर उनके प्रभाव की बढ़ती जांच के बीच आया है, जिसमें सरकार ने इस बात पर जोर दिया है कि तेज डिलीवरी के लिए श्रमिकों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता है। यह कदम दिसंबर के अंत में विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर डिलीवरी कर्मचारियों द्वारा की गई हड़तालों के कुछ हफ्तों बाद आया है, जिसमें कामकाजी परिस्थितियों, डिलीवरी के दबाव और सामाजिक सुरक्षा की कमी से संबंधित मुद्दों को उठाया गया था। सूत्रों के अनुसार, ब्लिंकइट अपने सभी ब्रांड संदेशों से "10 मिनट में डिलीवरी" का जिक्र हटा देगा। इसमें विज्ञापन, प्रचार अभियान और सोशल मीडिया संचार शामिल हैं। इस बदलाव का मतलब यह नहीं है कि डिलीवरी में देरी होगी। इसके बजाय, सार्वजनिक संदेशों में निश्चित समय की प्रतिबद्धताओं पर जोर देने के बजाय, कंपनियां ऐसे वादों से बचने की कोशिश करेंगी जिन्हें असुरक्षित डिलीवरी व्यवहार को बढ़ावा देने वाला माना जा सकता है। विभिन्न शहरों में उपयोगकताओं के अनुभवों से पता चलता है कि नए साल की पूर्व संध्या पर डिलीवरी काफी हद तक सामान्य रूप से जारी रही, लेकिन हड़तालों ने अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चल रही बहस को फिर से हवा दे दी। इससे पहले, जोमैटो के सीईओ दीपिंद्र गोयल सहित प्लेटफॉर्म के संस्थापकों ने सार्वजनिक रूप से फास्ट डिलीवरी मॉडल का बचाव करते हुए कहा था कि ये मॉडल गति के बजाय सिस्टम डिजाइन पर आधारित हैं और डिलीवरी पार्टनर बीमित हैं।

एक नजर

राज्यपाल ने मकर संक्रांति एवं लोहड़ी पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी

संवाददाता

पटना। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां ने मकर संक्रांति और लोहड़ी पर्व के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है। राज्यपाल ने कहा है कि मकर संक्राति और लोहड़ी के पर्वों का सांस्कृतिक महत्व है।

इससे आपसी प्रेम और सद्भाव बढ़ता है। नये फसलों के घर आने की खुशी में लोहड़ी का पर्व मनाया जाता है। राज्यपाल ने कामना की है कि मकर संक्राति एवं लोहड़ी का पर्व लोगों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आये।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस बार 16वीं यात्रा पर निकल रहे

संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार इस वर्ष 2026 में अपनी 16वीं यात्रा पर निकल रहे हैं, जिसका नाम समृद्धि यात्रा रखा गया है। इसकी शुरूआत 16 जनवरी से पश्चिम चंपारण से होने जा रही है। अलग-अलग तारीख में संभावित चार से पांच चरणों की इस यात्रा में वे सभी 38 जिलों में अलग-अलग स्थानों का भ्रमण करेंगे। बिहार की सत्ता पर 2005 में काबिज होने के बाद मुख्यमंत्री श्री कुमार की यह 16वीं यात्रा है। सभी यात्राओं के अलग-अलग नाम रखे गए हैं और इन नामों के अनुरूप ही इसके थीम भी रखे गए हैं। मुख्यमंत्री 2005 से लेकर 2026 तक लगातार कुछ वर्षों के अंतराल पर यात्राओं पर सीधे लोगों से मिलने निकले थे। उन्होंने सबसे ज्यादा 2009 में तीन यात्राएं की। इसके बाद 2010, 2011 एवं 2012 में एक-एक यात्रा की। फिर 2014 में दो यात्राएं तथा 2016, 2017 में एक-एक यात्रा की।

पीएम डिग्री मामला: अरविंद केजरीवाल को राहत नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मंगलवार को बड़ा झटका लगा। गुजरात उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता पर टिप्पणी से जुड़े आपराधिक मानहानि मामले में आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह से अलग सुनवाई की मांग वाली उनकी याचिका खारिज कर दी। यह मामला आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री की डिग्री की प्रामाणिकता पर सवाल उठाने से संबंधित है। न्यायमूर्ति एमआर मेंगडे ने आदेश सुनाते हुए कहा आवेदन खारिज किया जाता है। इससे पहले, अरविंद केजरीवाल ने अहमदाबाद स्थित सिटी सेशंस कोर्ट के अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश मनीष प्रद्युमन पुरोहित के 15 दिसंबर, 2025 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्होंने मजिस्ट्रेट कोर्ट द्वारा 23 सितंबर, 2023 को पारित आदेश को रद्द करने की मांग वाली उनकी पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया था।

सोनिया गांधी का मोदी सरकार पर बड़ा हमला, बोलीं- मनरेगा पर बुलडोजर चलाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और पूर्व पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को मोदी सरकार के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमएनआरईजीए) को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने का आरोप लगाया और योजना में हाल ही में किए गए बदलावों को गरीबों, बेरोजगारों और हाशिए पर रहने वाले लोगों पर सीधा हमला बताया। कांग्रेस पार्टी के "एमएनआरईजीए बचाओ" अभियान के तहत जारी एक वीडियो संदेश में, गांधी ने याद दिलाया कि रोजगार गारंटी का यह ऐतिहासिक कानून 20 साल पहले पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया था। सोनिया ने एमएनआरईजीए को एक क्रांतिकारी कदम बताया जिसने ग्रामीण परिवारों को रोजगार का कानूनी अधिकार प्रदान किया, संकटग्रस्त पलायन को कम किया और लाखों गरीब परिवारों को सहायता प्रदान करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। गांधी ने आरोप लगाया कि पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने गरीबों के हितों की अनदेखी की है।

उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा आयोजित मकर संक्रांति कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

संवाददाता

पटना: मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। 3 एम0 स्ट्रैंड रोड, पटना में आयोजित मकर संक्रांति कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद जी एवं भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चैधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चैधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय, लघु जल संसाधन मंत्री श्री संतोष कुमार सुमन, विधायक श्री श्याम रजक सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने मकर संक्रांति और लोहड़ी पर्व की बधाई और शुभकामनायें दी

संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मकर संक्रांति और लोहड़ी पर्व पर समस्त प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को अपनी बधाई और शुभकामनायें दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि मकर संक्रांति और लोहड़ी का पर्व लोगों के लिए सुख, शान्ति और समृद्धि लायेगा। मकर संक्रांति और लोहड़ी के पर्वों का सांस्कृतिक महत्व भी है। लोग इन पर्वों को हर्षोल्लास, पारस्परिक स्नेह एवं सौहार्द्र के साथ मनायें।

मकर संक्रांति के पावन स्नान के बाद लोग चूड़ा, दही, तिलकुट खाते और खिलाते हैं, इससे परस्पर प्रेम और सद्भाव बढ़ता है। नये फसलों के घर आने की खुशी में लोहड़ी पर्व मनाया जाता है।

बिहार में बुजुर्गों को अब घर पर मिलेगी जमीन- फ्लैट की रजिस्ट्री की सुविधा: नीतीश

संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्य के 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को उनके घर पर ही जमीन या फ्लैट की निबंधन (रजिस्ट्री) सुविधा उपलब्ध कराने का ऐलान किया। यह सुविधा मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग द्वारा संचालित चलंत निबंधन इकाई (मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट) के माध्यम से निश्चित समय-सीमा के भीतर प्रदान की जाएगी, जिसमें आवेदक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यह नयी व्यवस्था एक अप्रैल 2026 से लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि कई बार यह देखा गया है कि 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को जमीन या फ्लैट की रजिस्ट्री से जुड़े कार्यों के निष्पादन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसी के मद्देनजर उन्हें सहूलियत देने और अनावश्यक परेशानियों से बचाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि जमीन खरीदने के इच्छुक लोगों को कई बार संबंधित भूमि की अद्यतन जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाती। इसे ध्यान में रखते हुए रजिस्ट्री से पूर्व भूमि की अद्यतन स्थिति की जानकारी क्रेता और विक्रेता दोनों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है। इसके तहत आवेदकों के अनुरोध पर निबंधन विभाग अंचल कार्यालय से भूमि की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त कर क्रेता को उपलब्ध कराएगा। इससे आवेदकों को जमीन के बारे में सही और प्रामाणिक जानकारी मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 20 नवंबर 2025 को राज्य में नयी सरकार के गठन के बाद 'सात निश्चय-3' कार्यक्रमों को लागू किया गया है, जिनका उद्देश्य बिहार को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करना है। 'सात निश्चय-3' के अंतर्गत सातवां निश्चय 'सबका सम्मान-जीवन आसान' (ईज ऑफ लिविंग) है, जिसका मुख्य मकसद राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को और अधिक सरल बनाना है। इसी दिशा में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल राज्य के 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के वृद्धजनों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगी।

31 तक ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन निबंधन के लंबित मामले करें शून्य : राज्य परिवहन आयुक्त

राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ असहन ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारी के साथ की विभागीय समीक्षा

संवाददाता

पटना। राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने मंगलवार को सभी जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभागीय योजनाओं और सेवाओं की समीक्षा की। ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल), वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र (आरसी), परमिट, हिट एंड रन एवं नॉन हिट एंड रन दावों, मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल तथा बस-स्टॉप आदि की समीक्षा की गई। राज्य परिवहन आयुक्त ने कहा कि परिवहन विभाग की सेवाएं सीधे आम नागरिकों से जुड़ी हैं, इसलिए इन सेवाओं का समयबद्ध निष्पादन हमारी जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि दायित्व भी है। उन्होंने सभी जिलों को लक्ष्य निर्धारित करते हुए निर्देश दिया कि 31 जनवरी 2026 तक ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन पंजीकरण से जुड़े सभी लंबित मामलों को शून्य किया जाए। विशेष रूप से 6 माह और 1 वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता के साथ निपटाने को कहा गया। बैठक में जिलों द्वारा बताया गया कि कई वाहन पंजीकरण से संबंधित मामले डीलर या एजेंसी स्तर पर लंबित हैं। इस पर उन्होंने निर्देश दिया कि संबंधित एजेंसियों के साथ बैठक कर लंबित मामलों का तुरंत समाधान कराया जाए।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय सीमा में कंप्लायंस नहीं किया जाता है तो संबंधित डीलर/शोरूम के लॉगिन आईडी रद्द करने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि बिना पंजीकरण वाले वाहन सड़क पर नहीं चलने चाहिए। हेलमेट-सीटबेल्ट जागरूकता अभियान के साथ-साथ प्रवर्तन तंत्र द्वारा प्रभावी कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों सरदार रौनक सिंह मस्तान की लिखी गई पुस्तक का हुआ विमोचन

संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने दिनांक 13 जनवरी 2026 को मुख्यमंत्री आवास 1 अणे मार्ग में 'सरदार रौनक सिंह मस्तान' द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया। बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के द्वारा पुस्तक की विषयवस्तु से वे अत्यंत प्रसन्न हुए तथा लेखक रौनक सिंह को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। सरदार रौनक सिंह मस्तान ने कहा कि लिखी गई किताब 2005 से नीतीश कुमार के शासन को राजनीतिक एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में मिलाकर प्रस्तुत करती है, जिसमें quantitative history के माध्यम से विकास, प्रशासनिक सुधार और राजनीतिक बदलावों का विश्लेषण किया गया है — और यह पुस्तक KBC Nano Publication के अंतर्गत प्रकाशित है।

आईसीसीसी कैमरों की सख्त निगरानी

नए साल में के दस हजार से अधिक ट्रैफिक उल्लंघन

नो पार्किंग जोन में वाहन खड़ा किया तो ऑटोमेटिक कट रहा चालान

संवाददाता

पटना। शहर में यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं अनुशासित बनाने की दिशा में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की भूमिका लगातार प्रभावी साबित हो रही है। पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड की परियोजना इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जुड़े हाई-रेजोल्यूशन एवं ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन कैमरों की सहायता से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर ऑटोमेटिक चालान की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

नए साल के शुरूआत में ही आईसीसीसी के कैमरे द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में दस हजार से अधिक ट्रैफिक उल्लंघन चिन्हित किए गए। इनमें ओवरस्पीडिंग, हेलमेट नहीं पहनना, ट्रिपल राइडिंग, गलत दिशा में वाहन चलाना, बिना बीमा, बिना सीट बेल्ट, मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग, ट्रैफिक सिग्नल उल्लंघन एवं नो पार्किंग पार्किंग जैसे मामले प्रमुख रूप से शामिल हैं ।

इनमें सबसे ज्यादा संख्या बिना हेलमेट के पिलियन राइडर एवं रॉंग साइड में वाहन। आईसीसीसी कैमरों द्वारा चालान सत्यापित कर सीधे जनरेट किए जाते हैं चालान की सूचना वाहन मालिक के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर भेजी जाती है। यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल, पारदर्शी और मानव हस्तक्षेप से मुक्त है।

नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करने पर आईसीसीसी के कैमरों द्वारा वाहन नंबर ऑटोमेटिक स्कैन कर सीधे चालान काटा जाएगा जहां कैमरे नहीं हैं, वहां आईसीसीसी के सर्विलांस कैमरों से ली जा रही है एवं तस्वीरों के आधार पर भी चालान जारी किए जा रहे हैं। गौरतलब है की ये अभियान नगर आयुक्त एवं प्रबंध निदेशक के आदेश से 28 नवंबर से जारी है और अब तक ऐसे 1600 वाहन चिन्हित किए गए हैं।

एलओसी पर 8 आतंकी कैंप अब भी एक्टिव, आर्मी चीफ की पाकिस्तान को चेतावनी, हरकत पर भारी तबाही पक्की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि भारत द्वारा 10 मई को पाकिस्तानी क्षेत्र में नौ आतंकी संगठनों को निशाना बनाकर शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पश्चिमी मोर्चे और जम्मू-कश्मीर में स्थिति संवेदनशील लेकिन पूरी तरह नियंत्रण में है। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक बदलाव के स्पष्ट संकेत मिले हैं क्योंकि 2025 में आतंकी भर्तियों की संख्या लगभग "नगण्य" रही है। जनरल द्विवेदी ने बताया कि 2025 में 31 आतंकवादियों को मार गिराया गया। उन्होंने आगे कहा कि इनमें से 65 प्रतिशत पाकिस्तानी मूल के थे। सेना प्रमुख ने कहा कि 10 मई से पश्चिमी मोर्चे और जम्मू-

कश्मीर में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन पूरी तरह नियंत्रण में है। 2025 में 31 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें से 65 प्रतिशत पाकिस्तानी मूल के थे, जिनमें पहलगाम हमले के तीन हमलावर भी शामिल हैं जिन्हें ऑपरेशन महादेव में मार गिराया गया। सक्रिय स्थानीय आतंकवादियों की संख्या अब एकल अंकों में है। आतंकवादी भर्ती लगभग न के बराबर है, 2025 में केवल 2 भर्तियां हुईं। जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक बदलाव के स्पष्ट संकेत हैं मजबूत विकास गतिविधियां, पर्यटन का पुनरुद्धार और शांतिपूर्ण श्री अमरनाथ यात्रा, जिसमें 4 लाख से अधिक तीर्थयात्री शामिल हुए, जो पिछले पांच वर्षों के औसत से अधिक है। आतंकवाद से पर्यटन की ओर बदलाव धीरे-धीरे आकार ले रहा है। जनरल द्विवेदी ने म्यांमार में घट रही घटनाओं के ''दूसरों के प्रभाव'' से पूर्वोत्तर को बचाने के लिए काम कर रहे असम राइफल्स, सेना और गृह मंत्रालय के सुरक्षा तंत्र के बारे में भी जानकारी दी। म्यांमार में अशांति के जवाब में असम राइफल्स, सेना और गृह मंत्रालयों सहित एक व्यापक बहु-एजेंसी सुरक्षा ग्रिड पूर्वोत्तर को इसके दुष्प्रभावों से बचाने के लिए काम कर रहा है।

भारत में लांच हुआ बच्चों की सुरक्षा के लिए दुनिया का अपनी तरह का पहला एआई आधारित टूल 'रक्षा'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत ने बच्चों को निशाना बनाकर किए जाने वाले अपराधों के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में स्वयं को अग्रिम पंक्ति में स्थापित करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संचालित अपनी तरह का पहला और अनोखा प्रौद्योगिकी सक्षम टूल 'रक्षा' पेश किया है जिसे बच्चों की ट्रैफिकिंग, बाल विवाह तथा बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री (सी-सीम) की प्रभावी रोकथाम के लिए तैयार किया गया है।

एआई आधारित इस टूल को 16 से 20 फरवरी 2026 के बीच आयोजित होने वाले भारत सरकार के इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले लांच किया गया है। बच्चों की सुरक्षा के लिए विकसित

इस क्रांतिकारी प्रौद्योगिकी-सक्षम टूल 'रक्षा' को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी तथा वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने प्रॉस्पेरिटी फ़्यूचर्स: चाइल्ड सेफ्टी टेक समिट में लांच किया, जो भारत सरकार के एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आधिकारिक प्री-समिट कार्यक्रम है। यह सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) ने अपने रणनीतिक साझेदार इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन के साथ मिलकर आयोजित किया। बच्चों की सुरक्षा के लिए इस टूल 'रक्षा' को जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन ने तैयार किया है जिसके 250 से अधिक सहयोगी नागरिक समाज संगठनों का नेटवर्क बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम, पहचान और प्रभावी प्रतिक्रिया को सशक्त बनाने के लिए देश के 451 जिलों में जमीन पर काम कर रहा है। 'रक्षा' देशभर के बच्चों से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण करता है और उन्नत एआई क्षमताओं का उपयोग कर वास्तविक समय में बच्चों की ट्रैफिकिंग और बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों का मानचित्रण, संवेदनशील बच्चों और समुदायों की पहचान, ट्रैफिकिंग जैसे मुनाफे वाले संगठित अपराध में शामिल गिरोहों की निगरानी, उसके स्रोत और गंतव्य बिंदुओं की ट्रैकिंग तथा शोषण के उभरते रुझानों व नए केंद्रों का पता लगाने में सक्षम बनाता है।

संक्षिप्त खबरें

विनीता श्रीवास्तव बनी मुरादाबाद मंडल की DRM

संवाददाता

पटना। विनीता श्रीवास्तव ,जो भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा 1994 बैच की हैं, मुरादाबाद रेल मंडल में मंडल रेल प्रबंधक पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्हें निवर्तमान मंडल रेल प्रबंधक राज कुमार सिंह ने कार्यभार सौंपा। विनीता इस से पहले आसनसोल रेल मंडल में डीआरएम के पद पर कार्यरत थी।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद डीआरएम विनीता श्रीवास्तव पहले दिन ही मुरादाबाद रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर मंडल की वर्तमान कार्यप्रणाली, यात्री सुविधाओं, संरक्षा, समयबद्धता तथा चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यात्री सुरक्षा, बेहतर यात्री सुविधाएं, समयपालन, स्वच्छता तथा संरक्षा उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेंगी। मुरादाबाद मंडल को भारतीय रेल के उत्कृष्ट मंडलों की श्रेणी में लाने हेतु टीम भावना के साथ तीव्र गति के साथ कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा रेलवे सेवाओं को अधिक पारदर्शी, आधुनिक एवं जनोन्मुखी बनाया जाए।

श्रीमती विनीता श्रीवास्तव रेलवे लीडर' पुरस्कार 2022 से सम्मानित हो चुकी है भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा (आईआरएसएमई) की 1994 बैच व एससीआरए 1991 बैच की अधिकारी विनीता श्रीवास्तव भारतीय रेलवे की एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। मुरादाबाद मंडल में पदभार ग्रहण करने से पूर्व मंडल रेल प्रबंधक-आसनसोल के पद पर कार्यरत थीं एवं इससे पूर्व वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम में मुख्य सतर्कता अधिकारी के पद पर कार्यरत थीं क जहाँ उन्होंने पारदर्शिता और अखंडता सुनिश्चित की कवह रेलवे बोर्ड और विभिन्न मंत्रालयों में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुकी हैं और रेल एवं परिवहन क्षेत्र में नवाचार और नेतृत्व के लिए जानी जाती हैं। कार्यकारी निदेशक (विरासत), निदेशक (इंजन विकास) रेलवे बोर्ड, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर, लखनऊ और विभिन्न मंत्रालयों (इस्पात, भारी उद्योग, संस्कृति) में कार्य किया है कविनीता श्रीवास्तव को 'सबसे नवीन विरासत रेलवे लीडर' पुरस्कार 2022 से सम्मानित हो चुकी हैं।

पुरीख संथाली टोला निवासी लालचन्द्र आजाद भारोत्तोलन खेल के लिए हुए चयनित

संवाददाता

सहरसा: भारत सरकार उपक्रम द्वारा खेलों इंडिया खेल में सभी राज्यों को निर्देश दिया गया है कि ट्रायल द्वारा चयनित खिलाड़ियों को नेशनल प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ में खेलने रवाना किया जायेगा। साथ ही सभी अलग-अलग विधाओं खेल के माध्यम से ट्रैवलर यानी संथाल जातियों के पुरूष व महिलाओं के लिए था। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पाटलिपुत्र खेल परिसर कंकरबाग पटना द्वारा भारोत्तोलन खेल बेगुसराय जिला को सेन्टर बनाया गया। सहरसा जिला के पुरीख गांव के संथाली टोला निवासी लालचन्द्र आजाद पिता मनोज कुमार हांसदा ने प्रथम ट्रायल में चयनित किया गया।मध्य विद्यालय पंचगछिया नवटोल में शारीरिक शिक्षक पद पर कार्यरत जिला भारोत्तोलन संघ के सचिव सह बिहार भारोत्तोलन संघ के संयुक्त सचिव हरेंद्र सिंह मेजर ने कहा कि लालचन्द्र आजाद को 14 से 18 फरवरी 2026 तक नेशनल प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ में होने वाले प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

इससे पहले सभी भारोत्तोलन खेल के चयनित लिफ्टर को पाटलिपुत्रा स्टेडियम कंकड़बाग पटना में एक सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण लिया जायेगा। यह सौभाग्य सहरसा जिला को इंटरनेशनल खेल कुश्ती खेल,, भारोत्तोलन खेल में लगातार परचम लहराने वाले बिहार में द्वितीय स्थान सहरसा जिला को प्राप्त किया। ये गर्व गौरवान्वित उपलब्धियों का क्षण है। ऐतिहासिक उपलब्धियों पर भारोत्तोलन संघ अध्यक्ष डा बिजय शंकर, संरक्षक अर्जुन चौधरी, डा बरूण कुमार, डा रविकुमार, डा राकेश कुमार, डा आर के सिंह, बरीय अधिवक्ता संतोष दत्ता, डा उपाध्याय, अध्यक्ष कुश्ती नितेंद्र प्रताप नन्हे, अध्यक्ष जितेंद्र चौहान सहित जिले के तमाम खेल संघ ने हार्दिक बधाई शुभकामनाएं दी।

शोध अवधि कार्य बढ़ाने के संबंध में सिंडीकेट सदस्य ने कुलपति को सौपा पत्र

संवाददाता

सहरसा: पैट 19 छात्रों के शोध अवधि में विस्तार को लेकर सिंडीकेट सदस्य मेजर प्रो गौतम कुमार ने बीएनएमयू कुलपति को पत्र देकर बढाने की मांग की है। उन्होने कहा कि भूपेंद्र मंडल विश्वविद्यालय में PAT - 2019 में नामांकित छात्र छात्राओं का अभी तक शोध कार्य आर्थिक तंगी और कई विभागों और विभागाध्यक्ष के लापरवाही के कारणों से पूरा नहीं हो सका। जिसका खामियाजा आम छात्र छात्राओं को उठाना पड़ रहा है। ज्ञात हो कि कई छात्र छात्राओं का PGRC कार्य 14 जून 2021 को संपन्न हुआ । लेकिन कई विभागों और उनके विभागाध्यक्षों के वजह से उनका शोध कार्य ससमय पूर्ण नहीं हो पाया। ऐसे छात्र एवं छात्राओं की संख्या बहुत अधिक है जिनका प्लेगिज्म हेतु आवेदन लेने में विभागों के द्वारा जानबूझ कर लापरवाही के वजह से विलंब किया गया। इस विलंब का कारण विभागाध्यक्षों के द्वारा किया गया है। ऐसे सभी छात्रों के भविष्य को देखते हुए उन्हें एक अवसर देने की कृपा प्रदान करें ताकि वे अपना शोध कार्य पूर्ण कर सके।

डीएम ने सड़क सुरक्षा माह 2026 के अवसर पर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता

दरभंगा। सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत आमजनों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आज समाहरणालय परिसर, दरभंगा से जिलाधिकारी, कौशल कुमार द्वारा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। जागरूकता रथ के माध्यम से जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आम लोगों को सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की जाएँगी। उन्होंने कहा यह रथ सड़क दुर्घटनाओं से बचाव, सुरक्षित वाहन परिचालन तथा यातायात नियमों के पालन के लिए लोगों को प्रेरित करेगा।

जिलाधिकारी, कौशल कुमार ने जिलेवासियों से अपील की वे दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें तथा यातायात नियमों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा माह को सफल बनाने हेतु जनसहयोग पर बल दिया। जागरूकता रथ जिले के शहरी क्षेत्र एवं प्रखंड में जाकर लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करेगा। अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, सलीम अख्तर, जिला परिवहन पदाधिकारी दरभंगा, नजारत उप समाहर्ता, पवन कुमार, वरीय उप समाहर्ता (स्थापना) सहित अन्य संबंधित पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

कोसी तटबंध के ग्रामीण इलाके में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लगाया चिकित्सा शिविर

▸ खंड कार्यवाह और पीएचसी में नियुक्त चिकित्सक ने दिया योगदान ▸ तटबंध के लोगों को मिली राहत

संवाददाता

सहरसा: जिला के सुदूर कोसी नदी तटबंध इलाके में अवस्थित नवहट्टा प्रखंड के मोहनपुर गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने स्वामी विवेकानंद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। सुदूर ग्रामीण इलाके में चिकित्सक के टीम के पहुंचने से लोगों में काफी खुशी देखी गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यवाह प्रवीण कुमार और अभिषेश राणा के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नवहट्टा पीएचसी में नियुक्त चिकित्सक डॉ अखिलेश कुमार पहुंचे। जिन्होंने स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे 150 से अधिक ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

मौके पर ही आवश्यक दवा और अन्य स्वास्थ्य सुविधा भी उपलब्ध करवाया। जिससे ग्रामीण इलाके के लोगों में काफी खुशी देखी गई। उन्हें ठंड के मौसम में मिले चिकित्सीय सलाह से काफी राहत मिली थी। खंड कार्यवाह प्रवीण कुमार ने बताया कि संघ से मिले निर्देश पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया था। जिसमें चिकित्सकों ने काफी सहयोग दिया था। प्रक्रिया आगे भी की जाएगी।वहीं खंड कार्यवाह अभिशेष राणा ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज के अंतिम पायदान तक के लोगों तक सेवा दे रही है। जिसके कड़ी में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

किया गया था। कोसी तटबंध का यह इलाका पिछड़ा हुआ है। जहां के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा लेने में कठिनाई उठानी पड़ती है। ऐसे में चिकित्सकों को ही उनके पास लाकर संघ ने एक अच्छा कदम उठाया है। उनकी कोशिश रहेगी। अन्य गांव में भी कैंप आयोजित हो। मौके पर संघ के ओमप्रकाश, सोहन राम, सूरज सम्राट सहित अन्य स्वयंसेवक संघ सामिल हुए।

मनरेगा बचाओ संग्राम शंकर चौक पर कांग्रेस का एक दिवसीय उपवास कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता

सहरसा: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा देशव्यापी ''मनरेगा बचाओ संग्राम'' अभियान के तहत मंगलवार को शंकर चौक पर एक दिवसीय उपवास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार झा ने किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मनरेगा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को कमजोर करने की केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जनआवाज बुलंद करना एवं ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और प्रवासी श्रमिकों के हक की रक्षा करना रहा।

जिलाध्यक्ष श्री झा ने कहा कि केन्द्र सरकार आमलोग में यह धारणा फैलाने की कोशिश कर रही है कि कांग्रेस पार्टी राम जी का विरोध कर रही है। सच तो यह है कि भाजपा इस आड़ में पंचायत के अधिकार को छीनना चाहती है। एआईसीसी सदस्य केशर कुमार सिंह ने कहा कि केन्द्र संपोषित योजना में अब राज्यांश 40 % कर दिया है जिससे ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिकुल असर पडेगा।भाजपा सरकार ग्रामीण मजदूरों से काम का अधिकार छीन कर महानगरों में पलायन को मजबूर कर रही है। कांग्रेस पार्टी रोजगार गारंटी, अधिकार व न्यूनतम मजदूरी 400 रुपया करने की मांग करती है। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस नेता रामसागर पांडेय, प्रदेश प्रतिनिधि मो. नईमउद्दीन, मजनू हैदर कैश, एनएसयुआई के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक मनीष कुमार, जिलाध्यक्ष नीतिश कुमार, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष नीरज कुमार निराला, मजनू हैदर कैश, सत्यनारायण चौपाल, महिला नेत्री ईला पासवान, कहरा प्रखंड अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, रामकुमार पासवान, भरत झा, वीरेन्द्र पासवान, शोभाकांत झा, प्रवक्ता मृत्यंजय सिंह, डेविड, दिवाकांत गिरि, मंगल, भरत झा, मो ख्वाजा, जवाहर झा, अमरजीत यादव, विशाल यादव, बैद्यनाथ झा सहित अन्य मौजूद थें।

प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार को 19 जनवरी से कार्यालयों में होगी बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई

संवाददाता

सहरसा: सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय सबका सम्मान-जीवन आसान इज ऑफ लीविंग के अंतर्गत बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निष्पादन को लेकर ऊर्जा सचिव सह बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह ने सभी आपूर्ति अंचल कार्यालयों के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की और सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को अनिवार्य रूप से अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनें और उनका समाधान करें। विभाग के अधिकारी कार्यालय में हर सोमवार और शुक्रवार को उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनेंगे और उसका समाधान कराएंगे। यह व्यवस्था 19 जनवरी से लागू होगी। निदेशानुसार, सभी अंचल, प्रमंडल, अवर प्रमंडल एवं सेक्शन कार्यालय में सोमवार को दोपहर 12:30 बजे से 2:00 बजे तक और शुक्रवार को

दोपहर 3:00 बजे से 4:30 बजे तक बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों की शिकायतों की सुनवाई कर त्वरित समाधान किया जाएगा ।इस दौरान विद्युत कार्यपालक अभियंता अपने डिवीजन ऑफिस में, सहायक विद्युतअभियंता सब-डिविजन में और सेक्शन में कनिया अभियंता उपस्थित रहेंगे।विद्युत कार्यपालक अभियंता अमित कुमार ने बताया कि विभाग के सचिव मनोज कुमार सिंह के निदेसानुसार प्रत्येक सप्ताह के दो कार्यदिवस सोमवार एवं शुक्रवार को विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, अवर प्रमंडल व प्रशाखा के सभी कार्यालयों में अधिकारी शिकायतों की सुनवाई करेंगे। उपभोक्ता अपनी समस्या लेकर अफसरों के कार्यालय में मिल सकेंगे।उन्होंने बताया कि सोमवार की दोपहर 12:30 बजे से 14:00 बजे तक और शुक्रवार को 15:00 बजे से 16:30 बजे तक उपभोक्ताओं का बिजली विभाग से संबंधित शिकायत की सुनवाई की जाएगी। ऊर्जा सचिव मनोज कुमार सिंह ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को अपने-अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर उपभोक्ताओं से अच्छे व्यवहार से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को संवेदनशीलता से सुनते हुए त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सभी कार्यालयों में उपभोक्ताओं के लिए बैठने की उचित व्यवस्था के साथ-साथ पेयजल, शौचालय आदि आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से प्राप्त सभी शिकायतों का पंजीकरण कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यह पहल उपभोक्ताओं के लिए उपयोगी साबित होगी और उनका दैनिक जीवन आसान होगा। बिहार को सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के लिए सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों को लागू किया गया है। "सबका सम्मान-जीवन आसान' (इज आफ लीविंग) का मुख्य मकसद नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को और भी आसान बनाना है।

राष्ट्रीय युवा दिवस सप्ताह के तहत बाबू वीर कुंवर सिंह प्रतिमा स्थल की साफ सफाई

संवाददाता

सहरसा: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा मंगलवार को राष्ट्रीय युवा दिवस सप्ताह कार्यक्रम के तहत वीर कुंवर सिंह अवस्थित वीर कुंवर सिंह जी के प्रतिमा एवं स्थल को साफ किया गया। विभाग सहसंयोजक ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करती है स्वच्छता, शिक्षा स्वास्थ्य शिविर प्राकृतिक आपदा पर्यावरण सहित विभिन्न विषयों पर गहरा चिंतन करती है और उसके प्रति कार्यकर्ता समर्पण भाव से कार्य करते हैं। नगर मंत्री रोशन कामत ने कहा कि राष्ट्रीय युवा सप्ताह दिवस पर शहर के विभिन्न महापुरुषों की प्रतिमा एवं प्रतिमा स्थल का सफाई कार्यक्रम किया जा रहा है। महापुरुषों की प्रतिमा का निरंतर साफ सफाई कर्ज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा होता रहेगा।

प्रदेश का अधिकारी ने सदस्य सोनू मिश्रा ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राष्ट्र पुनर्निर्माण के साथ-साथ समाज के निचले स्तर तक लोगों के लिए कार्य करते हैं। शैक्षणिक अराजकता भ्रष्टाचार जैसे विषयों पर विद्यार्थी परिषद मुखर होकर विरोध करती है और सरकार का ध्यान केंद्रित करती है। इस मौके पर नगर के सभी कार्यकर्ता मौजूद थे।

हथियार के साथ फोटो वायरल करने के मामले में पुलिस ने दो युवक को किया गिरफ्तार
पुलिस ने युवक के पास से एक कट्टा भी किया बरामद

संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर सहरसा: हथियार के साथ फोटो वायरल करना दो युवकों को महंगा पड़ गया। इस मामले में बख्तियापुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो युवक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के संबंध में बख्तियापुर थानाध्यक्ष अमरनाथ कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को एक युवक के द्वारा हथियार के साथ फोटो वायरल किया गया था।

वायरल फोटो की पुष्टि कर युवक की पहचान की गई। युवक की पहचान थाना क्षेत्र के सिटानाबाद पंचायत के कुमेदान टोला के वार्ड संख्या 2 के निवासी राजकिशोर यादव के पुत्र मणिराज कुमार के रूप में की गई। जिसके बाद थानाध्यक्ष ने थाना में पदस्थापित दारोगा रामनाथ पासवान को युवक को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। निर्देश के आलोक में पुलिस बल युवक के घर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद गिरफ्तार युवक से हथियार के संबंध में पूछा गया तो उसने बताया कि वह अपना हथियार गांव के रूपेश कुमार को रखने दिया है। जिसके बाद पुलिस ने रूपेश कुमार के घर छापेमारी कर रूपेश को हिरासत में लेते हुए उसके घर की तलासी लेनी शुरू की तो उसके घर से एक कट्टा बरामद किया गया। जिसके बाद पुलिस ने रूपेश को भी गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष अमरनाथ कुमार ने बताया कि पकड़े गए दोनो युवक को मंगलवार को सहरसा न्यायालय भेजते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एस एन एस आर के एस कॉलेज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता साक्षरता सप्ताह का शुभारंभ

संवाददाता

सहरसा: एन एस एस इकाई, एस एन एस आर के एस कॉलेज द्वारा डिजिटल युग में तकनीकी समाज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृत्रिम बुद्धिमत्ता साक्षरता सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य छात्रों, शिक्षकों और आम नागरिकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बुनियादी अवधारणाओं, उपयोगों और चुनौतियों से परिचित कराना है ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य प्रो डॉ.अशोक कुमार सिंह ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता साक्षरता आज के समय की आवश्यकता है। यदि हम इसके सकारात्मक और नैतिक उपयोग को समझ ले तो यह समाज के विकास में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है । एन एस एस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. आर्य सिंधु ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का ज्ञान भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता साक्षरता सप्ताह का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में ऐ आई को लेकर जागरूकता बढ़ाना है ताकि वे तकनीक का सही, सुरक्षित और नैतिक उपयोग कर सके । डॉ अनिरुद्ध कुमार ने कहा कि आज के दौर में AI को समझना उठाना ही जरूरी है जितना पढ़ना - लिखना।

सही ज्ञान के साथ यह तकनीक समाज को नई दिशा दे सकती है । प्रो सुधांशु शेखर ने कहा कि छात्र केवल तकनीक के उपभोक्ता ना बने बल्कि जिम्मेदार और सजग उपयोगकर्ता बने ।कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सही ज्ञान ही डिजिटल भारत की मजबूत नींव है ।

इस अवसर पर डॉ संजय कुमार सिंह, डॉ. अवधेश मिश्रा, डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह, डॉ.रामनरेश पासवान, डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, डॉ. लीना कुमारी, डॉ. रंजय सिंह, डॉ. सुभाष कुमार, डॉ. नृपेंद्र सिन्हा, डॉ मनोज विद्यासागर, डॉ. अभय पाठक साथ ही अन्य शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मी एवं महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवक कुमार सिंह, गणेश, पूजा, चंचल साधना, आदित्य, सुमन, खुशबू अनु आदि मौजूद थे।

सड़क सुरक्षा माह के तहत सहरसा में वाहन चालकों की व्यापक मुफ्त नेत्र जांच

संवाददाता

सहरसा: सड़क दुर्घटनाओं में हो रही लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए परिवहन विभाग द्वारा जनवरी माह को सड़क सुरक्षा माह के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में सहरसा जिले में वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर एक सराहनीय पहल की गई है। सड़क सुरक्षा माह के तहत सहरसा सदर अस्पताल परिसर में वाहन चालकों के लिए विशेष मुफ्त नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। परिवहन विभाग की ओर से आयोजित इस हेल्थ कैंप का उद्देश्य ड्राइविंग के दौरान आंखों से जुड़ी समस्याओं की पहचान कर समय रहते इलाज सुनिश्चित करना है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। मंगलवार को दोपहर करीब

डेढ़ बजे परिवहन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सदर अस्पताल के साथ-साथ रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर एक साथ नेत्र जांच शिविर लगाया गया है। इन शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा वाहन चालकों की आंखों की जांच की जा रही है।

जांच के दौरान नजर की कमजोरी, धुंधलापन, रात में कम दिखाई देना जैसी समस्याओं की पहचान कर आवश्यक परामर्श और इलाज भी उपलब्ध कराया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार अब तक तीनों स्थानों पर आयोजित शिविरों में दो सौ से अधिक वाहन चालकों की आंखों की जांच की जा चुकी है, जबकि आगे यह संख्या और बढ़ने की संभावना है।

इंडियन इंक्लूसिव पार्टी द्वारा विधायक प्रतिनिधि हुए नियुक्त
जिला मुख्यालय के विधायक प्रतिनिधि बनें अमरेंद्र कुमार

संवाददाता

सहरसा: इंडियन एक्सक्लूसिव पार्टी के सुप्रीमो सह सहरसा विधायक ई इंद्रजीत प्रसाद गुप्ता ने 75 विधानसभा क्षेत्र के लिए विभिन्न निकाय एवं संस्थाओं के लिए विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है।

विधायक श्री गुप्ता ने बताया कि जिला मुख्यालय विधायक प्रतिनिधि के तौर पर सिमरी बख्तियारपुर खम्हौती निवासी अमरेंद्र कुमार पिता स्वर्गीय देवनारायण तांती, सौर बाजार नगर पंचायत के लिए विधायक प्रतिनिधि के तौर पर भेड़धड़ी वार्ड नंबर 37 रूपनगरा निवासी नीरज कुमार पिता स्वर्गीय विजय शंकर तांत, वही नगर पंचायत बनगांव के लिए बरियाही निवासी इमरान खान, कहरा प्रखंड प्रतिनिधि रहुआ मनी निवासी पवन कुमार पिता महेंद्र यादव एवं सौर बाजार प्रखंड प्रतिनिधि के तौर पर आजगैवा वार्ड नंबर 4 भवानीपुर निवासी मनोज कुमार उर्फ सुनील कुमार यादव पिता उपेंद्र नारायण यादव को नियुक्त किया गया है।

विधायक श्री गुप्ता ने कहा कि मेरे अनुपस्थिति में संस्थान एवं विभिन्न निकाय के द्वारा आयोजित समीक्षात्मक बैठक में भाग लेने हेतु विधायक प्रतिनिधि के तौर पर अधिकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम सहरसा के लिए विधायक प्रतिनिधि का मनोनयन बाद में संसुचित की जाएगी।

युवा क्रांति मंच और पिरामल स्वास्थ्य के सहयोग से अनुमंडलीय अस्पताल में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

संवाददाता

सहरसा: युवा क्रांति मंच, सिमरी बख्तियारपुर के तत्वावधान में मंगलवार को अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में एक विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पिरामल स्वास्थ्य के विशेष सहयोग और मंच के सदस्य पंकज कुमार निगम की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

रक्तदानः एक मानवीय पहलः शिविर का मुख्य उद्देश्य आकस्मिक परिस्थितियों और आपातकाल में रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों को समय पर जीवनरक्षक सहायता उपलब्ध कराना था। इस अवसर पर युवा क्रांति मंच के सक्रिय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया और समाज के सामने मानव सेवा की एक प्रेरणादायी मिसाल पेश की। अधिकारियों और विशेषज्ञों की उपस्थितिः कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारियों और सहयोगी संस्थाओं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मौके पर उपस्थित अनुमंडलीय अस्पताल के उपाध्यक्ष डॉ. अनुपम अभिषेक दत्ता और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आशीष कुमार ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।

शिविर के सफल संचालन में अस्पताल प्रबंधक अखिलेश सिंह के साथ-साथ सहयोगी संस्था पिरामल स्वास्थ्य के जिला प्रबंधक रिपुंजय कुमार, डिस्ट्रिक्ट लीड अखिलेश कुमार और गाँधी फेलो देवाशीष की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला ब्लड बैंक की टीम से लैब टेक्नीशियन पाठक जी, नीलेश कुमार तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। रक्तदान महादानः समाज की सराहनाः आयोजकों ने अपने संबोधन में कहा कि "रक्तदान महादान है" और एक यूनिट रक्त से कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। स्थानीय नागरिकों ने युवा क्रांति मंच और पिरामल स्वास्थ्य की इस संयुक्त पहल की मुक्त कंठ से सराहना की। लोगों ने इस बात पर जोर दिया कि समाज में जागरूकता फैलाने के लिए ऐसे शिविरों का नियमित अंतराल पर आयोजन होना आवश्यक है।

संक्षिप्त खबरें

दरभंगा एयरपोर्ट के पास बनेगा लॉजिस्टिक पार्क व कार्गो हब, भूमि अधिग्रहण के लिए 138.82 करोड़ मंजूर, दरभंगा में लॉजिस्टिक पार्क से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर : डॉ धर्मशीला गुप्ता

संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा हवाई अड्डा के समीप लॉजिस्टिक पार्क और कार्गो हब के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। इसके लिए मुआवजे के तौर पर 138 करोड़ 82 लाख 88 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह निर्णय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में लिया गया। भाजपा बिहार महिला मोर्चा की अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद, डॉ. धर्मशीला गुप्ता ने कैबिनेट के इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा लॉजिस्टिक पार्क और कार्गो हब बनने से दरभंगा समेत मिथिलांचल के आर्थिक विकास को गति मिलेगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। डॉ. गुप्ता ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को साधुवाद देते हुए कहा केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से बिहार में बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास हो रहा है।

मिथिला स्टूडेंट यूनियन ने जयानंद महाविद्यालय, नेहरा में संगठन का लगातार चलाया सदस्यता अभियान

संवाददाता

दरभंगा। मिथिला स्टूडेंट यूनियन द्वारा जयानंद महाविद्यालय, नेहरा में संगठन का लगातार सदस्यता अभियान पूरे उत्साह एवं सक्रियता के साथ चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व महाविद्यालय की छात्रा अध्यक्ष मुस्कान कुमारी ने किया। उनके नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और संगठन की विचारधारा, उद्देश्यों तथा छात्र हित में किए जा रहे संघर्षों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया. सदस्यता अभियान का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के छात्रों को उनके अधिकारों, शैक्षणिक समस्याओं, शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं के प्रति जागरूक करना रहा। अभियान के दौरान मिथिला स्टूडेंट यूनियन के कार्यकताओं ने छात्रों से संवाद स्थापित कर उन्हें संगठन के इतिहास, उसकी भूमिका व छात्र हित से जुड़े आंदोलनों की जानकारी दी। छात्रों को यह बताया गया कि संगठन हमेशा लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से छात्र समस्याओं को उठाता रहा है और आगे भी उठाता रहेगा। महाविद्यालय छात्रा अध्यक्ष मुस्कान कुमारी ने कहा मिथिला स्टूडेंट यूनियन केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि छात्रों की आवाज और उनके अधिकारों की रक्षा का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि आज के समय में छात्रों का संगठित होना बेहद आवश्यक है, क्योंकि बिना संगठन के छात्रों की समस्याएं प्रशासन तक नहीं पहुंच पातीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया संगठन का उद्देश्य किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि छात्र हित में सकारात्मक बदलाव लाना है अभियान के दौरान छात्रों ने महाविद्यालय से जुड़ी विभिन्न समस्याओं जैसे समय पर कक्षाओं का संचालन न होना, परीक्षा परिणाम में देरी, पुस्तकालय एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों को सामने रखा। मिथिला स्टूडेंट यूनियन के कार्यकताओं ने इन समस्याओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि संगठन इन सभी मुद्दों को उचित मंच पर मजबूती से उठाएगा सदस्यता अभियान में बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। नए सदस्यों ने कहा वे एक ऐसे संगठन से जुड़कर गर्व महसूस कर रहे हैं जो वास्तव में जमीनी स्तर पर छात्रों की समस्याओं के लिए संघर्ष करता है। उन्होंने विश्वास जताया मिथिला स्टूडेंट यूनियन के माध्यम से उनकी आवाज और अधिक मजबूत होगी। मौके पर उपस्थित नीतीश कुमार, सोनू राय, राखी कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, शिवानी कुमारी, रानी कुमारी अनेकों सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में सम्मान पूर्वक राष्ट्रीय युवा दिवस महात्मा गांधी महाविद्यालय सुंदरपुर, में मनाया गया

संवाददाता

दरभंगा। महात्मा गांधी महाविद्यालय सुंदरपुर, दरभंगा के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में सम्मान पूर्वक राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाया गया । वक्ताओं ने भारत के युवा को संस्कारी एवं देश की संस्कृति को अग्रणी बताया। और युवा को शिक्षा पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया इस अवसर पर "मेरा युवा भारत" विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य प्रो. प्रेम कुमार ने युवाओं की तुलना वायु से किया। उन्होंने स्वामी जी के सिद्धांत उठो जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो जाए को अनुकरण करने को कहा। प्रो. राजकुमार सर ने स्वामी जी के शिकागो भाषण का याद दिलाते हुए भारत को आध्यात्मिक जगत में अग्रणी बताया। उन्होंने कहा स्वामी जी के विचारों से चलने पर हमे पुनः विश्व गुरु बनने से कोई रोक नहीं सकता। इस मौके पर प्रो. रामकुमार सर ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही हम विश्व पटल पर अग्रणी भूमिका में रहेंगे। इसीलिए उन्होंने आज के युवा को शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। डॉ. रामानेक कुशवाहा ने वसुधैव कुटुंबकम् पर बल देते हुए कहा जिस प्रकार सभी नदियां कही से भी निकलती है और अंततः समुद्र में विलीन हो जाती है उसी प्रकार भारत आध्यात्मिक जगत के गुरु है। इसी कड़ी में डॉ रोहिणी कुमारी ने कविता के माध्यम से युवा को प्रेरित किया, डॉ प्रियंका कुमारी ने स्वामीजी के दर्शन पर बल दिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम सागर कुमार, द्वितीय सुमन कुमारी, तृतीय सुनील कुमार ने स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका नेशनल यूथ वॉलेंटियर मनोज मिश्रा एवं अन्य ने निभाया। सभा की अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रो. प्रेम कुमार ने की। जबकि स्वागत भाषण डॉ. अविनाश कुमार (राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी) ने किया। धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ रामनाथ शर्मा ने किया। मंच संचालन डॉ शिखा ने किया।

बाढ़ में भाजपा-जदयू ने मनरेगा का नाम बीवी-जी राम जी रखने का किया स्वागत

संवाददाता

बाढ़। मंगलवार को बाढ़ के मलाही स्थित भाजपा कार्यालय में जी राम जी योजना के समर्थन में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों में योजना को लेकर जागरूकता एवं विश्वास पैदा करने पर जोर दिया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जदयू जिलाध्यक्ष अशोक चंद्रवंशी ने कहा कि योजना का नामकरण महात्मा गांधी के आराध्य देव राम जी के नाम पर किया गया है, जिससे महात्मा गांधी की आत्मा को भी तृप्ति मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत ग्रामीण मजदूरों के लिए कार्य दिवस 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि केंद्र सरकार इस योजना में कितनी प्रतिशत राशि राज्य सरकार को उपलब्ध कराएगी। उन्होंने यह भी कहा कि योजना के लिए पहले से अधिक बजट पारित किया जाएगा। इस मौके पर बाढ़ विधायक डॉ. सियाराम सिंह ने नए बिल का समर्थन करते हुए विपक्ष के आरोपों को निराधार बताया।

वहीं भाजपा नेता धनराज शर्मा ने कहा कि मनरेगा योजना में कई तरह की त्रुटियां थीं, जिन्हें दूर किया गया है। उन्होंने बताया कि पहले श्रमिकों का भुगतान लंबित रहता था, जॉब कार्ड किसी और का होता था और कार्य कोई और करता था। अब इन सभी खामियों को दूर कर दिया गया है।

इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का पीजी एथलेटिक्स बना ओवर आल चैंपियन

पीजी एथलेटिक्स एवं डॉ एपीजे अब्दुल कलाम डब्ल्यूआईटी द्वारा आयोजित चार दिवसीय इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल 'अनंतनाद' का हुआ समापन

संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर के पीजी एथलेटिक्स व डॉ एपीजे अब्दुल कलाम डब्ल्यूआईटी के संयुक्त तत्त्वावधान में 10 से 13 जनवरी के बीच विश्वविद्यालय मुख्यालय में आयोजित इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल प्रतियोगिता 2025-26 अनंतनाद का समापन समारोह 13 जनवरी को जुबिली हॉल में आयोजित किया गया। कुलानुशासक प्रो विजय कुमार यादव की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में मिथिला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ समरेन्द्र प्रताप सिंह मुख्य अतिथि, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो दिलीप कुमार चौधरी, वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो हरे कृष्ण सिंह, ललित कला संकायाध्यक्ष प्रो लावण्य कीर्ति सिंह 'काव्या', सिंडिकेट सदस्य डॉ बैजनाथ चौधरी 'बैजू' एवं मीणा झा, एमएलएसएम कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ शंभू कुमार यादव, डब्ल्यूआईटी निदेशक प्रो अजय नाथ झा, खेल पदाधिकारी प्रो अमृत कुमार झा, आयोजन सचिव डॉ प्रियंका राय, एमएमटीएम कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ उदय कान्त मिश्र, एनएसएस समन्वयक डॉ आर एन चौरसिया, संस्कृत विभागाध्यक्ष डा कृष्णकांत झा, दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ शिवानंद झा, डॉ नीतू कुमारी, डॉ ममता स्नेही, डॉ सुनीता कुमारी, सहभागी कॉलेज के टोली प्रबंधकों के साथ ही प्रतिभागी छात्र-छात्राएं एवं संगत कलाकारों और आयोजन के सहयोगियों सहित 150 से भी अधिक संख्या में लोग उपस्थित थे।प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के पीजी एथलेटिक्स को सर्वाधिक 124 अंक के साथ चैंपियन घोषित किया। सीएम कॉलेज दरभंगा को 82 अंकों के साथ उपविजेता। मनीष राज एवं सुमित कुमार झा के संचालन में आयोजित समारोह में अतिथियों का स्वागत पाग, चादर, बुके एवं मोमेंटो से किया गया। प्रो. समरेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रतिभागियों को बधाई एवं आशीर्वाद देते हुए कहा यूथ फेस्टिवल के आयोजन से छात्र-छात्राओं का शारीरिक एवं मानसिक उत्थान होता है। आज कलाकारों एवं खिलाड़ियों को सरकार नौकरियां भी दे रही हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे आगे भी अपनी तैयारी जारी रखें, ताकि यूथ फेस्टिवल के जोनल एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में जाकर अपने परिवार विश्वविद्यालय का नाम रौशन कर सकें और अपने जीवन में सफलताएं भी प्राप्त कर सकें। डॉ बैजनाथ चौधरी 'बैजू' ने विश्वविद्यालय एवं

यूथ फेस्टिवल प्रतियोगिता के इतिहास एवं महत्त्व को विस्तार से बताते हुए आयोजन की सफलतापूर्वक हेतु आयोजन एवं विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। मीना झा ने कहा कि यूथ फेस्टिवल के द्वारा जो युवा कुंभ का आयोजन विश्वविद्यालय में किया गया, उससे मुझे काफी प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने समारोह में बुलाने के लिए आयोजकों को धन्यवाद देते हुए युवाओं से खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया।

प्रो दिलीप चौधरी ने कहा कि हमारा देश युवाओं का है। युवा हमारे राज्य एवं देश के लिए बड़ी शक्ति है। उनके बिना देश का उत्थान संभव नहीं है। उन्होंने आनंदित मन से युवाओं को पढ़ाई के साथ ही खेल में भी आगे बढ़ाने पर बल देते हुए कहा सरकार नौकरियों में भी खिलाड़ियों एवं कलाकारों को आरक्षण दे रही है। प्रो लावण्य कीर्ति सिंह 'काव्या' ने कहा इस "अनंतनाद" में प्रतिभागियों की प्रस्तुति बहुत ही अच्छी रही। यदि छात्र अपने परफॉर्मेंस के लिए निरंतर इसी तरह लग रहे तो बड़ी उपलब्धियां प्राप्त कर सकते हैं। अमित कुमार झा ने कहा कि इस आयोजन से अनेक नई प्रतिभाएं सामने आयी हैं। इन प्रतिभागियों के साथ शीघ्र ही जोनल यूथ फेस्टिवल के लिए हम लोग तैयारी प्रारंभ कर देंगे। अध्यक्षीय संबोधन में कुलानुशासक प्रो विजय कुमार यादव ने कहा भारत में करीब 53% आबादी युवाओं की है, जिनपर देश का भविष्य निर्भर है। आज खेल के माध्यम से छात्र विश्व स्तर पर प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहे हैं। अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो अजयनाथ झा ने कहा आज के तनाव युक्त युग में इन आयोजनों से सुकून मिलता है। जो सही मेहनत करते हैं, वे कभी पीछे नहीं रहते। उन्होंने छात्रों से कहा परिश्रम का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। धनबाद ज्ञापन करते हुए आयोजन सचिव डॉ प्रियंका राय ने"अनंतनाग" आयोजन के कार्यक्रमों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कलाकार कभी भी अहंकारी नहीं हो सकते हैं। हम सब अपने गुरु एवं कला के सामने झुकते हैं। आयोजन में सब लोगों ने अपना बेहतरीन सहयोग किया है, फिर भी यदि कोई कमी रह गई हो तो जरूर बताएंगे। समारोह में सीएम कॉलेज, सीएम साइंस कॉलेज, केएस कॉलेज, एमएलएसएम कॉलेज, एमके कॉलेज, लहेरियासराय, मिल्लत कॉलेज, पीजी एथलेटिक्स, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम डब्ल्यूआईटी, सब डिविजनल डिग्री कॉलेज, बेनीपुर, वीमेन्स कॉलेज, समस्तीपुर, बीआरबी कॉलेज, आरएनएआर कॉलेज, समस्तीपुर, आरबी कॉलेज, दलसिंहसराय, जीडी कॉलेज, बेगूसराय, आर के कॉलेज, मधुबनी आदि के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

संपूर्ण आयोजन 5 केटेगरियों में आयोजित किए गए। जिनमें कुल 28 इवेंट हुए। इन कैटिगरियों में म्यूजिक, डांस, लिटरेरी में विश्वविद्यालय के पीजी एथलेटिक्स विभाग चैंपियन रहा। फाइन आर्ट में एमएलएसएम कॉलेज, दरभंगा व थिएटर केटेगरी में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम डब्ल्यूआईटी को चैंपियन घोषित किया गया। पीजी एथलेटिक्स ओवरऑल चैंपियन व सीएम कॉलेज, दरभंगा उपविजेता घोषित किया गया। एमएलएसएम कॉलेज 73 अंकों के साथ तृतीय स्थान, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम डब्ल्यूआईटी 50 अंकों के साथ चतुर्थ स्थान तथा विमेंस कॉलेज, समस्तीपुर 22 अंकों के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया। इनके टोली प्रबंधकों एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन स्थान प्रदान करने के लिए जुबली हॉल, जंतु विज्ञान विभाग तथा भौतिक विभाग के अध्यक्षों, आयोजन समिति के सदस्यों, तकनीकी सहयोगियों, कोऑर्डिनेटर आदि को भी सम्मानित किया गया।

खराब प्रदर्शन करने वाले महिला पर्यवेक्षक के विरुद्ध चयनमुक्त की प्रक्रिया को लेकर

लापरवाही एवं लक्ष्य प्राप्ति में शिथिलता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी : डीएम

संवाददाता

मधुबनी: जिलाधिकारी आनंद शर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों के साथ आईसीडीएस (समेकित बाल विकास सेवाएं) से संबंधित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पोषण ट्रैकर ऐप के माध्यम से रियल-टाइम मॉनिटरिंग, डेटा प्रविष्टि की गुणवत्ता एवं सभी प्रमुख इंडिकेटर्स की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने लाभार्थियों के शत-प्रतिशत सत्यापन, गृह भ्रमण एवं सामुदायिक गतिविधियों की नियमितता, बच्चों की वृद्धि निगरानी तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान अति कुपोषित बच्चों के चिन्हीकरण में हो रही देरी पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। जिन महिला पर्यवेक्षिकाओं द्वारा अब तक अपने क्षेत्र के रअट बच्चों का विश्लेषण कर संकलित सूची उपलब्ध नहीं कराई गई है, उनके 5 दिनों

के मानदेय में कटौती का आदेश दिया गया। साथ ही, सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं की इंडिकेटर आधारित रैंकिंग कर खराब प्रदर्शन करने वालों के विरुद्ध चयनमुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कार्यालय कार्यों में तेजी लाने हेतु यह भी निर्देश दिया कि जहाँ लिपिक या प्रधान लिपिक के पद रिक्त हैं, वहाँ अन्य योग्य कर्मियों को प्रभार देकर कार्यों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि कार्यों में लापरवाही एवं लक्ष्य प्राप्ति में शिथिलता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पोषण अभियान को मिशन मोड में संचालित कर जिला रैंकिंग में सुधार लाने का निर्देश दिया गया।

सांकेतिक बाल विकास सेवा से संबंधित समीक्षा

संवाददाता

बेगूसराय: जिलाधिकारी बेगूसराय श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कारगिल विजय सभा भवन में आईसीडीएस (समेकित बाल विकास सेवाएं) से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों की भौतिक अवस्थिति, मूलभूत सुविधाएं, पोषण कार्यक्रमों की प्रगति तथा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई।समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, विद्युत एवं रसोईघर जैसी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिन केंद्रों पर पेयजल उपलब्ध नहीं है, वहां पीएचईडी के कनीय अभियंता से समन्वय स्थापित करते हुए एक सप्ताह के भीतर पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश सभी सीडीपीओ को दिया गया। साथ ही जिन केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं अपूर्ण हैं, वहां शीघ्र सुधारात्मक कार्रवाई करते हुए समयबद्ध लक्ष्य के साथ कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में पोषण ट्रैकर, टीएचआर वितरण, फेसियल रिकग्निशन सिस्टम के माध्यम से लाभार्थियों के सत्यापन, बच्चों के पोषण स्तर की स्थिति तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की प्रगति की समीक्षा की गई।अपेक्षित प्रगति नहीं करने वाली परियोजनाओं को अपनी कार्यशैली में सुधार लाने एवं लक्ष्य प्राप्ति हेतु विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण, भूमि चिन्हांकन, एनओसी की स्थिति तथा मनरेगा एवं अन्य योजनाओं के माध्यम से भवन निर्माण की प्रगति पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। बैठक में महिला एवं बाल विकास निगम के अंतर्गत संचालित मिशन शक्ति की विभिन्न योजनाओं की भी समीक्षा की गई। इस क्रम में वन स्टॉप सेंटर फॉर वूमेन, जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन, पालनाघर एवं शक्ति सदन की प्रगति की जानकारी ली गई तथा लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित केस वर्करों को निर्देश दिया गया।जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन के अंतर्गत महिलाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की गई। वहीं वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से हिंसा पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित सहायता, परामर्श एवं विधिक सहयोग उपलब्ध कराने की प्रगति पर भी चर्चा की गई।

शक्ति सदन में आवासित महिलाओं एवं बच्चों की वर्तमान स्थिति तथा आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता, पालनाघर के संचालन एवं सामाजिक पुनर्वास कोष के अंतर्गत सहायता राशि वितरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बैठक में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (आईसीडीएस), डीपीओ मनरेगा, सभी सीडीपीओ, सभी महिला पर्यवेक्षिका तथा संबंधित कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।

परैया में मनाई जाएगी जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती

संवाददाता

गयाजी परैया: सामाजिक न्याय के पुरोधा और 'जननायक' कर्पूरी ठाकुर की जयंती को यादगार बनाने के लिए परैया के डाकबंगला परिसर में एक भव्य जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए आयोजन समिति ने तैयारी जोरों पर है. डाकबंगला परिसर परैया में 24 जनवरी को आयोजित होने वाले कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि जननायक कपूर्री ठाकुर का जीवन सादगी और गरीबों के हक की लड़ाई का प्रतीक है. हमारा उद्देश्य है कि इस समारोह के माध्यम से उनकी विरासत और विचारों को नई पीढ़ी तक पहुँचाया जा सके. समारोह को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति के सदस्य लगातार जनसंपर्क कर रहे है इसी कड़ी में मंगलवार को प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सघन दौरा किया गया. समिति के सदस्यों ने परैया बाजार, रामडीह, जमालपुर, बंधु बिगहा, सलेमपुर, दखनेर, कष्ठा, दाहा बिगहा और नऊआबिगहा जैसे गांवों का भ्रमण कर लोगों को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया. जनसंपर्क अभियान में कार्यक्रम समन्वयक राकेश शर्मा उर्फ मुटूर ठाकुर, अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार, सचिव सुरेश ठाकुर, सदस्य अरविंद ठाकुर, कृष्णा ठाकुर, अनिल ठाकुर, जितेन्द्र ठाकुर, चंदन कुमार आदि शामिल रहे.

स्व शिवनंदन सिंह (बिहार सरकार) प्रतियोगिता परीक्षा का हुआ आयोजन

संवाददाता

गयाजी: डुमरिया प्रखंड के पोखरपुर गांव में स्व शिवनंदन सिंह प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। शिवनंदन सिंह एक सामाजिक कार्यकर्ता थे और क्षेत्र के लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता काफी अधिक थी । इनके नाम को जीवंत रखने को लेकर प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इस प्रतियोगिता परीक्षा में क्षेत्र के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। परीक्षा का उद्देश्य युवाओं को बिहार सरकार की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के प्रति जागरूक करना तथा उनकी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करना था। प्रतियोगिता का मुख्य संचालक - - प्रेम प्रकाश, अध्यक्ष- विकाश कुमार, सचिव - गुप्तेश्वर कुमार,

कोषाध्यक्ष - मृत्युंजय प्रसाद, आईटी एवं मैनेजिंग डायरेक्टर - प्रकाश गुप्ता एवं सहायक - धीरज कुमार, प्रतियोगिता सदस्य - सुभाष कुमार, दुर्गेश कुमार, वेद प्रकाश, शैलेन्द्र कुमार, गौतम कुमार, संदीप कुमार, अनुज कुमार, उज्जवल कुमार, अजीत कुमार, सुजय पासवान, सदस्य- आशिष कुमार, रमेस कुमार, युगेश कुमार एवं फोटोग्राफी - सुदीप कुमार, सरस्वती क्लब पोखरपुर के महामहिम एवं मुखिया प्रतिनिधि श्री राम कुमार वर्मा उपस्थित रहे.परीक्षा स्थल पर शांति बनाए रखने के लिए बोदिबिगहा थाना के एस.आई. - श्री अनिल कुमार यादव जी अपने दल- बल के साथ उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान परीक्षा व्यवस्था को सुव्यवस्थित और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराया गया। परीक्षार्थियों के लिए शांतिपूर्ण वातावरण, समयबद्ध संचालन और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिता परीक्षाएं विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें भविष्य की परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। स्थानीय शिक्षाविदों एवं समाजसेवियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह के प्रयास छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं। परीक्षा के सफल आयोजन पर आयोजक मंडल ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

सर गणेश दत्त सिंह की जयंती राजद कार्यालय में मनाई गई

संवाददाता

पटना: राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में महान शिक्षाविद् सर गणेश दत्त सिंह जी की जयन्ती माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री मंगनी लाल मंडल जी की अध्यक्षता में मनाई गई। इस अवसर पर उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष श्री मंगनी लाल मंडल ने कहा कि सर गणेश दत्त जीवन पर्यन्त दलितों के जीवन स्तर में मुलभूत सुधार लाने तथा भंगी मुक्ति कार्य के लिये जो योगदान दिया है, वह अद्वितीय है।

इन्होंने शिक्षा के माध्यम से दलित समाज को स्वाबलंबी बनाने का एक अभियान चलाया। शिक्षा और योग्यता ही मनुष्य को देश का सर्वश्रेष्ठ नागरिक बनाता है। सर गणेश दत्त ने अपने सर्वस्व शिक्षा के लिए एवं अपना पैतृक सम्पति पटना विश्वविद्यालय को दान देकर बिहार के कर्ण के रूप में अपने-आप को स्थापित किया था। वे आज युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। इस अवसर पर सर गणेश दत सिंह के तैलचित्र पर माल्यार्पण करने वालों में प्रदेश राजद के मुख्य प्रवक्ता श्री शक्ति सिंह यादव, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, पूर्व विधायक डॉ अनवर आलम, प्रदेश महासचिव श्री निर्भय कुमार अंबेडकर, श्री मदन शर्मा, श्री प्रमोद कुमार राम, श्रीमती मुकुंद सिंह, श्री हरेंद्र कुमारकुशवाहा, श्री संजय यादव, श्री महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी, श्री कुमर राय , राजेश पाल, श्री उपेंद्र चंद्रवंशी, श्री गणेश कुमार यादव, श्री शिवेंद्र तांती, श्री बिंदन यादव, श्री अरविंद कुमार सिंह, श्री ओमप्रकाश पासवान, अक्की यादव सहित अन्य गणमान्य नेतागण उपस्थित थे।

पारंपरिक लोक कलाओं, लोकगीतों एवं सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण विभाग की प्राथमिकता : मंत्री

- विलुप्त हो रहे लोकगीतों की संरक्षण पर मंत्री ने दिया बल
- किसी भी कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता देने का निर्देश

संवाददाता

पटना। कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि पारंपरिक लोक कलाओं, लोकगीतों एवं सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण एवं संवर्धन विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि विलुप्तप्राय लोकगीतों के संरक्षण की बहुत आवश्यकता है। इस पर विशेष रुप से ध्यान दिया जाए। मंत्री श्री प्रसाद मंगलवार को बिहार संग्रहालय में सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, विभागीय योजनाओं की समीक्षा तथा कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मार्चझअप्रैल माह में मुंबई में फिल्म निमार्ता-निर्देशकों के साथ बैठक आयोजित किए जाने का निर्देश दिया, जिससे कि बिहार फिल्म नीति से संबंधित हितधारकों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित किया जा सके। उन्होंने संग्रहालयों में संरक्षित

कलाकृतियों के मास्टर डाटा के संधारण तथा समय-समय पर उसके सत्यापन को अनिवार्य बताया, जिससे कलाकृतियों के सुरक्षित संरक्षण को सुनिश्चित किया जा सके।

इसके साथ ही उन्होंने किसी भी कार्यक्रम में स्थानीय कला एवं कलाकारों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। विभागीय सचिव प्रणव कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया। इसके उपरांत सांस्कृतिक कार्य निदेशालय की निदेशक रूबी ने विभागीय सचिव का स्वागत किया तथा स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात मंत्री प्रसाद ने विभाग के पदाधिकारियों के साथ विभिन्न जिलों से उपस्थित जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। इसके बाद कलाकार पंजीयन की जिलावार समीक्षा की गई। भागलपुर, पूर्णिया एवं गयाजी जिलों में कलाकार पंजीयन की संख्या अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर संबंधित जिलों को पंजीयन की प्रक्रिया में गति लाने के निर्देश दिए गए। सचिव ने स्पष्ट किया कि जिन कलाकारों के पास औपचारिक प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं हैं, वे मान्यता प्राप्त कलाकारों के सत्यापन के आधार पर पंजीयन अथवा सत्यापन करा सकते हैं। गौरतलब है कि बैठक के दौरान मंत्री जी ने विभाग के कैलेंडर का लोकार्पण किया, वहीं विभाग के सचिव ने मंत्री श्री अरुण शंकर प्रसाद को कलेंडर पर मौजूद छायाचित्रों के बारें में जानकारी दी तथा कैलेंडर की एक प्रति भेंट किया। बैठक में संग्रहालय निदेशालय के निदेशक कृष्ण कुमार तथा विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मी मौजूद थे। धन्यवाद ज्ञापन निदेशक रूबी ने किया।

संपादकीय

कार्ययोजना के हाशिये से निर्णय के केंद्र तक

जब मैं 2015 में बैराबी-सैरांग रेलवे परियोजना में शामिल हुआ तो मुझे लगता था कि यह देश के ऐसे हिस्से में कदम रखने जैसा है जिस पर शायद ही कभी राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान दिया गया हो। यह सफर खुद ही अपनी कहानी कहता है। राष्ट्रीय राजमार्ग-154, जिसे अब राष्ट्रीय राजमार्ग-06 कहा जाता है, एकमात्र पहुंच मार्ग था जो बुरी तरह क्षतिग्रस्त था और भरोसे के लायक नहीं था। भारी ट्रक अक्सर कई दिनों तक फंसे रहते थे और निकटवर्ती स्थानों की यात्रा हिचकोलों से भरी होती थी। आसपास की पहाड़ियां छोटी, कमजोर और अस्थिर थीं, जिनका आकार तीव्र वर्षा और निरंतर ढलान गति के कारण बदलता रहता था। कागज पर परियोजना ऐतिहासिक थी, राष्ट्रीय नेटवर्क से मिजोरम का पहला रेल-परिवहन संपर्क जो पहाड़ों, तीव्र ढलान और गहरी घाटियों को काट कर तैयार किया जा रहा था।

हालांकि, जमीनी स्तर पर प्रगति बहुत धीमी थी। सामग्री की अनुपलब्धता, श्रम की कमी, परिवहन में विलंब, स्थानीय बाधाएं और लगातार स्थगित निर्णयों के कारण कार्यस्थल पर काम न होना आम बात थी। एक सुरंग डिजाइन सलाहकार और भूविज्ञानी के रूप में भूविज्ञान कार्य चुनौतीपूर्ण था लेकिन इसकी गंभीरता समझी जा सकती थी। जो बात वास्तव में अधिक कठिन साबित हुई, वह थी- संस्थागत निष्क्रियता। परियोजना देश के सबसे दूर-दराज के क्षेत्र में स्थित थी। समीक्षा छिटपुट थी। निर्णय लेने का अधिकार मंत्रालयों, राज्य विभागों और एजेंसियों में बिखरा हुआ था। धीरे-धीरे, एक असहज सच्चाई स्पष्ट होने लगी। ऐसा प्रतीत होता था कि कोई भी वास्तव में यह उम्मीद नहीं करता था कि परियोजना निकट भविष्य में पूरी होगी। फिर, शांतिपूर्वक और बिना किसी घोषणा के पूरी प्रणाली में अचानक तेजी आयी। परियोजना कार्यालयों में एक स्पष्ट तत्परता का भाव दिखने लगा। फोन बार-बार बजने लगे। वरिष्ठ अधिकारी नियमित रूप से कार्यस्थलों का दौरा करने लगे। लंबे समय से लंबित फाइलों को तुरंत सामने लाया गया, उनकी समीक्षा की गई और उन्हें दूसरी जगहों पर भेजा गया। बैठकें तेजी से व नियमित रूप से निर्धारित की जाने लगीं, अक्सर उन एजेंसियों को भी शामिल किया गया जो पहले अलग-थलग रहकर काम करती थीं। एक निजी सलाहकार के रूप में मैं प्रशासनिक विभाग का हिस्सा नहीं था और किसी ने भी गतिविधि में आयी इस अचानक तेजी के पीछे का कारण नहीं बताया लेकिन बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं के लंबे अनुभव ने मुझे संकेत की पहचान करना सिखा दिया था। यह सामान्य दबाव नहीं था। यह शीर्ष स्तर पर निरीक्षण की तैयारी थी। जल्द ही कारण स्पष्ट हो गया। बैराबी-सैरांग रेलवे परियोजना की समीक्षा पीएम की अध्यक्षता वाले सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन (प्रगति) मंच के तहत निर्धारित की गई थी। परियोजना लंबे समय तक हाशिये पर रही लेकिन प्रगति के अंतर्गत समीक्षा से प्राधिकार व जवाबदेही तय हुई और हर लंबित मुद्दे तथा एजेंसियों के बीच अड़चनों के सम्बन्ध में वास्तविक समय पर जांच की व्यवस्था की गयी। इस बैठक के बाद निर्णय मेल खाने लगे, और प्रगति दिखाई दी जिससे यह स्पष्ट हुआ कि किस प्रकार शासन अक्सर परिणाम तय करता है। मार्च 2016 की प्रगति समीक्षा बैठक ने परियोजना के आयाम में मूलभूत बदलाव किये। इस रूपरेखा के तहत समस्याओं की अलग-अलग जांच नहीं की जा सकती थी और न ही उन्हें अनिश्चितकाल के लिए टाला जा सकता था। एन-एच-06 की अत्यंत खराब हालत अब रेलवे के कार्य क्षेत्र के बाहर नहीं मानी जा रही थी।

लड़ाई-लड़ाई माफ करो! ट्रंप ने मानी हार

सबसे ताकतवर ग्रुप में भारत को किया शामिल

आज की आधुनिक तकनीकें जैसे अक 5 जी, डेटा सेंटर, रोबॉटिक्स, सेमीकंडक्टर सिलिकॉन और दूसरे अहम खनिजों पर टिकी हैं। अभी इनका बड़ा हिस्सा चीन के नियंत्रण में है। पैक्स सिलिका का मकसद इसी निर्भरता को कम करना है। इसके तहत भरोसेमंद देशों के साथ मिलकर सप्लाई चेन मजबूत की जाएगी

12 जनवरी को सुबह शेयर मार्केट खुला और देखते ही देखते सेंसेक्स धड़ाम से नीचे गिर गया। इन्वेस्टर्स के चेहरे उतर गए। अब क्या होगा? टाइप बातें चलने लगी। लेकिन दोपहर के 1:00 बजते ही लगा जैसे किसी ने स्विच दबा दिया। सेंसेक्स में अचानक उछाल आ गया। मार्केट ने यू टर्न लिया और फिर गिरावट गायब। फिर सवाल आया कि अचानक ऐसा हुआ कैसे? तो वजह पता चली अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गर ने एक बयान दिया है। 12 जनवरी को नई दिल्ली में अपना पदभार संभालने के बाद सर्जियो ने कहा कि अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा जरूरी देश कोई और नहीं है। जिसके बाद से चर्चाएं तेज हो गई। कहा जाने लगा कि अमेरिका और भारत के रिश्तों में आज एक ऐसा मोड़ आया है जिसे 21वीं सदी की टेक्नोलॉजी पॉलिटिक्स का गेम चेंजर कहा जा रहा है। वही ट्रंप जिन्होंने टेरिफ की वजह से भारत के साथ अपने रिश्तों में खटास पैदा कर ली थी अब उसे सुधारने की कोशिश में जुट गए हैं। कोशिश इसलिए क्योंकि ट्रंप के दूत ने ऐलान किया है कि अमेरिका भारत को सबसे ताकतवर ग्रुप में शामिल करने वाला है। जी हां, अमेरिका ने भारत को अपनी सबसे बड़ी और सबसे महत्वाकांक्षी टेक्नोलॉजी रणनीति पैक्स सिलिका में शामिल होने का न्योता दिया है। यह वही रणनीति है जो आने वाले समय में यह तय करेगी कि दुनिया में चिप्स कौन बनाएगा। एआई पर किसका कंट्रोल होगा और भविष्य की टेक्नोलॉजी किसके भरोसे रहेगी। तो सवाल यह है पैक सिलिका क्या है? डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को इसमें क्यों चुना? भारत को इससे क्या फायदा मिलेगा? और सबसे अहम सवाल इससे किस देश को सबसे ज्यादा मिर्ची लगेगी? सभी सवालों का आज एमआरआई स्कैन करेंगे।

क्या है पैक्स सिलिका: बेसिकली पैक्स सिलिका एक न्यूली लॉन्च्ड यूएस लेड इंटरनेशनल कोलेशन है। अमेरिका ने इसे 12 दिसंबर 2025 को शुरू किया था। जापान, साउथ कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड्स, ब्रिटेन, वअए, इजरायल और ऑस्ट्रेलिया इसका हिस्सा है। एक प्रकार से ट्रस्टेड सिक्योर और इनोवेशन ड्रिवन ग्लोबल सप्लाई चेन को बिल्ड किया जा रहा है। मतलब एक सप्लाई चेन दुनिया भर में बिल्ड किया जा रहा है अलग-अलग देशों के साथ मिलकर। ताकि जो टेक्नोलॉजीस और मटेरियल हैं जो 21 सेंचुरी में 21 सेंचुरी की इकॉनमी में बहुत ज्यादा हेल्पफुल होते हैं। उदाहरण के लिए हम बात करते हैं सेमीकंडक्टर्स की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की एडवांस मैन्युफैक्चरिंग की। तो इसमें जो मटेरियल्स का इस्तेमाल होता है, जो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होता है, उसका सप्लाई चेन सिक्योर हो सके। वो ट्रस्टेड और सिक्योर तरीके से आए। और इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि चीन जिस तरह से अभी चीजें की थी। गौरतलब है कि क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई के ऊपर रोक लगा दिया था। पूरी दुनिया खतरे में आ रही थी। क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई है, प्रोसेसिंग है, ये सब कुछ में चीन डोमिनेट करता है। अमेरिका को भी इस बात का डर हो गया कि चीन तो कभी भी इस चीज को रोक सकता है, इसका फायदा उठा सकता है। अब अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा, भारत को भी शामिल किया जाएगा। अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि भारत को अमेरिका की अगुवाई वाली रणनीतिक पहल पैक्स सिलिका में शामिल होने का न्योता दिया जाएगा। इस का मकसद दुनिया की सिलिकॉन और तकनीकी सप्लाई चेन को सुरक्षित, मजबूत, आधुनिक बनाना है। इसमें अहम खनिज, उन्नत मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, अक इंफ्रास्ट्रक्चर लॉजिस्टिक्स और जुड़ी तकनीकें शामिल हैं।

क्यों जरूरी है पैक्स सिलिका? आज की आधुनिक तकनीकें जैसे अक 5 जी, डेटा सेंटर, रोबॉटिक्स, सेमीकंडक्टर सिलिकॉन और दूसरे अहम खनिजों पर टिकी हैं। अभी इनका बड़ा हिस्सा चीन के नियंत्रण में है। पैक्स सिलिका का मकसद इसी निर्भरता को कम करना है। इसके तहत भरोसेमंद देशों के साथ मिलकर सप्लाई चेन मजबूत की जाएगी। संसाधन, तकनीक और निवेश को साझा किया जाएगा। साथ ही अक और नई तकनीकों के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद नेटवर्क तैयार किए जाएंगे। इसका नाम पैक्स सिलिका क्यों है? लैटिन वर्ड है पैक्स। पैक्स का मतलब होता है पीस। मतलब कि चीजों को स्टेबल करना। एक प्रकार से जो इकोनॉमिक इंटरेस्ट है सबके जिन-जिन देशों के आपस में इकोनॉमिक इंटरेस्ट शेयर होते हैं वहां पर कोऑपरेटिव तरीके से चीजों को बिल्ड करना। तो पीस लेकर आना और सिलिका सिलिका तो सिंपल सी बात है सिलिकॉन की हम बात कर रहे हैं जो क्रिटिकल मिनरल्स हैं। जो कि सेमीकंडक्टर सोलर पैनल एआई चिप्स मॉडर्न टेक्नोलॉजी हर चीज में इस्तेमाल किया जाता है। तो एक प्रकार से ये कोलेशन फॉर पीस है जहां पर इकोनॉमिक और टेक्नोलॉजिकल कोपरेशन के थ्रू ये लाने की कोशिश की जा रही है। मतलब दुनिया भर में शांति लाने की कोशिश की जा रही है टेक्नोलॉजी और इकोनॉमिक कोपरेशन के थ्रू।

भारत के लिए क्यों खास है? गोर ने ऐलान किया कि भारत को अगले महीने इस पहल में शामिल किया जाएगा, जिससे भारत-अमेरिका तकनीकी और सप्लाई चेन सहयोग को और आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा। यह कदम विशेष रूप से भारत के सेमीकंडक्टर मिशन और वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की भूमिका को मजबूत करने में मदद करेगा। सप्लाई चेन और रणनीतिक प्रभाव क्या है? इसके जरिए अमेरिका एक नई तरह की आर्थिक सुरक्षा रणनीति बना रहा है, जिसमें टेक्नोलॉजी, देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था आपस में जुड़ी होंगी। यह कोई पारंपरिक सैन्य गठबंधन नहीं है, बल्कि तकनीक और उद्योग पर आधारित साझेदारी है। इसका उद्देश्य मिलकर प्रोजेक्ट करना, निवेश करना और रिसर्च करना है, ताकि एक भरोसेमंद टेक इकोसिस्टम बने और चीन के बढ़ते दबदबे को संतुलित किया जा सके। चीन को मिर्ची लगनी तयः एआई और हाईटेक पर चीन की पकड़ कमजोर होगी। यही वजह है कि पैक सिलिका को अक्सर चीन के टेक एकाधिकार के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। कुल मिलाकर देखा जाए तो पैक सिलिका सिर्फ एक टेक्नोलॉजी अलायंस नहीं बल्कि भविष्य की शक्ति संतुलन की लड़ाई है और इस लड़ाई में भारत अब सिर्फ दर्शक नहीं बल्कि मुख्य खिलाड़ी बन चुका है। अमेरिका के साथ यह नई साझेदारी भारत को टेक्नोलॉजी, रोजगार और रणनीतिक ताकत तीनों मोर्चों पर नई ऊंचाई पर ले जा सकती है। दोनों नेताओं की दोस्ती अब चिप्स और एआई की दुनिया में बदल रही है।

भारत में सौर ऊर्जा का तेजी से होता विस्तार

मोदी सरकार के प्रयासों से भारत की सौर ऊर्जा क्षमता में पिछले दशक में उल्लेखनीय रूप से विस्तार हुआ है। विशाल सौर पार्कों से लेकर शहरों, कस्बों और गांवों की नीली छतों तक, हर जगह सोलर पैनल नजर आते हैं सिर्फ. एक दशक पहले, भारत का सौर ऊर्जा परिदृश्य अपनी प्रारंभिक अवस्था में था, जहां सोलर पैनल केवल कुछ छतों और रेगिस्तानों में ही दिखते थे। आज, देश इतिहास रचने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत आधिकारिक तौर पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है। असल में, नवीकरणीय ऊर्जा देश की जलवायु रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भारत में सौर ऊर्जा का तेजी से विस्तार होना एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। वर्ष 2014 में मात्र 3 गीगावाट से बढ़कर वर्ष 2025 में लगभग 129 गीगावाट तक पहुंच गई है। इसमें ग्राउंड-माउंटेड प्रोजेक्ट, रूफटॉप सोलर, हाइब्रिड सिस्टम और ऑफ-ग्रिड इंस्टॉलेशन शामिल हैं। बड़े सौर पार्कों के साथ-साथ लाखों घरों पर लगे रूफटॉप सिस्टम अब बिजली पैदा कर ग्रिड में ऊर्जा पहुंचा रहे हैं। दरअसल, भारत उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित है, जहां कर्क रेखा कई राज्यों से होकर गुजरती है। इससे देश में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। भारतीय महाद्वीप की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 748 गीगावाट है।

राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में देश की सबसे अधिक सौर ऊर्जा क्षमता है, जो उन्हें भारत के स्वच्छ ऊर्जा विकास के प्रमुख चालक बनाती है। चूंकि सौर ऊर्जा अब भारत के ऊर्जा मिश्रण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है तथा भारत को वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता हासिल करने के लिये प्रेरित करती है। भारत की सौर ऊर्जा क्षमता जुलाई 2025 तक 4,000 प्रतिशत बढ़ गई थी और देश की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 227 गीगावाट तक पहुंच गई थी। जम्मू-कश्मीर का पल्ली गांव एक उल्लेखनीय उदाहरण बन गया जो पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर चलने के कारण भारत की पहली कार्बन-न्यूट्रल पंचायत के रूप में उभरा। पीएम सूर्य घर मिशन, नवीकरण ऊर्जा और नेट-जीरो उत्सर्जन की ओर भारत के प्रयासों के मुख्य स्तंभों में से एक है।

1 3 फरवरी, 2024 को मंत्रिमंडल की मंजूरी के साथ शुरू की गई इस योजना का कुल खर्च 75,021 रुपये करोड़ है। इसका मकसद एक करोड़ घरों को रूफटॉप सौर ऊर्जा प्रणाली देना है, जिससे हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी। यह योजना नवीकरण ऊर्जा स्रोत अपनाने को बढ़ावा देती है जिससे भारत के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के वादे को समर्थन मिलता है। सौर ऊर्जा अब कुल ऊर्जा में 20 फीसदी से अधिक का योगदान करती है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि तो है लेकिन इसके साथ एक चुनौती भी है। बेशक यह इस्तेमाल में साफ यानी प्रदूषण मुक्त है लेकिन अगर सही तरीके से प्रबंधन न किया जाए तो सोलर पैनल पर्यावरण के लिए खतरा बन सकते हैं। सोलर पैनल का ज्यादातर हिस्सा रिसाइकल किया जा सकता है। इनमें कांच, एल्युमिनियम, चांदी और पॉलिमर होते हैं लेकिन इनमें थोड़ी मात्रा में ही मौजूद सीसा और कैडमियम जैसी जहरीले धातुओं को अगर ठीक तरीके से संभाला न जाए तो ये मिट्टी और पानी को प्रदूषित कर सकते हैं।

आमतौर पर सोलर पैनल लगभग 25 साल तक चलते हैं, उसके बाद उन्हें हटाकर फेंक दिया जाता है। फिलहाल भारत में सौर कचरे को रिसाइकल करने के लिए अलग से कोई बजट नहीं है और पुराने पैनलों को प्रोसेस करने के लिए कुछ छोटे-छोटे केंद्र ही हैं। भारत के पास सौर कचरे का कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है। एक अध्ययन के मुताबिक 2023 तक लगभग एक लाख टन और 2030 तक 6 लाख टन तक सौर कचरा पैदा हो सकता है। अभी यह मात्रा कम है लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि कचरे का असली बोझ आगे आने वाला है। अगर जल्द ही निवेश कर रीसाइक्लिंग की व्यवस्था नहीं बनाई गई तो भारत को बढ़ते सौर कचरे के संकट का सामना करना पड़ सकता है। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) के एक नए अध्ययन के मुताबिक, भारत में 2047 तक 1.1 करोड़ टन से ज्यादा सौर कचरा पैदा हो सकता है। इसे सुरक्षित रूप से ठिकाने लगाने के लिए लगभग 300 विशिष्ट रीसाइक्लिंग केंद्र चाहिए होंगे और अगले दो दशक में करीब 47.80 करोड़ डॉलर का निवेश करना होगा। संभावित खतरों को देखते हुए भारत में 2022 में सोलर पैनलों को ई-वेस्ट नियमों के तहत लाया गया। इससे अब यह निमार्ताओं की जिम्मेदारी है कि पैनलों की उम्र पूरी होने पर वे (निमार्ता) उन्हें इकट्ठा करें, स्टोर करें, तोड़ें और रिसाइकल करें। अंतर्राष्ट्रीय सौर अलायंस और ओएसओडब्ल्यूओजी जैसी पहलों के जरिए वैश्विक भागीदारी के साथ बड़े पैमाने पर योजनाओं पर अमल के साथ, भारत यह दिखा रहा है कि सौर ऊर्जा एक घरेलू समाधान और वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा प्रगति का जरिया, दोनों हो सकती है। जैसे-जैसे भारत अपनी सौर ऊर्जा क्षमता को बढ़ा रहा है, नवाचार को बढ़ावा दे रहा है और सबको साथ लेकर चलने वाली पहुंच को मुमकिन बना रहा है, यह एक मजबूत, निम्न कार्बन वाले भविष्य की ओर एक साफ रास्ता बना रहा है-दुनिया को दिखा रहा है कि सौर ऊर्जा राष्ट्रीय और वैश्विक, दोनों तरह के जलवायु लक्ष्यों को पाने के लिए जरूरी है।

जेन जेड को लेकर पीएम मोदी का बयान सही है या मनीष तिवारी की चिंता सही है

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और मनीष तिवारी के बीच चल रही जेन जी को लेकर बहस के समानांतर राहुल गांधी भी युवाओं से संवाद की अपनी अलग रणनीति के कारण चर्चा में रहे हैं। हाल के दिनों में जेन जी के साथ उनकी अनौपचारिक बातचीत के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए हैं जिनमें वे कॉलेज जीवन, प्रेम प्रसंगों, व्यक्तिगत पसंद और युवाओं की रोजमर्रा की चिंताओं पर खुलकर बात करते दिखाई देते हैं

देश की राजनीति में इन दिनों जेन जी को लेकर एक वैचारिक घमासान तेज हो गया है। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं जो जेन जी को भारत के भविष्य का वाहक बताते हुए उनसे मानसिक गुलामी की बेड़ियां तोड़ने का आ'ान कर रहे हैं तो दूसरी ओर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी हैं जो एशिया के कई देशों में जेन जी के नेतृत्व में हुए हालिया प्रदर्शनों को चेतावनी की तरह देखते हैं और उसके गहरे निहितार्थों की बात करते हैं। हम आपको बता दें कि एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए साफ कहा कि जेन जी का सबसे बड़ा दायित्व देश को दासता की मानसिकता से बाहर निकालना है। उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक स्वतंत्रता का सवाल नहीं बल्कि सोच की आजादी का प्रश्न है। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय तक औपनिवेशिक मानसिकता का शिकार रहा है जहां अपनी क्षमताओं पर संदेह किया गया और विदेशी मानकों को ही श्रेष्ठ माना गया। मोदी ने कहा कि आज का युवा उस दौर को नहीं जानता जब नीतिगत पंगुता और निर्णयहीनता ने देश की गति को थाम रखा था लेकिन यही युवा अब उस सोच को हमेशा के लिए दफन कर सकता है।

प्रधानमंत्री ने जेन जी को आत्मनिर्भर भारत का असली सिपाही बताते हुए कहा कि स्टार्टअप संस्कृति, तकनीक आधारित नवाचार, अंतरिक्ष विज्ञान और डिजिटल भारत जैसी पहलों में युवाओं की भूमिका निर्णायक है। उनका जोर इस बात पर था कि जेन जी को केवल विरोध की राजनीति तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि समाधान और सृजन की राजनीति को आगे बढ़ाना चाहिए। मोदी ने कहा कि भारत का युवा अगर अपनी जड़ों और सांस्कृतिक आत्मविश्वास से जुड़ता है तो वह वैश्विक मंच पर भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। इसके विपरीत कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी का नजरिया कहीं अधिक सतर्क और चिंतित दिखाई देता है। उन्होंने हाल के महीनों में एशिया के कई देशों में जेन जी के नेतृत्व में हुए आंदोलनों का हवाला देते हुए कहा कि इन प्रदर्शनों को सिर्फ युवा आक्रोश कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। तिवारी ने कहा कि इन आंदोलनों ने कई जगह सरकारों को हिला दिया और कहीं कहीं सत्ता परिवर्तन तक का कारण बने। उनका कहना है कि यह समझना जरूरी है कि ये आंदोलन केवल स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं हैं बल्कि इनके पीछे वैश्विक राजनीतिक प्रवृत्तियां और डिजिटल माध्यमों की बड़ी भूमिका है।

मनीष तिवारी ने आगाह किया कि सोशल मीडिया और डिजिटल नेटवर्क के जरिये जेन जी तेजी से संगठित होती है और भावनात्मक मुद्दों पर उग्र प्रतिक्रिया देती है। यह शक्ति जितनी रचनात्मक हो सकती है उतनी ही विनाशकारी भी साबित हो सकती है अगर इसे विवेकपूर्ण दिशा न मिले। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अन्य एशियाई देशों के अनुभवों से सबक लेना चाहिए जहां युवा आंदोलनों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव डाला और अस्थिरता पैदा की। देखा जाये तो दुनिया भर में जेन जी के आंदोलनों ने एक नया राजनीतिक पैटर्न गढ़ा है। ये आंदोलन तेज हैं भावनात्मक हैं और डिजिटल प्लेटफार्म के सहारे सीमाओं को लांघते हैं। लेकिन भारत का संदर्भ अलग है। यहां का जेन जी सामाजिक, सांस्कृतिक विविधता, संविधानिक ढांचे और लोकतांत्रिक परंपराओं के बीच पला बढ़ा है। यही कारण है कि भारतीय जेन जी को केवल वैश्विक आंदोलनों की नकल करने वाला नहीं बल्कि अपने तरीके से प्रतिक्रिया देने वाला माना जा रहा है।

मोदी और मनीष तिवारी के बयानों के बीच की टकराहट असल में इस सवाल पर आकर टिक जाती है कि युवा शक्ति को प्रेरणा की जरूरत है या नियंत्रण की। मोदी जहां युवाओं में आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना भरना चाहते हैं वहीं मनीष तिवारी इस चेतना को विवेक और सावधानी के साथ देखने की बात करते हैं। हालांकि दोनों ही यह मानते हैं कि जेन जी अब हाशिये पर नहीं बल्कि राजनीति और समाज के केंद्र में है। देखा जाये तो जेन जी को लेकर चल रही यह बहस भारत के भविष्य की बहस है। प्रधानमंत्री मोदी की बातों में एक स्पष्ट संदेश है कि युवा केवल शिकायत करने वाली पीढ़ी न बने बल्कि देश की दिशा बदलने वाली शक्ति बने। दासता की मानसिकता से मुक्ति का आह्वान दरअसल आत्मविश्वास और स्वदेशी सोच की पुकार है। वहीं मनीष तिवारी की चेतावनी यह याद दिलाती है कि ऊर्जा अगर दिशा विहीन हो जाए तो वह रचनात्मक कम और विध्वंसक अधिक हो सकती है।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और मनीष तिवारी के बीच चल रही जेन जी को लेकर बहस के समानांतर राहुल गांधी भी युवाओं से संवाद की अपनी अलग रणनीति के कारण चर्चा में रहे हैं। हाल के दिनों में जेन जी के साथ उनकी अनौपचारिक बातचीत के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए हैं जिनमें वे कॉलेज जीवन, प्रेम प्रसंगों, व्यक्तिगत पसंद और युवाओं की रोजमर्रा की चिंताओं पर खुलकर बात करते दिखाई देते हैं। यह संवाद कई बार गंभीर राजनीति से ज्यादा मीम संस्कृति का हिस्सा बन गया। दरअसल, कांग्रेस की रणनीति के तहत यह प्रयास जेन जी को सीधे संबोधित करने और उन्हें लोकतंत्र, संविधान और चुनावी प्रक्रिया से जोड़ने का है। राहुल गांधी बार बार युवाओं से अपील करते रहे हैं कि वह केवल दर्शक न बनें बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएं खासकर रोजगार, भ्रष्टाचार और चुनावी पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर। उन्होंने कुछ ऐसे बयान भी दिये जिन्हें जेन जी को उकसाने के तौर पर देखा गया। हालांकि यह साफ दिख रहा है कि जेन जी केवल राजनीतिक संदेश सुनने वाला वर्ग नहीं है बल्कि वह खुद विमर्श की दिशा तय करने लगा है।

बहरहाल, भारत का जेन जी इन दोनों ध्रुवों के बीच खड़ा है। उसके पास विरोध की ताकत भी है और निर्माण की क्षमता भी। असली चुनौती यही है कि वह वैश्विक उथल पुथल से सबक लेते हुए भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करे न कि उसे अस्थिरता की ओर धकेले। भारत का युवा अगर सोच समझकर आगे बढ़ा तो वह केवल सत्ता से सवाल नहीं करेगा बल्कि राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी भी उठाएगा। यही संतुलन भारत को बाकी दुनिया से अलग और मजबूत बनाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के युद्ध कक्ष में क्या चल रहा है, किन देशों के नाम लाल घेरे में हैं

आज पूरी दुनिया एक ही सवाल पूछ रही है कि डोनाल्ड ट्रंप के वार रूम में इस समय क्या चल रहा है। व्हाइट हाउस के भीतर कौन से देश के नक्शे खुले हैं, किन देशों के नाम लाल घेरे में हैं और किन मोर्चों पर सैन्य और आर्थिक हमले की तैयारी हो रही है। देखा जाये तो अमेरिकी राष्ट्रपति के सार्वजनिक बयानों, नीतिगत संकेतों और सैन्य गतिविधियों से साफ झलकता है कि अमेरिका एक साथ कई मोर्चों पर दबाव बनाने की रणनीति पर काम कर रहा है। आइये आज इसी पर बात करते हैं और आपको तथ्यों के साथ पूरी जानकारी देते हैं कि ट्रंप के निशाने पर इस समय कौन कौन से देश हैं और उनके खिलाफ अमेरिका किस स्तर की तैयारी कर रहा है। देखा जाये तो साल 2026 की शुरूआत वैश्विक राजनीति के लिए एक बेचैन करने वाला संकेत लेकर आई है। दुनिया के नक्शे पर अमेरिका एक बार फिर उस भूमिका में दिख रहा है जिसे वह शीत युद्ध के दौर में निभाता था यानी निर्णायक दबाव डालने वाला सर्वशक्तिमान केंद्र। इस बार मंच पर हैं डोनाल्ड ट्रंप और उनकी भाषा पहले से अधिक तीखी, अधिक उकसाने वाली और अधिक विस्फोटक बनी हुई है।

सबसे पहले वेनेजुएला की बात करें तो आपको बता दें कि ट्रंप ने खुद को सार्वजनिक रूप से वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति बताकर अंतरराष्ट्रीय राजनीति की मयार्दा को जानबूझकर तोड़ा है। इसका सीधा संदेश यह है कि अमेरिका अब वेनेजुएला को एक संप्रभु राष्ट्र की तरह नहीं बल्कि अपने प्रभाव क्षेत्र के एक प्रशासित इलाके की तरह देख रहा है। देखा जाये तो वेनेजुएला का सामरिक महत्व केवल राजनीतिक नहीं बल्कि ऊर्जा पर आधारित है। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर नियंत्रण का अर्थ है वैश्विक ऊर्जा बाजार पर प्रभाव। ट्रंप का खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति बताना दरअसल यह बताने का तरीका है कि अमेरिका वहां सत्ता परिवर्तन को अब छिपाकर नहीं बल्कि खुले तौर पर संचालित करना चाहता है। यह सीधे तौर पर संसाधन नियंत्रण की राजनीति है। इसी कड़ी में क्यूबा को लेकर ट्रंप का रवैया भी ध्यान खींचता है। क्यूबा को तेल आपूर्ति रोकने की धमकी और उसके बाद यह कहना कि मार्को रुबियो का क्यूबा का राष्ट्रपति बनना उन्हें ठीक लगता है, यह सब मजाक नहीं है। यह एक राजनीतिक संदेश है। इसका अर्थ यह है कि अमेरिका अब वैचारिक असहमति को सहन करने के मूड में नहीं है। वह खुले तौर पर यह संकेत दे रहा है कि जो सरकारें उसकी लाइन पर नहीं चलेंगी, उन्हें आर्थिक और राजनीतिक रूप से कुचल दिया जाएगा। देखा जाये तो मार्को रुबियो का नाम लेना प्रतीकात्मक है। एक ऐसा नेता जिसकी पहचान क्यूबा विरोधी राजनीति से जुड़ी रही है, उसे वहां के राष्ट्रपति पद से जोड़ना यह बताता है कि अमेरिका लोकतंत्र नहीं बल्कि अपने हितों के प्रति वफादार शासन चाहता है। यह बयान भले ही अनौपचारिक हो लेकिन इसके निहितार्थ बेहद गहरे हैं। ईरान की बात करें तो आपको बता दें कि ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अमेरिका ईरान के लिए बहुत मजबूत सैन्य विकल्पों पर विचार कर रहा है। देखा जाये तो यह कोई सामान्य चेतावनी नहीं है क्योंकि अमेरिका इस समय फारस की खाड़ी से लेकर पश्चिम एशिया तक अपनी सैन्य तैनाती मजबूत कर रहा है। हवाई हमलों से लेकर साइबर और ड्रोन हमलों तक की तैयारी की जा रही है। सवाल यह नहीं है कि हमला होगा या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि हमला कब और कितना बड़ा होगा? देखा जाये तो यदि अमेरिका ईरान पर हमला करता है तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। पूरा पश्चिम एशिया अस्थिर हो सकता है। तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला टूट सकती है। मुस्लिम देशों का रुख इस मामले में एक जैसा नहीं होगा। कुछ देश रणनीतिक मजबूरी में अमेरिका का सीमित समर्थन कर सकते हैं, लेकिन व्यापक इस्लामी दुनिया में इसका तीखा विरोध होगा। यह टकराव क्षेत्रीय से वैश्विक संकट में बदल सकता है। ईरान पर हमले का एक और परिणाम होगा प्रतिशोध। ईरान सीधे या परोक्ष रूप से अपने सहयोगी संगठनों के जरिये जवाब देगा। इसका असर इजरायल से लेकर खाड़ी देशों तक दिख सकता है। इस तरह यह संघर्ष किसी एक मोर्चे पर सीमित नहीं रहेगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि अमेरिका की वैश्विक दादागिरी साफ दिखाई दे रही है। ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का यह कहना कि अमेरिका ने यदि उस क्षेत्र को नहीं लिया तो उसे चीन या रूस ले लेंगे, यह दर्शाता है कि अमेरिका दुनिया को अब भी एक शतरंज की बिसात मानता है जहां मोहरे उसकी मर्जी से हिलने चाहिए। यह मानसिकता बताती है कि बहुध्रुवीय दुनिया की सच्चाई को स्वीकार करने में अमेरिका अब भी असहज है। अब कोलंबिया की बात करें तो आपको बता दें कि कोलंबिया के राष्ट्रपति का ट्रंप से मिलने जाना एक दबाव भरी परिस्थिति में संवाद का प्रयास है। अमेरिकी धमकियों और दबाव ने कोलंबिया को बातचीत की मेज तक आने के लिए मजबूर किया है। यह अमेरिका की दबाव कूटनीति की सफलता भी है और उसकी सीमाओं का संकेत भी। बहरहाल, जहां तक यह सवाल है कि दुनिया क्या एक और विश्व युद्ध की कगार पर है?

संक्षिप्त खबरें

द वेल्थ ने बलराम भगत को नियुक्त किया मैनेजिंग पार्टनर

संवाददाता

पटना। पंटोमॅथ ग्रुप की कंपनी द वेल्थ कंपनी ने बलराम भगत की मैनेजिंग पार्टनर- प्रोडक्ट्स और पेंशन के रूप में नियुक्ति की घोषणा की। श्री भगत पेंशन और म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के अनुभवी प्रोफेशनल हैं और उन्हें वित्तीय संस्थानों को खड़ा करने, पेंशन को बढ़ावा देने और वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने का तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। कंपनी की जारी विस्तार योजना के तहत यह नियुक्ति लीडरशिप और टैलेंट को मजबूत करने के साथ-साथ अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को बढ़ाने का हिस्सा है। बता दें श्री भगत जीइससे पहले यूटीआई पेंशन फंड लिमिटेड के सीईओ और होल-टाइम डायरेक्टर थे, जहां वे इसके फाउंडिंग सीईओ रहे और उन्होंने कंपनी को भारत का तीसरा सबसे बड़ा पेंशन फंड बनाया। इस नियुक्ति पर द वेल्थ कंपनी की संस्थापक, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ सुश्री मधु लूणावतने कहा कि भगत जी भारत के पेंशन जगत के एक बड़े और अनुभवी नाम हैं। तीन दशकों से अधिक के उनके अनुभव और वित्तीय समावेशन को बढ़ाने के उनके योगदान से द वेल्थ कंपनी एक नयी ऊंचाई पर जायेगा। भारत के सबसे बड़े पेंशन फंड में से एक को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका और प्रोडक्ट बनाने व गवर्नेंस की उनकी समझ हमारे लिए बहुत उपयोगी होगी, जब हम रिटायरमेंट से जुड़े कारोबार में अपना विस्तार करेंगे।

गया के तिलकुट और भागलपुर के कतरनी चूड़ा से महका बाजार

संवाददाता

दानापुर। प्रकृति के साहचर्य व धार्मिक विधान के लिए महत्वपूर्ण लोकपर्व मकर संक्रांति को लेकर बाजार पूरी तरह से जगह-जगह तिलवा, तिलकुट, चूड़ा, मुड़ी, लाई, तिल के लड्डू से दुकान सजा हुआ है. स्थानीय साहेब शाही तिलकुट भंडार, गुप्ता तिलकुट भंडार , श्री राम तिलकुट भंडार , खगौल समेत फुटपाथ के दुकानों से सभी जमकर खरीदारी हो रही है. कुल भी मिलाकर मकर संक्रांति पर्व ने खगौल बाजार में मिठास, परंपरा व उल्लास का रंग घोल दिया है. पूरा शहर पर्व के स्वागत में जुटा है. साहेब शाही तिलकुट भंडार के मो रिंकू का कहना है कि, पूरा बाजार उत्सव के माहौल में रंग गया है, खासकर गया के तिलकुट की मांग है , इसमें गुड़ के तिलकुट की काफी मांग है, लोग काफी उत्साह से खरीदारी कर रहे हैं। काफी लोग यहां से, गया के कारीगरों द्वारा बना तिलकुट , परिवार से दूर रह रहे, परिजनों आदि को खरीद कर भेजते हैं.

नीतीश सरकार में न्याय व्यवस्था को नई ताकत, जनता के भरोसे को नई मजबूती : जद (यू0)

संवाददाता

पटना। जद (यू0) प्रदेश प्रवक्ता श्री हिमराज राम एवं श्री परिमल कुमार ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि बिहार में न्याय व्यवस्था को और अधिक सशक्त, प्रभावी तथा भरोसेमंद बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य में 300 नए प्रॉसिक्यूशन ऑफिसरों की नियुक्ति का निर्णय न्याय की रफ्तार को तेज करने में मील का पत्थर साबित होगा। प्रॉसिक्यूशन ऑफिसरों की संख्या बढ़ने से अदालतों में मामलों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित होगी, जिससे लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी।

इससे न केवल पीड़ितों को समय पर न्याय मिलेगा, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया में आम जनता का विश्वास भी और मजबूत होगा। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की सरकार शुरू से ही कानून का राज और त्वरित न्याय को सर्वोच्च प्राथमिकता देती रही है। पुलिस, अभियोजन और न्यायालय-तीनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर न्यायिक व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। नए प्रॉसिक्यूशन ऑफिसरों की नियुक्ति इसी सोच का प्रत्यक्ष प्रमाण है। मजबूत अभियोजन व्यवस्था के बिना प्रभावी न्याय संभव नहीं है। इस फैसले से राज्य में अपराध नियंत्रण को भी मजबूती मिलेगी और अपराधियों को सख्त संदेश जाएगा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है।

50 वर्षीय रेलकर्मी वकील यादव की ट्रेन के चपेट में आने से मौत

संवाददाता

गयाजी परैया: थाना क्षेत्र के हसपुरा निवासी 50 वर्षीय रेलकर्मी वकील यादव की मौत सोमवार रात ट्रेन से कट कर हो गई। रेलवे ट्रैकमैन के पद पर कार्यरत कर्मी रात्री ड्यूटी के दौरान हसपुरा रेलवे गेट से परैया स्टेशन जाने के क्रम में कोसडिहरा गांव के सामने रेलवे पॉल संख्या 481/1 के पास रात्री 1 बजे करीब उस समय हुई जब अप और डाउन लाइन में अचानक ट्रेन आ के गई। सह कर्मियों के अनुसार धनबाद फिरोजपुर एक्स्प्रेस ट्रेन से कट कर वकील यादव की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम हेतु गया अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज साहस अस्पताल में जाया गया। घटना की सूचना के बाद गुरुआ के पूर्व विधायक विनय कुमार यादव पीड़ित स्वजनों से मिलने पहुंचे। वहीं वकील यादव के साथ काम करने वाले रेल कर्मियों ने सुविधा के अभाव में इस तरह की घटना होने की बात कही। कर्मियों ने पटरी के पीन मैनुअल जांच के क्रम में घटना वाले इस तरह की घटनाओं पर खेद जताया है। मृतक के एक पुत्री व दो पुत्र है।

जीटी रोड पर हुए दुर्घटना में एक युवक की मौत

संवाददाता

गयाजी आमस: थाना क्षेत्र के महूआवां पंचायत अंतर्गत हमजापुर में मस्जिद हमजा के सामने जीटी रोड पर मंगलवार की शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई.आमस एसएचओ धनंजय कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान कोंच थाना क्षेत्र के बैकुंठपुर गांव निवासी शिव कुमार शर्मा के 25 वर्षीय पुत्र आशुतोष कुमार के रूप में की गई है.थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज गया भेज दिया गया है.मृतक के परिजन सुरेन्द्र ठाकुर ने बताया कि आशुतोष दो दिन पूर्व बांकेबाजार प्रखंड क्षेत्र के डुमरावां गांव में यज्ञ के वार्षिकोत्सव समारोह में शामिल होने परिजन के घर आया था. मंगलवार की दोपहर डुमरावां से बाइक द्वारा शेरघाटी स्थित एक रिश्तेदार के घर जाने के लिए निकला था.इसी बीच हमजापुर में अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई और बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई.

दुर्घटना के बाद सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ देर के लिए जीटी रोड का एक लेन जाम हो गया.दुर्घटना की सुचना पाकर तुरंत पहुँचे आमस थानाध्यक्ष धनंजय कुमार और बीडीओ नीरज कुमार रॉय ने लोगों को समझा कर शव को जीटी रोड के किनारे कराया जिससे जाम समाप्त हो गया.

संत रविदास आश्रम बांकेबाजार की ओर से युवा खिलाड़ी रॉकी कुमार को किया सम्मानित

संवाददाता

गयाजी: संत रविदास आश्रम के अध्यक्ष धीरू दास जी के सशक्त नेतृत्व में संत रविदास आश्रम युवा क्लब द्वारा रविदास समाज के होनहार सपूत रॉकी कुमार को सम्मानित किया गया। रॉकी कुमार ने खेल के क्षेत्र में जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण पदक एवं 1 कांस्य पदक जीतकर पूरे समाज का नाम रोशन किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर आश्रम के युवाओं द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र (डायरी) एवं 2000 नकद राशि देकर सम्मानित किया।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के द्वारा पटना में

एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

पटना: भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत उपभोक्ता कार्य विभाग द्वारा ''पूर्वी राज्यों में उपभोक्ता संरक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला'' का आयोजन 13 जनवरी, 2026 को पटना में किया गया। यह कार्यशाला होटल ताज सिटी सेंटर, पटना में आयोजित हुई, जिसका उद्देश्य पूर्वी राज्यों में उपभोक्ता संरक्षण तंत्र को सुदृढ़ करना और उपभोक्ता अधिकारों को लेकर जागरूकता व प्रभावी क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श करना था। बिहार के मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, भारत सरकार के उपभोक्ता कार्य विभाग की सचिव श्रीमती निधि खरे, अपर सचिव श्री अनुपम मिश्रा और बिहार सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव श्री अभय कुमार सिंह ने कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। श्री प्रत्यय अमृत ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जो भी योजनाएं बनाई जाएं, वे उपभोक्ता की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार की जाएं।

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी निदेशों और नीतियों का केंद्र एक आम आदमी होता है। आमतौर पर सरकारी अधिकारी आम आदमी को एक लाभान्वित व्यक्ति के रूप में देखते हैं, यानी वह व्यक्ति जो कल्याणकारी सेवाओं का प्राप्त कर्ता है। इस मॉडल के तहत योजना बनाई जाती है, राशि जारी की जाती है, योजना को लागू किया जाता है और उसका उद्घाटन किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल आवश्यक है, लेकिन अब यह अधूरा प्रतीत होता है। मुख्य सचिव ने कहा कि यही उपभोक्ता शासन से अपेक्षित है और यही वह क्षेत्र है जहां प्रणाली को परिणाम देना चाहिए। किसी भी ऐप या प्रणाली के डिजाइन में आम आदमी को केंद्र में रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज का यह कार्यशाला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके केंद्र में वही उपभोक्ता है, जिस पर हमें अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। श्रीमती निधि खरे, सचिव, उपभोक्ता कार्य विभाग, भारत सरकार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उपभोक्ता संरक्षण एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, जो हम सभी के ऊपर है। उन्होंने कहा कि यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम अपने नागरिकों और उपभोक्ताओं के अधिकारों की प्रभावी रूप से रक्षा करें। उन्होंने बताया कि ई-जागृति को एक मॉडल के रूप में अपनाते हुए राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन) '1915' का गठन किया गया है। इसके साथ ही आईआईटी कानपुर के सहयोग से एनसीएच 2.0 के अंतर्गत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स का उपयोग किया जा रहा है। श्रीमती खरे ने कहा कि यह जानकर सभी को आश्चर्य होगा कि मात्र आठ महीनों की अवधि, यानी मई 2025 से दिसंबर 2025 के बीच, उपभोक्ताओं को 45 करोड़ रुपये का रिफंड दिलाया गया है। यह उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा और प्रभावी उपभोक्ता शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

बिहटा में किराए के मकान में रह रहीं नाबालिग लड़की ने की आत्महत्या, घर के कमरे में फंदे से लटकती दिखी, स्थानीय पुलिस जांच मे जुटी

संवाददाता

बिहटा: पटना जिले के बिहटा थानाक्षेत्र के कृष्णा नगर के वार्ड 9 में एक किराए के मकान में एक नाबालिक बच्ची ने आत्महत्या कर ली। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में मातम छा गया ।मृतक का परिवार मूल रूप से भोजपुर जिला का रहने वाला है और इधर घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस एवं FSL टीम को दी गई है ।जहां FSL की टीम मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी में जुट गई है। मृतक बच्ची की पहचान सृष्टि कुमारी पिता त्रिपाठी सिंह कृष्णगढ़ जिला भोजपुर की रहने वाली है । इधर मृतक बच्चे की मां ने बताया कि ढेर माह पहले हम लोग बिहटा में रहने के लिए आए थे और कल देवरात्रि सभी लोग एक साथ सोने चले गए सुबह जब 9:00 बजे उठा तो देखा कि मेरी बेटी दूसरे रूम में फांसी लगा ली है जिसे नीचे उतर गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी स्थानीय लोगों ने पुलिस की सूचना दी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। घटना को लेकर थाना अध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा जानकारी मिली है प्रथम दृष्टि आत्महत्या का मामला सामने आ रहा है हालांकि घटना का पीछे कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है घटना स्थल पर एफएसएल की टीम जांच कर रही है।

टिकारी विधानसभा में शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाना मेरा व्यक्तिगत संकल्प : अजय दांगी (विधायक)

संवाददाता

गयाजी: टेकारी विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से आज टेकारी राज इंटर स्कूल में सभी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं प्रभारी प्रधानाध्यापकों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय विधायक, टेकारी विधानसभा श्री अजय कुमार दांगी ने की। बैठक में विद्यालयों की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, शिक्षकों की नियमितता, छात्रों का नामांकन, मध्यान्ह भोजन, छात्रवृत्ति, भवन, शौचालय, पेयजल तथा शिक्षा की गुणवत्ता जैसे अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। कई विद्यालयों में अनियमितता और लापरवाही की शिकायतें सामने आईं।

इस अवसर पर माननीय विधायक अजय कुमार दांगी ने कड़े शब्दों में कहा शिक्षा के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं किय जाएगा। गरीब और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी वही शिक्षा मिलनी चाहिए, जो बड़े शहरों के बच्चों को मिलती है। यदि किसी स्कूल में शिक्षक नियमित नहीं मिलते हैं या पढ़ाई में लापरवाही होती है तो उसके लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई होगी।*"

उन्होंने आगे कहा कि टेकारी विधानसभा में शिक्षा व्यवस्था

को पटरी पर लाना मेरा व्यक्तिगत संकल्प है। जो भी अधिकारी या शिक्षक अपने दायित्व से भागेंगे, उन्हें जवाबदेह बनाया जाएगा। बच्चों का भविष्य बर्बाद करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

बैठक में राष्ट्रीय जनता दल के जिला अध्यक्ष श्री सुभाष यादव भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि संगठन शिक्षा सुधार के इस अभियान में पूरी मजबूती से साथ खड़ा है और जनता की आवाज को हर स्तर पर उठाया जाएगा। बैठक के अंत में सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने विद्यालयों की शैक्षणिक स्थिति में शीघ्र सुधार करें और सरकार की सभी योजनाओं का लाभ छात्रों तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुँचाएँ।

डुमरिया के रबदी पहाडी के जंगल में नक्सलियों द्वारा छुपाकर रखा हथियार बरामद

▶ डुमरिया के रबदी पहाडी के जंगल में नक्सलियों द्वारा छुपाकर रखा हथियार बरामद. जिला पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त कारवाई ▶ रायफल व जिंदा कारतुस बरामद

संवाददाता

गयाजी डुमरिया: जिले के डुमरिया प्रखंड अंतर्गत भदवर थाना के भोकहा पंचायत अंतर्गत रबदी पहाडी पननवाटांड के जंगल में सुरक्षा बलों को बडी सफलता मिली है.जिला पुलिस,29 वी एसएसबी की संयुक्त टीम ने मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर संघन सर्च अभियान चलाया. अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने जंगल से 30 इंच बैरल 12 बोर रायफल तथा 1.5 फीट 315 एमएम साइज के दो देशी हथियार बरामद किया गया.

सर्च अभियान के दौरान बरामद सभी हथियारो व सामग्री को जब्त कर स्थानीय थाना को सौप दिया गया है. भदवर थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि वरिय पुलिस अधिक्षक गया और एसएसबी 29

वी वाहिनी कमाण्डेट मधुकर अमिताभ के निर्देशन पर की गयी. अभियान का नेतृत्व समवाय सलैया के निरीक्षक समान्य अनुज कुमार पाठक ने किया. यह सर्च अभियान लगभग पाँच घंटा चला.और सफलतापूर्व संपन्न हुआ. बडी साजिश नाकाम.- सुरक्षा एजेंसीयों का मानना है कि नक्सली किसी बडी बारदात की साजिश रच रहे थे.जिसे समय रहते सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया.

एसएसबी के अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में नक्सली गतिविधि को देखते हुएआगे भी संघन सर्च अभियान चलाया जायेगा. और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को और कडी किया जायेगा.

श्रीमद् भागवत भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का संगम

संवाददाता

बखरी बेगूसराय: बीते एक सप्ताह से बखरी में चल रहे श्री मदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ में कथावाचक श्री अंकिता नन्द जी महाराज (अयोध्या) ने कहा कि सत्संग जीवन में उतारने का एक साधन है। सशक्त चरित्र निर्माण के लिए हमें ग्रंथ व शास्त्रों का अध्ययन करना होगा। सत्संग से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि "बिनु सत्संग विवेक न होई, राम कृपा बिनु सुलभ न सोई"। उन्होंने आगे कहा है श्रीमद् भगवत कथा भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का संगम है। ज्ञान और भक्ति के लिए धैर्य की जरूरत है। तभी यह सार्थक हो सकती है। कथावाचक श्री ने कहा कि सत्संगति आनंद और सभी कल्याणों का मूल है। सत्संग सही मार्ग पर चलने की समझ देता है।उन्होंने यह भी कहा कि देश सर्वोपरि है। सनातन धर्म में हमारे ग्रन्थ धर्म की रक्षा के साथ साथ राष्ट्र की रक्षा करने का भी संदेश देते हैं।ज्ञान यज्ञ में कथावाचक द्वारा सुखदेव चरित्र, शिव पार्वती विवाह, प्रहलाद चरित्र, श्रीकृष्ण जन्म, रुक्मणि मंगल जैसे विभिन्न चरित्रों का विस्तार से चित्रण किया गया।

कार्यक्रम में संयोजक सोनू महाराज, अशोक तुलस्यान उर्फ ढप्पू जी, प्रदीप टमकोरिया, प्रदीप नेमानी, प्रकाश टिबरेवाल, सोनू भड़ौंदिया, राजेश टमकोरिया, अलका अग्रवाल, विवेक खेतान, दीपक सुल्तानिया सहित मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य व पदाधिकारी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। कथा सुनने लोगों की भाड़ी भीड़ उमर रही है।

साम्राज्यवाद के खिलाफ प्रतिरोध मार्च

संवाददाता

मंझौल बेगूसराय: भाकपा अंचल परिषद चेरिया बरियारपुर के द्वारा अमेरिकी साम्राज्यवाद के खिलाफ मंझौल पशु अस्पताल से मंझौल सत्यारा चौक महात्मा गांधी स्मारक के समक्ष प्रतिरोध मार्च निकाला गया। यह मार्च वेनेजुएला पर कथित अमेरिकी हमले एवं अपहरण के विरोध में भाकपा के आ''ान पर आयोजित किया गया। अमेरिका के तानाशाह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला दहन किया गया। सहायक अंचल मंत्री अर्जुन सिंह ने कहा कि अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्रपति निकोलस मादुरो इव उनकी पत्नी सिलिया मादुरो पर हमला कर अपहरण किया जाना शर्मनाक इव आतंकीकृत है। प्रोफेसर संजय सिंह ने इस अपहरण को लोकतंत्र एवं संविधान के खिलाफ बताया। निकोलस मादुरो एवं उनकी पत्नी को सम्मानपूर्वक रिहाई की मांग की गई।

वहीं अंचल मंत्री संजीव कुमार सिंह ने कहा यह हमला अपहरण, मानवाधिकार एवं सभ्यता के नाम पर संप्रभु देशों पर हमला करने की अमेरिकी नीति साम्राज्यवाद सोचों काला अध्याय है।

अधिप्राप्ति कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

सीएमआर की अविलंब आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु सभी मिलरों को निर्देश दिया गया

संवाददाता

मधुबनी: जिलाधिकारी आनंद शर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिले में संचालित धान अधिप्राप्ति कार्य को लेकर एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिप्राप्ति, किसानों के भुगतान, सीएमआर आपूर्ति तथा मिलिंग की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई।

समीक्षा के क्रम में जिला सहकारिता पदाधिकारी ने अवगत कराया कि अब तक 5796 किसानों से कुल 39007 मीट्रिक टन धान की अधिप्राप्ति की जा चुकी है, जो कुल निर्धारित लक्ष्य का लगभग 37 प्रतिशत है। उन्होंने यह भी बताया कि अब तक 5249 किसानों का भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने शेष किसानों के लंबित भुगतान को अविलंब पूर्ण करने का स्पष्ट निर्देश दिया तथा धान अधिप्राप्ति कार्य में तेजी लाने के लिए सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कदम

उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि अब तक 1566 मीट्रिक टन सीएमआर (कस्टम मिल्ड राइस) की आपूर्ति की जा चुकी है। इस पर जिलाधिकारी ने प्राप्त एफआरके एवं निर्धारित मिलिंग क्षमता के अनुरूप सीएमआर की अविलंब आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु सभी मिलरों को निर्देशित किया। समीक्षा के दौरान बैठक में अनुपस्थित पाए गए लोहट राइस मिल एवं अशोक राइस मिल के विरुद्ध जिलाधिकारी द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में लापरवाही एवं निदेशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। उक्त समीक्षा बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी सुदर्शन कुमार, जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम, सहित सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

परैया में नल जल योजना की हजारों लीटर पानी लापरवाही में हो रहा बरबाद, इसे प्रशासनिक लापरवाही कह सकते हैं

संवाददाता

गयाजी परैया: सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल का जल योजना परैया प्रखंड में प्रशासनिक लापरवाही और देखरेख के अभाव में चरमराती नजर आ रही है। लापरवाही इतनी की प्रतिदिन हजारों लीटर पानी सड़क व गड्ढो में बह रहा है। टोटी नहीं रहने के कारण पानी बर्बाद हो रहा है। वहीं दूसरी ओर कई वार्डों के लोग साल भर से पानी के लिए तरस रहे हैं। प्रखंड मुख्यालय से गुजरे गया रफीगंज सड़क से सटे परैया एसएफसी गोदाम के पास सरकारी उदासीनता का बड़ा नमूना देखने को मिल रहा है। जहां करीब एक साल से नल में टोटी नहीं है। जब भी सुबह, दोपहर और शाम के समय पानी की सप्लाई शुरू होती है। यहां हजारों लीटर शुद्ध पेयजल खेतों में बह जाता है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार महीनों से हो रही इस बबार्दी को रोकने वाला कोई नहीं है। जबकि परैया-टिकारी बाईपास सड़क स्थित वार्ड नंबर चार में विभाग ने पाइप लाइन तो बिछा दी है, लेकिन करीब एक साल बीत जाने के बाद भी पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई है। इस लापरवाही के कारण क्षेत्र के दर्जनों घरों तक बिछी पाइप और उसका नल शोभा की वस्तु बनकर रह गया है। समस्या के कारण ग्रामीणों को निजी संसाधन या चापाकल पर निर्भर रहना पड़ रहा है। मामले की सूचना पीएचइडी के कनीय अभियंता को कई बार दी गई है। शिकायत के बावजूद आज तक न टोटी लगी न पानी की बबार्दी रुकी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जदयू नेता पप्पू कुमार दांगी ने की शिष्टाचार मुलाकात

संवाददाता

गयाजी: जनता दल (यूनाइटेड) के गया जिला उपाध्यक्ष पप्पू कुमार दांगी ने नववर्ष के अवसर पर बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार से पटना स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान श्री दांगी ने मुख्यमंत्री को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई संप्रेषित की। इस अवसर पर गया जिला जनता दल यूनाइटेड के जिला अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद दांगी भी मौजूद रहे. मुलाकात के क्रम में गया जिला के समग्र विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पप्पू कुमार दांगी ने गया जिला अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में

आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, सिंचाई एवं रोजगार सृजन से जुड़े विभिन्न मुद्दों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। साथ ही उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने गया जिले के विकास को लेकर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि सरकार हर क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए सतत प्रयासरत है।

उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने की बात भी कही। इस अवसर पर पप्पू कुमार दांगी ने मुख्यमंत्री का समय देने एवं गया जिला के विकास को लेकर सकारात्मक चर्चा के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और गया जिला भी विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

डुमरिया के भदवर में खुला शाखा डाकघर का शाखा, लोगों में खुशी का माहौल

संवाददाता

गयाजी डुमरिया: डुमरिया प्रखंड के भदवर गांव में मंगलवार को शाखा डाकघर का शुभारंभ किया गया, जिससे क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखा गया.शाखा डाकघर का उद्घाटन शेरघाटी डाक निरीक्षक दीपक कुमार ने फीता काटकर किया.उद्घाटन के पश्चात उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डाक निरीक्षक ने कहा कि इस डाकघर के खुलने से भदवर सहित आसपास के गांवों के लोगों को अब डाक संबंधी सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा.उन्होंने बताया कि शाखा डाकघर के माध्यम से पत्र-व्यवहार, बचत खाता, आरडी, एसएससी, बीमा समेत केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर मिलेगा. इससे समय और धन दोनों की बचत होगी. इस अवसर पर डाक अधिदर्शक रवि रंजन, पंकज कुमार मिश्रा, डाक सहायक अमित कुमार, पूर्व मुखिया जनार्धन ठाकुर, मकान मालिक दिनेश यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वहीं गांव के अनिल कुमार ठाकुर, देवराज ठाकुर, सोनू कुमार, अरविंद कुमार, अखिलेश कुमार, शिवम कुमार, राज कुमार ठाकुर, राजीव कुमार, अंकुश कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कार्यक्रम में भाग लिया.

संक्षिप्त खबरें

सिमारु गांव में मकर संक्रांति मिलन समारोह
जनप्रतिनिधियों ने लिया सामूहिक दही-चूड़ा का आनंद

संवाददाता

गयाजी गुरुआ: गुरुआ प्रखंड के सिमारु गांव में मंगलवार को मकर संक्रांति मिलन समारोह का आयोजन किया गया.कार्यक्रम का शुभारंभ अतिपिछड़ा आयोग के सदस्य अमित कुमार दांगी, गुरुआ के भाजपा विधायक डॉ. उपेंद्र प्रसाद, भाजपा नेता विनय कुशवाहा, जदयू प्रखंड अध्यक्ष नीतीश कुमार दांगी, युवा नेता आकाश दयाल, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष गिरेन्द्र कुमार एवं पैक्स अध्यक्ष सह आयोजक नागेन्द्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया. मौके पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. उपेंद्र प्रसाद ने मकर संक्रांति पर्व के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला.उन्होंने कहा कि यह पर्व आपसी भाईचारे, समरसता और एकता का प्रतीक है. वहीं अतिपिछड़ा आयोग के सदस्य अमित कुमार दांगी ने दही-चूड़ा की परंपरा को ग्रामीण संस्कृति की पहचान बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं.कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने क्षेत्र के विकास, सामाजिक समरसता और युवाओं की भागीदारी पर भी अपने विचार रखे.आयोजन के उपरांत उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, कार्यकताओं एवं ग्रामीणों ने एक साथ बैठकर चूड़ा-दही का आनंद लिया. कार्यक्रम का संचालन दांगी संघ के प्रखंड अध्यक्ष सतेन्द्र प्रसाद ने किया.समारोह में मुखिया सुनिल कुमार, डॉ केडी सिंह, सरपंच संघ के अध्यक्ष संजय कुमार समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे.

युवा नेता अक्षय चंद्रवंशी ने जन्मदिवस पर छात्राओं के बीच किया शैक्षणिक सामग्री का वितरण

संवाददाता

गयाजी बांकेबाजार: भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता अक्षय चंद्रवंशी ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए मानव समन्वय संस्थान, परसावां खुर्द, बांके बाजार (गयाजी) के तत्वावधान में छात्राओं के बीच कॉपी और कलम का वितरण किया। यह कार्यक्रम उत्क्रमित उच्च विद्यालय, परसावां खुर्द परिसर में आयोजित किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में छात्राओं ने लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान अक्षय चंद्रवंशी ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव है और छात्राओं को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा से ही सशक्त समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर उत्क्रमित उच्च विद्यालय परसावां खुर्द के प्रधानाध्यापक प्रसून कुमार प्रीतम ने अक्षय चंद्रवंशी के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों में पढ़ाई के प्रति उत्साह बढ़ाते हैं। वहीं शिक्षिका प्रभा कुमारी एवं प्रमिला टैगोर ने भी इसे प्रेरणादायक कदम बताया। कार्यक्रम में शिक्षक अखौरी कुंदन कुमार, दिनेश चौधरी, राजू कुमार सहित कई शिक्षक, शिक्षाविद् एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

सभी ने छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। अंत में मानव समन्वय संस्थान के सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी अतिथियों एवं शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किए।

महादलित परिवार को बसने हेतू जमीन की खोज

संवाददाता

मंझौल बेगूसराय: श्री आकाश चौधरी डीडीसी बेगूसराय के द्वारा चेरिया बरियार प्रखंड में जयमंगला गढ़ के निकट महादलित परिवार को बसाने हेतु अंचल कार्यालय द्वारा चिन्हित भूमि के पास मूल भूत सुविधा यथा जमीन का पर्चा, सड़क, बिजली, पानी, स्कूल, एफसी आंगनवाड़ी, सामुदायिक शौचालय, हाई मास्ट लाइट ईत्यादि हेतु योजना निर्माण के लिए स्थल भ्रमण कर संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया गया। साथ ही महादलित परिवार के प्रतिनिधि से वार्ता कर समन्वय किया गया। इस अवसर पर SDM मंझौल, BDO एवं BPRO चेरिया बरियार, निदेशक NEP डीआरडीए, बेगुसराय, कार्यपालक अभियंता बिजली, एवं अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

खोदावन्दपुर में दही चुरा भोज के बाद गरीबों के बीच कम्बल हुआ वितरण

संवाददाता

खोदावंदपुर, बेगूसराय। खोदावंदपुर पंचायत के मुसहरी गांव निवासी व सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश कुमार उर्फ सीताराम महतो ने मंगलवार को अपने आवास पर दही चुरा का भोज किया. मकर संक्रांति के एक दिन पहले हुए इस भोज में सैकड़ों लोगों ने दही चुरा का आनंद उठाया. भोज के बाद गरीब गुरबें लोगों के बीच उन्होंने कम्बल वितरण भी किया. इस मौके पर पंचायत के उपमुखिया कामेश्वर महतो, उपसरपंच रामाशीष महतो, सरपंच प्रतिनिधि धर्मेन्द्र कुमार, वार्ड सदस्य मनोज कुमार, नीरज कुमार, पंच मंजू देवी, पवन देवी, प्रतिनिधि राम जतन कुमार, सुनील पटेल, श्याम रतन पासवान, धर्मवीर कुमार, सुजीत कुमार, निर्दोष कुमार, हरिश दास सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे.

विभिन्न विभागों एवं पुलिस प्रशासन के बीच के बीच तालमेल हेतु बैठक

संवाददाता

बेगूसराय: जिला पदाधिकारी, बेगूसराय श्री श्रीकांत शास्त्री (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित कारगिल विजय सभा भवन में विभिन्न विभागों एवं पुलिस प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने को लेकर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य भूमि विवाद, विधि-व्यवस्था, अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण तथा प्रशासनिक कार्यों में आपसी तालमेल को और अधिक प्रभावी बनाना रहा। बैठक में ऑनलाइन भू-समाधान पोर्टल से संबंधित अद्यतन स्थिति, अवैध बालू, गिट्टी एवं मिट्टी खनन के विरुद्ध की गई कार्रवाई की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला नीलाम पत्र शाखा से संबंधित मामलों, विशेषकर विभिन्न थानों में लंबित बॉडी वारंट एवं डिस्ट्रेस वारंट के निष्पादन की स्थिति की समीक्षा की गई। कुछ थाना क्षेत्रों में वारंट निष्पादन की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई, जिस पर जिला पदाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए लंबित वारंटों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए। समीक्षा के क्रम में सार्वजनिक भूमि एवं कब्रिस्तानों से अतिक्रमण हटाने, मद्यनिषेध कानून के प्रभावी क्रियान्वयन, जिले की यातायात व्यवस्था एवं विधि-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा जनता दरबार के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के त्वरित समाधान जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए प्रशासनिक कार्यों में गति लाने तथा आम जनता को त्वरित एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समहर्ता बेगूसराय, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य विभागों के पदाधिकारी एवं थानाध्यक्ष उपस्थित थे।

मंथन- मगध यूथ आइकन अवॉर्ड 2026 : विचार, मूल्य और परिवर्तन का भव्य उत्सव

संवाददाता

गयाजी: मगध की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक भूमि पर ''मंथन - मगध यूथ आइकन अवॉर्ड 2026'' का भव्य आयोजन अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन केवल एक पुरस्कार समारोह नहीं, बल्कि विचारों का संगम, मूल्यों की पहचान और भविष्य के नेतृत्व को सम्मानित करने वाला एक सशक्त मंच बनकर उभरा। यह मंच उन युवाओं और प्रेरक व्यक्तित्वों को समर्पित रहा, जिन्होंने शिक्षा, समाज सेवा, उद्यमिता, कलाझसंस्कृति, मीडिया, खेल, स्वास्थ्य और नवाचार के क्षेत्र में अपने कार्य, चरित्र और प्रतिबद्धता से समाज एवं राष्ट्र को नई दिशा दी है।

आयोजक एवं आयोजन की सोच -मंथन झ मगध यूथ आइकन अवॉर्ड 2026 का आयोजन The Career Guidance (पिछले 20 वर्षों से करियर मार्गदर्शन के क्षेत्र में सक्रिय) एवं The SHIELD -"राष्ट्र सर्वप्रथम" विचारधारा वाली संस्था के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। आयोजकों का स्पष्ट लक्ष्य है— आज की युवा पीढ़ी को सही मार्गदर्शन देना, उन्हें प्रेरित करना,, उनके भीतर छिपी संभावनाओं को पहचान दिलाना, और सकारात्मक रोल मॉडल्स से जोड़कर उनके भविष्य को सशक्त बनाना।

The Career Guidance और The SHIELD का मानना है कि जब युवाओं को सही समय पर सही प्रेरणा और सही दिशा मिलती है, तभी वे न केवल अपना भविष्य संवारते हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं। ''मंथन'' उसी सोच का मूर्त रूप है—जहाँ अनुभव, मूल्य और सफलता की कहानियाँ युवाओं के लिए पथप्रदर्शक बनती हैं। गरिमामयी निर्णायक मंडल - इस प्रतिष्ठित आयोजन की विश्वसनीयता को 15 सदस्यीय विशिष्ट निर्णायक मंडल ने सुदृढ़ किया, जिसकी अध्यक्षता हेतु आमंत्रित रहीं डॉ. विनिता सहाय, निदेशक - भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM), बोधगया। निर्णायक मंडल में शिक्षा, स्वास्थ्य, मीडिया, खेल, संस्कृति, कॉर्पोरेट, सामाजिक सेवा और नीति-निर्माण से जुड़े राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित नाम शामिल रहे, जिनमें

डॉ. सचिदानंद प्रेमी, पं. राजेंद्र सिजुआर, प्रो. मोती करीमी, डॉ. यू. के. मधु, डॉ. रवि अग्रवाल, श्री श्रीकांत जी (ANI), श्री रूपक सिन्हा, डॉ. बिरेंद्र कुमार, हिमांशु जी, श्री अमरनाथ मेहरावर, डॉ. नूतन सिंह, अमित कुमार चौबे, श्री अजय कुमार सिन्हा तथा श्रीमती कविता निश्छल प्रमुख रहे। जूरी ने निष्पक्ष, पारदर्शी और मूल्य-आधारित प्रक्रिया के तहत विजेताओं का चयन किया। सम्मानित पुरस्कार श्रेणियाँ (16) - प्राइड ऑफ मगध, शिक्षा, एजुकेशन फॉर चेंज, सामाजिक कार्य, पर्यावरण, उभरती व्यवसायिक महिला, संगीत-कला-संस्कृति, स्वास्थ्य, खेल, बिजनेस फॉर चेंज, व्यवसाय, सोशल मीडिया, मीडिया, साहित्य, उद्यमी/स्टार्टअप्स एवं विशेष श्रेणी। सम्मानित विजेता - सामाजिक कार्य / समाज सेवा - समाज सेवा के क्षेत्र में सर्वप्रथम खालसा हेल्पर ट्रस्ट के संस्थापक श्री रौनक सिंह सेठ को सम्मानित किया गया, जो वर्षभर मानवीय सेवाओं के लिए समर्पित हैं। इसके पश्चात भगत सिंह यूथ ब्रिगेड के श्री सनी कुमार वर्मा को विशेष रूप से रक्तदान अभियानों और सामाजिक सेवाओं हेतु सम्मान मिला। साइलेंट सेवा के लिए प्रसिद्ध चित्र मृदुल फाउंडेशन एवं इसके संस्थापक डॉ. सुशांत मुखर्जी को वृद्धजनों की सेवा, बच्चों के लिए शिक्षा सामग्री, वस्त्र एवं भोजन व्यवस्था हेतु सम्मानित किया गया। भ्रष्टाचार विरोधी एवं कानूनी सहायता के क्षेत्र में ACIB (Anti Corruption Intelligence Bureau) के श्री बृजेश चंद्रवंशी को सम्मान प्रदान किया गया। श्री पंकज कुमार (वजीरगंज) और डॉ. अमरदीप कुमार (नवादा) को सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों हेतु सम्मानित किया गया।

साहित्य - हिंदी व मगही साहित्य के प्रचार-प्रसार हेतु हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष श्री सुमंत जी को सम्मानित किया गया। युवा कवि एवं लेखक श्री अनंतधीश अमन, श्री उमाशंकर सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी), डॉ. रिचा झा, डॉ. अरविंद कुमार (प्राचार्य) तथा डॉ. राजीव कुमार सिंह (ज्ञान भारती रेजिडेंशियल स्कूल) को उनके साहित्यिक एवं शैक्षणिक योगदान के लिए सम्मान मिला। कृषि (Agriculture) - कृषि क्षेत्र में डॉ. सुरभि कुमारी (समर्थ संस्था) को महिला किसानों के साथ इनोवेटिव फार्मिंग के लिए सम्मानित किया गया। श्री नितीश मंगलम को सॉइल टेस्टिंग मशीन सहित नवाचारों हेतु तथा युवा कृषक श्री सुमंत को प्रशिक्षण एवं आधुनिक खेती के लिए सम्मान दिया गया। संगीत, कला एवं संस्कृति - इस श्रेणी में कला संस्कार के संस्थापक वरिष्ठ कलाकार श्री राजेश राठौर को युवाओं को NIFT, NID, UCEED जैसी परीक्षाओं की तैयारी कराने हेतु सम्मानित किया गया। वरिष्ठ तबला वादक श्री दिनेश कुमार महुआ (दीनानाथ महुआ), बिहार-झारखंड-ओडिशा क्षेत्र के एकमात्र संतूर वादक श्री चंद्रशेखर कुमार शर्मा, तबला वादक एवं शिक्षक श्री कुमार रजनीश, तथा गुरुकुल की प्रधानाचार्य श्रीमती सुष्मिता बोस को भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति के संरक्षण हेतु सम्मान मिला। प्राइड ऑफ मगध - इस श्रेणी में -राज्य परिवहन आयुक्त श्री आरिफ अहसन (IAS), श्री राजीव सिंह (नवादा - रियल एस्टेट), श्री अविनाश सिंह आनंद (APR व महिंद्रा - सिनेमा व शोरूम), श्री प्रमोद भदानी (प्रमोद लड्डू भंडार), तथा श्री इकबाल हुसैन (मौर्य हाइट्स, टीसी मॉल बोधगया, पीस एसोसिएशन ऑफ इंडिया) को मगध की प्रतिष्ठा बढ़ाने हेतु सम्मान मिला।

बिजनेस फॉर चेंज - श्री संतोष कुमार सिंह (पहला जिम, मिस्टर गया/बिहार), श्री मनीष कुमार सिंह (घराना अपार्टमेंट), श्रीमती रश्मि श्वेता (सखी ब्यूटी पार्लर) और श्री संजय सेठ (छम-छम वाटर पार्क) को सामाजिक परिवर्तन हेतु सम्मानित किया गया। इमर्जिंग बिजनेस वुमन - श्रीमती सोनम सिंह झ स्टूडियो 11 फैमिली सैलून, आधुनिक और वर्ल्ड क्लास सुविधाओं हेतु। शिक्षा - डॉ. लक्ष्मी नारायण शुक्ल, श्री मनोज कुमार मोदी, श्री पंकज सिंह (मगर सुपर 30), श्री नितीश हलचल, श्री रविंद्र कुमार सिंह को शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मान मिला। एजुकेशन फॉर चेंज - श्री चंद्रकांत पाटेश्वरी (द वृक्ष संस्था) और डॉ. अमरेंद्र कुमार (फ्री ब्लाइंड स्कूल) को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। स्वास्थ्य - डॉ. दीनानाथ, डॉ. संजीत प्रकाश, डॉ. गजनफर काजी, डॉ. स्वाति, डॉ. राजेश कुमार को चिकित्सा सेवाओं हेतु सम्मानित किया गया। खेल - श्री अजय यादव (वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियन झ गोल्ड मेडल), श्री विवेक भारद्वाज (इंटरनेशनल रेफरी), कोमल कुमारी उर्फ विदुषी कश्यप, श्री राकेश अग्रवाल (अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी), श्री शैलेश कुमार (व्हीलचेयर बास्केटबॉल कप्तान, जीवन शक्ति फाउंडेशन) को सम्मान मिला। मीडिया - मीडिया क्षेत्र में अग्रदूत श्री विमलेंदुचैतन्य सहित श्री धीरज गुप्ता, श्री धीरज सिंह, श्री कमलेश कुमार सिंह, श्री कंचन सिंह, श्री कमलनयन, श्री मनोरंजन कुमार, श्री अक्षय कुमार सिंह, श्री गोपाल सिंह, श्री अब्दुल कादिर, श्री विष्णु सिन्हा को सम्मानित किया गया। विशेष श्रेणी- श्रीमती साक्षी राय, श्री राजेश कुमार, श्री अंकित कुमार, श्री सुधीर कुमार, माधव ईश्वर शंकर, श्री विक्रम प्रताप (NSP Agritech), श्री ज्योति प्रकाश सारथी (TV Mobility), डॉ. प्रिया पी. (Cosmetics) को नवाचार हेतु सम्मान मिला। मंथन - मगध यूथ आइकन अवॉर्ड 2026 ने यह सिद्ध किया कि मगध आज भी नेतृत्व, नवाचार और सामाजिक परिवर्तन की भूमि है। यह मंच आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा, दिशा और पहचान का स्थायी स्रोत बनेगा।

नहीं रहे साहित्य सम्मेलन के सबसे पुराने वयोवृद्ध कर्मी महेश प्रसाद

संवाददाता

पटना। बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में वर्ष 1975 से सेवा दे रहे सम्मेलन के सबसे पुराने और समर्पित 90 वर्षीय कर्मी महेश प्रसाद नहीं रहे । मंगलवार की संध्या चार बजे, उन्होंने सम्मेलन-परिसर स्थित अपने आवास पर अपनी अंतिम साँस ली । वे विगत डेढ़ महीने से बीमार थे। उन्हें साँस लेने में कठिनाई हो रही थी। सूचना मिलते ही सम्मेलन अध्यक्ष डॉ अनिल सुलभ अपने पदाधिकारियों कुमार अनुपम, कृष्ण रंजन सिंह तथा नन्दन कुमार मीत के साथ पहुँच कर उनका अंतिम दर्शन किया और पुष्पांजलि अर्पित की। अपने शोकोदगार में डा सुलभ ने कहा कि महेश जी सम्मेलन के सर्वाधिक विश्वस्त और समर्पित सेवी थे। उनकी आत्मा सम्मेलन में बसती थी । उनके जैसे समर्पित लोग अब नहीं होते। उनकी कमी की भरपाई कभी नहीं हो सकती ।

इस आयु में भी वे सम्मेलन का कार्य करते थे। सम्मेलन भवन की चाभियाँ उन्हीं के पास रहा करती रही है। शोक प्रकट करने वालों में सम्मेलन के उपाध्यक्ष जिया लाल आर्य, उपेन्द्रनाथ पाण्डेय , डा शंकर प्रसाद, डा मधु वर्मा, डा कल्याणी कुसुम सिंह, सम्मेलन के प्रधानमंत्री डा शिववंश पाण्डेय, अर्थ मंत्री कुमार अनुपम, प्रबंधमंत्री कृष्ण रंजन सिंह, साहित्यमंत्री भगवती प्रसाद द्विवेदी, लोकभाषा मंत्री डा पुष्पा जमुआर, प्रचारमंत्री विभा रानी श्रीवास्तव, संगठन मंत्री डा शालिनी पाण्डेय, पुस्तकालय मंत्री अशोक कुमार, कलामंत्री डा पल्लवी विश्वास, आरपी घायल, बच्चा ठाकुर, डा पूनम आनंद, श्याम बिहारी प्रभाकर, आचार्य विजय गुंजन, प्रवीर पंकज, आराधना प्रसाद, बांके बिहारी साव, डा नागेश्वर प्रसाद यादव, डा सुमेधा पाठक, शमा कौसर ''शमा'', डा अर्चना त्रिपाठी, चंदा मिश्र, डा अमरनाथ प्रसाद, डा मनोज गोवर्धनपुरी, सागरिका राय, जय प्रकाश पुजारी, डा मीना कुमारी परिहार, सिद्धेश्वर, नन्दन कुमार मीत, रूबी झा, मेनका कुमारी, डॉली कुमारी, वीरेन्द्र प्रसाद, उमेश कुमार, सुनीता देवी और राजाराम के नाम सम्मिलित हैं।

अपने पीछे वे एक मात्र पुत्र कृष्ण मोहन प्रसाद , पुत्रवधू पुष्पा देवी, पुत्री रंजू देवी, पौत्र प्रेम श्रीवास्तव , पौत्रियाँ शिखा श्रीवास्तव, दामिनी कुमारी तथा वर्षा कुमारी भारती को शोक-संतप्त छोड़ गए हैं ।

मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना के चौथे चरण के लिए 16 जनवरी से शुरू होंगे आवेदन

▶ 31 जनवरी तक होगा चौथे चरण का आवेदन ▶ तीसरे चरण की अंतिम तिथि 15 जनवरी तक ▶ आईआईएम बोधगया 121 योग्य फेलो का करेगा चयन

संवाददाता

पटना। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना (सीएमएफएस) के चौथे चरण के लिए आवेदन प्रक्रिया 16 जनवरी से शुरू हो जाएगी। इसकी अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक रहेगी। यह जानकारी आईआईएम बोधगया की निदेशक डॉ. विनीता सिंह सहाय ने मंगलवार को पटना में बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी और आईआईएम बोधगया की मंगलवार को सूचना भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। डॉ. सहाय ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से आईआईएम बोधगया योजना के लिए कुल 121 योग्य फेलोज का चयन करेगा। इसके लिए 27 नवंबर 2025 को सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी और बोधगया स्थित आईआईएम के बीच तीन वर्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है। *फेलोज को नगर निगम से लेकर मुख्यमंत्री सचिवालय में किया जाएगा संबद्ध* आईआईएम निदेशक ने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के

प्रतिभाशाली युवा विशेषज्ञों को नीति निर्माण और क्रियान्वयन से जोड़ना है। ये फेलोज सरकारी नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और राज्य के विकास को नई गति प्रदान करेंगे। फेलोशिप की अवधि दो वर्ष की होगी। चयनित 121 फेलोज को आईआईएम बोधगया में पहले 40 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके बाद दो वर्षों के लिए 1-1 फेलोज को प्रति नगर निगम, जिला समाहरणालय, प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय, सचिवालय के विभिन्न विभाग, 2 विकास आयुक्त के कार्यालय, 2 मुख्य सचिव कार्यालय, 2 उपमुख्यमंत्री कार्यालय और 4 फेलो मुख्यमंत्री सचिवालय जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यालयों में संबद्ध किए जाएंगे। 1 लाख 50 हजार तक मानदेय* चयनित फेलोज को उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर 80 हजार से 1 लाख 50 हजार रुपये तक का निश्चित मासिक मानदेय दिया जाएगा। नगर निगम, आयुक्त कार्यालय, डीएम कार्यालय और प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय में संबद्ध होने वाले फेलो को 3 वर्ष का अनुभव होना चाहिए, जिसके लिए उन्हें 80 हजार रुपए मानदेय निर्धारित किया गया है। विभिन्न विभागों में संबद्ध होने वाले फेलो को 6 वर्ष का अनुभव होना चाहिए, 1 लाख रुपये का मानदेय। विकास आयुक्त कार्यालय और मुख्य सचिव कार्यालय में संबद्ध फेलो को 8 वर्षों का अनुभव होने चाहिए, इन्हें 1 लाख 25 हजार रुपये मानदेय और उप-मुख्यमंत्री कार्यालय व मुख्यमंत्री सचिवालय के लिए 10 वर्षों का अनुभव होना चाहिए, इसके लिए 1 लाख 50 हजार रुपये का मानदेय निर्धारित किया गया है। फेलोशिप पूरी होने पर आईआईएम बोधगया से लोक नीति एवं सुशासन में पोस्ट ग्रेजुएट प्रमाण-पत्र और बिहार सरकार से कार्य अनुभव प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। *आवेदक की आयु अधिकतम 45 वर्ष* योजना के लिए केवल बिहार के मूल निवासी ही पात्र होंगे। इनकी आयु 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। उनके पास प्रबंधन, नीति, विकास अध्ययन, लोक प्रशासन, क्षेत्रीय नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी या संबद्ध विषयों में किसी प्रतिष्ठित संस्थान से स्नातकोत्तर डिग्री अनिवार्य है। वहीं कैट, जीमैट, जीआरइ, गेट, यूजीसी-नेट, सीएसआईआर-नेट में वैध स्कोर होना आवश्यक। राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईएनआई), केंद्रीय विश्वविद्यालयों व राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (एनएलयू) से स्नातकोत्तर डिग्री धारकों को प्रवेश परीक्षा स्कोर से छूट मिलेगी। राज्य सरकार के नियमों के अनुसार आरक्षण, योजनाबद्ध प्रशिक्षण और आईआईएम बोधगया की ओर से निरंतर मेंटरशिप दी जाएगी। आवेदन निशुल्क है।

दरभंगा प्रमंडल अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को लेकर हुई समीक्षा बैठक

संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा प्रमण्डलीय, आयुक्त, हिमांशु कुमार राय की अध्यक्षता में प्रमण्डलीय सभागार में प्रमंडल अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित आईसीडीएस के विभिन्न योजनाओं को लेकर प्रमण्डल स्तरीय समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन की स्थिति तथा आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका के रिक्त पदों सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। आयुक्त ने सभी जिलों के जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया सभी आंगनबाड़ी केंद्र नियमित रूप से संचालित हों। किसी भी स्थिति में आंगनबाड़ी केंद्र बंद नहीं हो, सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान में बैठने वाले लाभार्थियों तक समय पर पहुँचना सुनिश्चित करें। आयुक्त ने निर्देश दिया सभी सीडीपीओ नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान बच्चों के वजन एवं ऊँचाई की माप सुनिश्चित की जाए, निर्धारित मेनू के अनुसार समय पर पोषाहार उपलब्ध कराया जाए तथा बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही उन्होंने रोस्टर बनाकर नियमित जांच करने, एफआरएस (फेस रिकॉग्निशन सिस्टम) में प्रगति लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा केंद्रों पर आवश्यक चार्ट एवं सूचना पट्ट स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हों, ताकि अभिभावकों एवं बच्चों को किसी प्रकार की

कठिनाई न हो। समीक्षा के क्रम में यह तथ्य सामने आया आंगनबाड़ी केंद्रों पर चावल की आपूर्ति नहीं हो पाई है। गंभीरता व्यक्त करते हुए आयुक्त ने निर्देश दिया सर्वप्रथम सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को चावल की आपूर्ति सुनिश्चित करें, इस संबंध में सभी संबंधित पदाधिकारी को आपसी समन्वय के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। आयुक्त ने अंत में सभी अधिकारियों को निर्देश दिया सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्तियों तक पहुँचे। इसके लिए पूर्ण प्रतिबद्धता, समन्वय एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

अंत में आयुक्त महोदय द्वारा संवेदना प्रकट की गई। छः साल तक के बच्चों के प्रति पूरी समाज की जिम्मेदारी बनती है ना की केवल निजी। बैठक में आयुक्त सचिव सह उप निदेशक (खाद्य) सुशील कुमार मिश्रा, क्षेत्रीय विकास पदाधिकारी सह क्षेत्रीय योजना पदाधिकारी, आकाश ऐश्वर्य सहित दरभंगा प्रमण्डल के जिलों के जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) उपस्थित थे।

आईबी में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया

संवाददाता

दरभंगा (हायाघाट) सोमवार को बेनीपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रोफेसर विनय कुमार चौधरी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर बेनीपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आशापुर स्थित आईबी में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कार्यकताओं के बीच केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम में एनडीए (#NDA) के नेता एवं कार्यकताओं ने विधायक को गुलदस्ता और फूल भेंट कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

जन्मदिन समारोह के क्रम में क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर स्वागत समारोह एवं केक काटने के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी सिलसिले में आन्दपुर स्थित शैलेंद्र कुमार चौधरी के आवास पर भी कार्यक्रम हुआ, जहाँ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। इस अवसर पर बेनीपुर विधानसभा के विधायक प्रोफेसर विनय कुमार चौधरी स्वयं कार्यक्रम स्थल पर पहुँचे। उन्होंने कार्यकताओं से मुलाकात की, उनके साथ केक काटा तथा संगठन की एकजुटता और कार्यकताओं की भूमिका की सराहना की। अपने संबोधन में विधायक प्रोफेसर विनय कुमार चौधरी ने कहा— > ''कार्यकताओं का स्नेह और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। आप सभी के प्रेम और आशीर्वाद से आज का दिन और भी यादगार बन गया

है।'' उन्होंने आगे कहा— > ''बेनीपुर विधानसभा क्षेत्र के विकास और संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए हम सभी मिलकर निरंतर कार्य करते रहेंगे।'' कार्यक्रम के अंत में विधायक ने उपस्थित सभी नेताओं, कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों के प्रति आत्मीय आभार व्यक्त किया। पूरे कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रहा। यह आयोजन क्षेत्र में संगठन की मजबूती और आपसी समन्वय का प्रतीक बना। इस अवसर पर शैलेंद्र कुमार चौधरी, अभिषेक कुमार, राम नरेश चौधरी, परमानंद झा, गौतम चौधरी, पंकज कुमार, शिवम कुमार, जयनाथ लाल देव (बैजू), अमलेश चौधरी, महानंद चौधरी, अशोक चौधरी, प्रवीण कुमार झा, घनश्याम चौधरी, घनश्याम झा सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

नगर पुलिस अधीक्षक, दरभंगा, अशोक कुमार के द्वारा की गई जनसुनवाई

संवाददाता

दरभंगा। नगर पुलिस अधीक्षक, दरभंगा द्वारा प्रत्येक कार्य दिवस पर आम लोगों की समस्या की सुनवाई की जाती है इसी क्रम में मंगलवार -13.01.2026 को कोतवाली थाना-01, भालपट्टी थाना-01, सदर थाना-01, विशनपुर थाना-01, जाले थाना 01, मोरो थाना-01 एवं सिंहवाड़ा थाना-02 कुल-08 आवेदकों के द्वारा आवेदन पत्र समक्ष में प्रस्तुत किया गया जिसे गंभीरता से सुना गया तथा कई शिकायतो का मौके पर निराकरण कराया गया।

शेष आवेदन पत्र में वैधानिक कार्यवाही हेतु थानाध्यक्ष को निर्देशित किया गया।

23 फरवरी को होने वाले कॉलेज स्थापना दिवस में एल्यूमिनी एसोसिएशन की सक्रिय सहभागिता पर चर्चा के बाद निर्णय लिया

संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा मेडिकल कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन की एक बैठक अध्यक्ष डॉ. रमण कुमार वर्मा के अस्वस्थता के कारण उनकी अनुपस्थिति में सेक्रेटरी डॉ. सुशील कुमार एवं कोषाध्यक्ष डॉ. खुर्शीद दुरार्नी के संचालन में डॉ. सुशील कुमार के निवास पर आयोजित की गई। जिसमें डॉ. अशोक कुमार गुप्ता, डॉ. सावित्री मिश्रा ओझा, डॉ. वीणा राय, डॉ. कुमुदिनी झा, डॉ. पूजा महासेठ, डॉ. मधु सिंहा, डॉ. सुजाता राय, डॉ. ओम प्रकाश, डॉ. आसिफ शाहनवाज, डॉ. एस बी गुप्ता, डॉ. गौरी शंकर झा, डॉ. मिहिर चंद्रा, डॉ. विनयानंद झा, डॉ. आशुतोष प्रसाद डॉ. राजेश द्विवेदी, डॉ.

रामप्रकाश दिवाकर, डॉ. हरि दामोदर सिंह एवं डॉ. त्रिलोक कुमार शामिल हुए।

बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया दरभंगा चिकित्सा महाविद्यालय के सारे पूर्ववर्ती छात्रों की एक डेटाबेस तैयार की जाए, जिससे आपसी संपर्क जारी रखा जा सके। डॉ. सुशील कुमार ने कहा अगर दरभंगा मेडिकल कॉलेज के दो पूर्ववर्ती छात्र कहीं मिले तो वह आपस में एक एल्यूमिनी की तरह भी मिले।

डेटाबेस तैयार करने में डॉक्टर हरी दामोदर सिंह ने सक्रिय भूमिका अदा करने की सहमति दी। डॉ. भोला प्रियदर्शी ने उनका सहयोग करने का आश्वासन दिया। डॉ. ओम प्रकाश ने कहा कि एक्चुअल और वर्चुअल दोनों पद्धतियों से आपस में मुलाकात जारी रखा जाए।

पिछले दिनों दरभंगा मेडिकल कॉलेज में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं पर चर्चा हुई, परंतु आम सहमति के अभाव में दरभंगा मेडिकल कॉलेज एलुमनी एसोसिएशन की मध्यस्थता करने का प्रस्ताव नहीं पास हो सका। 23 फरवरी को होने वाले कॉलेज स्थापना दिवस में एल्यूमिनी एसोसिएशन की सक्रिय सहभागिता पर चर्चा के बाद निर्णय लिया गया।

संक्षिप्त खबरें

एक बार फिर शर्मसार हुआ बांग्लादेश

अधिकारी के झूठ का आईसीसी ने किया पदार्फाश

ढाका/नई दिल्ली, (एजेंसी): बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अपनी ही रणनीति में उलझता हुआ नजर आ रहा है। एक बार फिर उसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने सोमवार को दावा किया कि आईसीसी ने टी-20 विश्व कप के लिए भारत यात्रा को लेकर उनके देश की सुरक्षा चिंताओं को स्वीकार किया है, लेकिन क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने इस दावे को पूरी तरह झूठ करार दिया।

बांग्लादेश ने सात फरवरी से शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए भारत दौरे को लेकर अनिच्छा जताई है और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अपने मैच सहमेजबान श्रीलंका में कराने की मांग की है। यह मामला तब उठा जब तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर आईपीएल से रिलीज किया गया। जिसमें अस्पष्ट परिस्थितियों का हवाला दिया गया था। ढाका में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान नजरुल ने कहा कि मैं आपको बताना चाहता हूं कि आईसीसी की सुरक्षा टीम और सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने बीसीबी को एक पत्र भेजा है। उस पत्र में कहा गया है कि तीन बातें बांग्लादेश टीम के लिए सुरक्षा खतरे को बढ़ा सकती हैं। पहली, अगर मुस्तफिजुर को बांग्लादेश टीम में शामिल किया जाता है। दूसरी, अगर बांग्लादेश के समर्थक राष्ट्रीय जर्सी पहनकर घूमते हैं। और तीसरी, जैसे-जैसे बांग्लादेश चुनाव नजदीक आएंगे, टीम के लिए सुरक्षा खतरा बढ़ेगा।

हालांकि, आईसीसी ने बीसीबी से संपर्क होने की बात स्वीकार की, लेकिन नजरुल के इस दावे को खारिज कर दिया कि वैश्विक संस्था ने बांग्लादेश की बताई गई चिंताओं को स्वीकार किया है। आईसीसी के एक सूत्र ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा किए गए आईसीसी के स्वतंत्र जोखिम आकलन इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचते हैं कि बांग्लादेश भारत में अपने निर्धारित मैच नहीं खेल सकता। भारत में टूर्नामेंट के लिए समग्र सुरक्षा जोखिम को कम से मध्यम आंका गया है, जो विश्व स्तर के कई बड़े खेल आयोजनों के अनुरूप है। इन आकलनों में भारत में बांग्लादेश टीम, टीम अधिकारियों या मैच स्थलों के लिए किसी भी प्रकार के विशिष्ट या प्रत्यक्ष खतरे की पहचान नहीं की गई है। पेशेवर सलाह के आधार पर कोलकाता और मुंबई में बांग्लादेश के निर्धारित मुकाबलों से जुड़ा जोखिम कम से मध्यम आंका गया है और ऐसा कोई संकेत नहीं है कि इन जोखिमों को स्थापित सुरक्षा योजना और शमन उपायों के जरिए प्रभावी ढंग से प्रबंधित नहीं किया जा सकता।

वॉशिंगटन सुंदर के साथ नाइंसाफी, पूर्व भारतीय दिग्गज ने कोच गंभीर और टीम मैनेजमेंट को घेरा; गिल का भी किया ज़िक्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय टीम ने वडोदरा में खेले गए पहले वनडे मैच में न्यूजीलैंड पर 4 विकेट से शानदार जीत भले ही दर्ज की हो, लेकिन इस मैच के बाद टीम मैनेजमेंट का एक फैसला चर्चा का विषय बन गया है। इंजर्ड वॉशिंगटन सुंदर को पहले वनडे में बैटिंग के लिए भेजने के फैसले पर पूर्व भारतीय बैटर मोहम्मद कैफ ने सवाल उठाते हुए कोच गौतम गंभीर और टीम मैनेजमेंट पर सवाल उठाए कि उन्होंने खिलाड़ी की चोट को प्राथमिकता नहीं दी। दरअसल, न्यूजीलैंड के द्वारा मिले 301 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को आखिरी ओवरों में संयम और समझदारी की जरूरत थी। केएल राहुल एक छोर पर टिके हुए थे, लेकिन दूसरे छोर से विकेट गिरने के बाद चोटिल वॉशिंगटन सुंदर को मैदान में बैटिंग के लिए उतरना पड़ा।

सुंदर ने 7 गेंदों पर नाबाद 7 रन बनाए और भारत ने मुकाबला जीत लिया। हालांकि, मैच खत्म होते ही सुंदर इंजरी के चलते शेष सीरीज से बाहर हो गए और उनकी जगह आयुष बडोनी को टीम में शामिल किया गया। यहीं से इस फैसले की गंभीरता पर सवाल उठने लगे। मोहम्मद कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस फैसले की आलोचना करते हुए शुभमन गिल का उदाहरण दिया। कैफ ने याद दिलाया कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में गिल चोटिल होने के बावजूद बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे थे, जबकि उस मैच में कुछ अहम रन भारत को जीत दिला सकते थे। तब टीम मैनेजमेंट ने खिलाड़ी की फिटनेस को प्राथमिकता दी थी ताकि चोट न बढ़े। कैफ के मुताबिक सुंदर के मामले में वही सतर्कता नहीं दिखाई गई।

सुपर कप जीत के बाद जोआन लार्पोता ने बार्सिलोना के भविष्य, कोच और चुनावों पर क्या कहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। स्पेनिश सुपर कप जीतने के बाद बार्सिलोना के भीतर आत्मविश्वास साफ नजर आ रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, लापोर्ता ने सबसे पहले मुख्य कोच हांसी फ्लिक की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा है कि फ्लिक ने बहुत कम समय में टीम के साथ गहरा जुड़ाव बना लिया है और खिलाड़ियों से बेहतरीन प्रदर्शन निकलवाया है। लापोर्ता का मानना है कि फ्लिक का बार्सिलोना के साथ रिश्ता सिर्फ अनुबंध का नहीं, बल्कि दिल से जुड़ा हुआ है, इसलिए वह चाहते हैं कि कोच लंबे समय तक क्लब के साथ बने रहें।

बता दें कि फ्लिक का मौजूदा करार 2027 तक है और क्लब इसे एक साल और बढ़ाने पर विचार कर रहा है। लापोर्ता ने प्रशंसकों से संयम रखने की अपील करते हुए कहा है कि कोच को लेकर कोई अस्थिरता नहीं है और भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इसी बातचीत में लापोर्ता ने विंगर राफिन्हा की भी खुलकर तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि कुछ खिलाड़ियों को खुद को साबित करने में समय लगता है और राफिन्हा इसका अच्छा उदाहरण हैं। प्रीमियर लीग से आने के बाद उनका शुरूआती दौर सामान्य रहा, लेकिन बीते डेढ़ साल में उन्होंने खुद को पूरी तरह बदल लिया है। लापोर्ता ने कहा सुपर कप फाइनल में मैन ऑफ द मैच बनना उनके आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को दिखाता है। ट्रांसफर विंडो को लेकर भी अध्यक्ष ने स्थिति साफ की है। गौरतलब है कि गोलकीपर मार्क-अंद्रे टेर स्टेगन के भविष्य को लेकर अटकलें चल रही हैं। लापोर्ता ने स्पष्ट किया है कि टेर स्टेगन का क्लब के साथ अनुबंध है और अगर वह खुश हैं और रुकना चाहते हैं, तो क्लब की ओर से कोई बाधा नहीं है।

विराट कोहली ने रचा इतिहास, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बने दूसरे सबसे बड़े रन-स्कोरर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में 93 रनों की मैच जिताऊ पारी खेलते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक बड़ा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है। इस पारी के साथ कोहली सभी फॉर्मेट मिलाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार कोहली ने इस दौरान श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम 28,016 अंतरराष्ट्रीय रन दर्ज हैं। अब इस सूची में कोहली से आगे केवल महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं, जिनके नाम 34,357 रन दर्ज हैं। कोहली ने 2008 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे डेब्यू करने के बाद अब तक टेस्ट, वनडे और टी20 क्रिकेट में कुल 28,068 रन बनाए हैं। गौरतलब है कि वडोदरा में खेले गए इस मुकाबले में भारत को जीत के लिए 301 रनों का लक्ष्य मिला था। कोहली की 91 गेंदों में खेली गई 93 रनों की पारी की बदौलत टीम इंडिया ने चार विकेट और छह गेंद शेष रहते यह लक्ष्य हासिल कर लिया और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

एलिसा हीली का चौंकाने वाला रिटायरमेंट

टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारत के खिलाफ खेलेगी आखिरी सीरीज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने क्रिकेट से संन्यास लेने की चौंकाने वाली घोषणा कर दी है, जिससे उनके शानदार करियर का अंत हो जाएगा। हीली फरवरी-मार्च 2026 में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हीली ने पॉडकास्ट 'विलॉ टॉक' पर कहा कि यह फैसला काफी समय से लंबित था। पिछले कुछ साल शायद मानसिक रूप से सबसे ज्यादा थकाने वाले रहे हैं। कई चोटें लगीं। मुझे फिर से क्रिकेट में उतरना पड़ा, और अब उसमें पानी कम होता जा रहा है। दोबारा उतरना मुश्किल होता जा रहा है।

एलिसा हीली ने कहा कि मुझे हमेशा से लगता रहा है कि मुझमें प्रतिस्पर्धा की भावना है - मैं प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं, जीतना चाहती हूं और मैदान पर खुद को चुनौती देना चाहती हूं। उम्र बढ़ने के

साथ-साथ मुझे लगता है कि मैंने यह भावना पूरी तरह से तो नहीं खोई है, लेकिन कुछ हद तक खो दी है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पिछले साल की डब्ल्यूबीबीएल मेरे लिए एक तरह से वेक-अप कॉल थी। दोनों हाथों से बल्ले को न पकड़ पाना भी मददगार नहीं था, लेकिन जागकर यह सोचना कि 'क्रिकेट का एक और दिन', वास्तव में मुझे आश्चर्यचकित कर दिया क्योंकि मुझे अब भी लगता था कि मुझे यह खेल खेलना बहुत पसंद है। इस बीच, भारत फरवरी-मार्च में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा, जिसमें तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, तीन वनडे मैच और एक टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। हीली टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में नहीं खेलेंगी, लेकिन वनडे और वाका में खेले जाने वाले टेस्ट मैच में खेलकर अपने करियर का अंत करेंगी, जिसके दौरान उन्होंने आठ बार विश्व चैंपियन का खिताब जीता।

टी20 विश्व कप 2026 जून में इंग्लैंड में खेला जाएगा, और चूंकि हीली इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगी, इसलिए वह भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भी नहीं खेलेंगी। हीली ने कहा, "विश्व कप से पहले [भारत के खिलाफ] उस सीरीज में कुछ बदलाव हो सकते हैं, और नेतृत्व को लेकर भी कुछ बातें हो सकती हैं। लेकिन मेरे लिए, घर पर खेलने का मौका, और उस सीरीज में टीम की कप्तानी करना वाकई खास होगा।"

टी20 वर्ल्ड कप 2026 पर बड़ा विवाद

भारत में नहीं खेलने पर अड़ा बांग्लादेश, आईसीसी से बातचीत बेनतीजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बीच मंगलवार दोपहर को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की भागीदारी पर चर्चा की गई। बीसीबी की ओर से अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम, उपाध्यक्ष शाकावत हुसैन और फारूक अहमद, निदेशक और क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष नजमुल आबेदीन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी निजाम उद्दीन चौधरी उपस्थित थे। चर्चा के दौरान, बीसीबी ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत यात्रा न करने के अपने निर्णय की पुष्टि की। बोर्ड ने आईसीसी से बांग्लादेश के मैचों को भारत से बाहर स्थानांतरित करने पर विचार करने का अपना अनुरोध भी दोहराया। आईसीसी ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा पहले ही हो चुकी है और बीसीबी से अपने रुख पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है, लेकिन बोर्ड का रुख अपरिवर्तित है। दोनों पक्षों ने संभावित समाधान तलाशने के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई है। बीसीबी का कहना है कि वह अपने खिलाड़ियों, अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा

सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस मामले को सुलझाने के लिए आईसीसी के साथ रचनात्मक रूप से बातचीत कर रही है। इससे पहले, बांग्लादेश के युवा और खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने दावा किया था कि भारत में टी20 विश्व कप (WC) खेलने का माहौल नहीं है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की सुरक्षा टीम के एक पत्र का हवाला दिया था। यह जानकारी सोमवार को सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने दी। आईसीसी सूत्रों ने सोमवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा किए गए स्वतंत्र जोखिम आकलन से यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि बांग्लादेश भारत में अपने निर्धारित टी20 विश्व कप मैच नहीं खेल सकता। सूत्रों ने बताया कि भारत में टूर्नामेंट के लिए समग्र सुरक्षा जोखिम को कम से मध्यम स्तर का आंका गया है, जो कई प्रमुख वैश्विक खेल आयोजनों के अनुरूप है।

सोमवार को बांग्लादेश फुटबॉल महासंघ (बीएफएफ) भवन में मीडिया से बात करते हुए आसिफ नजरुल ने कहा कि सुरक्षा टीम के पत्र में भारत में बांग्लादेश के खेलने से संबंधित सुरक्षा जोखिमों के तीन मुद्दों का उल्लेख किया गया है।

राजकोट में बवाल कटना तय, न्यूजीलैंड के लिए वापसी होगी मुश्किल; पिच बनेगी कारण!

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मैच बुधवार को राजकोट में खेला जाना है। इस मैच में न्यूजीलैंड की कोशिश सीरीज में बराबरी करने की होगी। वडोदार में खेले गए पहले मैच में भारत को जीत मिली थी और इसी के साथ उसने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है, लेकिन न्यूजीलैंड की कोशिशों पर राजकोट की पिच पानी फेर सकती है। भारत ने पहले मैच में चार विकेट से जीत हासिल की थी। इस मैच में विराट कोहली शतक बनाने से चूक गए थे। न्यूजीलैंड ने आखिरी ओवरों में वापसी कर भारत को परेशान करने की कोशिश की थी, लेकिन इसमें सफल नहीं रही थी।

केएल राहुल ने आखिरी तक नाबाद रहते हुए टीम को जीत दिलाई थी। अब अगला मैच राजकोट के निरंजन शाह क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है और एक बार फिर सभी की नजरें यहां की पिच पर हैं। राजकोट की पिच कैसी होगी ये सवाल सभी के मन है क्योंकि क्रिकेट में पिच का व्यवहार काफी मायने रखता है। इसी को देखते हुए टीमें अपनी प्लेइंग-11 चुनती है।

टी20 वर्ल्ड कप-2026 के लिए नीदरलैंड्स ने किया टीम का एलान

साउथ अफ्रीका के लिए खेल चुके खिलाड़ी को दी टीम में जगह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नीदरलैंड्स ने अगले महीने भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेले जाने वाले टी20 वर्ल्ड कप-2026 के लिए अपनी टीम का एलान कर दिया है। सेलेक्टर्स ने इस टीम में काफी बदलाव किए हैं और कुछ खिलाड़ियों को वापस बुलाया है। टीम ने पिछले साल अगस्त में जो अपनी आखिरी टी20 सीरीज बांग्लादेश के खिलाफ खेली थी उसकी तुलना में टीम में काफी बदलाव हुए हैं।

साउथ अफ्रीका के लिए खेल चुके और अब नीदरलैंड्स में अपनी सेवाएं दे रहे रोल्फ वान डर मार्वे की टीम में वापसी हुई है। उनके अलावा बास डी लीड, मिचेल लेविट और जाक लॉयन सैशे को भी टीम में वापस बुलाया गया है। इन सभी ने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप यूरोप रीजन के फाइनल में टीम का प्रतिनिधित्व किया था। ये टूर्नामेंट टीम के बांग्लादेश दौरे से पहले हुआ था।

कोलिन एकरमैन की भी टीम में वापसी हुई है। उन्होंने टीम के लिए अपना आखिरी टी20 मैच

नवंबर-2024 में खेला था। विटालिटी ब्लास्ट-2025 में उन्होंने 14 मैचों में 304 रन बनाए थे। 34 साल के टिम वान डर गुगटेन की भी टी20 टीम में वापसी हुई है। वह 2024 के बाद पहली बार टीम में लौटे हैं। वह भी ब्लास्ट टूर्नामेंट में खेले थे और 10 मैचों में छह विकेट लेने में सफल रहे थे। जुलाई 2024 में टीम के लिए अपना आखिरी मैच खेलने वाले लोगन वान बीक की भी टीम में वापसी हुई है। टीम की कमान एक बार फिर स्कॉट एडवर्ड्स के हाथों में होगी। नीदरलैंड्स की टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इस टीम में उलटफेर का दम है और ये कई बार उलटफेर कर भी चुकी है। नीदरलैंड्स को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, नामीबिया, अमेरिका और भारत के साथ रखा गया है। ये टीम अपना पहला मैच सात फरवरी को कोलंबों में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। 10 फरवरी को दिल्ली में उसका सामना नामीबिया से होगा। अमेरिका से 13 फरवरी को चेन्नई में उसे मुकाबला खेलना है। भारत के खिलाफ ये टीम 18 फरवरी को अहमदाबाद में उतरेगी। टी20 वर्ल्ड कप के लिए नीदरलैंड्स की टीमः स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान और विकेटकीपर), नोह क्रोस (विकेटकीपर), मैक्स ओ दाउद, साकिब जुल्फीकार, आर्यन दत्त, काइल क्लेन, पॉल वान मीकेरेन, फ्रेड क्लासेन, कोलिन एकरमैन, बास डे लीड, मिचेल लेविट, जाक लियान सैसे, लोगान वान बीक, रोल्फ वान डर मर्वे, टिम वान डर गुगटेन।

बीसीसीआई मामले के आदेश में संशोधन के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे अनुराग ठाकुर, दो सप्ताह बाद होगी याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर पहले के एक आदेश में बदलाव की मांग की है। इस आदेश में उन्हें क्रिकेट बोर्ड के मामलों से जुड़े रहने से रोकने का निर्देश दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआइ) सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जायमाल्या बागची की पीठ ने अनुराग की याचिका पर दो सप्ताह बाद सुनवाई करने पर सहमति जताई। अनुराग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पीएस पटवालिया ने पीठ को बताया कि दो जनवरी 2017 को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि अनुराग ठाकुर तत्काल प्रभाव से बीसीसीआई के कामकाज से खुद को अलग रखें और उनके विरुद्ध अवमानना तथा झूठी गवाही (परजरी) की कार्यवाही भी शुरू

की गई थी।

पटवालिया ने कहा कि यह आदेश मुझे सुने बिना पारित किया गया था। हालांकि, बाद में इस न्यायालय ने अवमानना और परजरी की कार्यवाही को समाप्त कर दिया। अब मैं चाहता हूं कि सीज एंड डिसिस्ट (कार्य से दूर रहने) संबंधी निर्देश में संशोधन किया जाए। पीठ ने पटवालिया से कहा कि इस मामले की सुनवाई दो सप्ताह बाद की जाएगी, जबकि बीसीसीआई से जुड़े अन्य सभी याचिकाओं और आवेदनों पर तीन सप्ताह बाद विचार किया जाएगा।

टीम इंडिया को लगा बड़ा झटका चोटिल वॉशिंगटन सुंदर पूरी सीरीज से बाहर, आयुष बडोनी को बुलावा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वडोदरा में खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले के दौरान भारतीय ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर चोटिल हो गए, जिसके चलते उन्हें पूरी वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया है। मौजूद जानकारी के अनुसार सुंदर को बाएं निचले पसली क्षेत्र में चोट लगी है, जिसके बाद मेडिकल टीम ने उन्हें आराम की सलाह दी है। बीसीसीआई की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि गेंदबाजी के दौरान सुंदर को अचानक दर्द महसूस हुआ, जिसके बाद वह न्यूजीलैंड की पारी के बीच मैदान छोड़कर बाहर चले गए थे। वह इसके बाद फील्डिंग के लिए दोबारा मैदान पर नहीं लौट सके थे। हालांकि गौरतलब है कि असहजता के बावजूद वह भारतीय पारी में नंबर आठ पर बल्लेबाजी करने उतरे और टीम की जीत में योगदान दिया है। भारत ने यह मुकाबला चार विकेट से अपने नाम किया है। गौरतलब है कि 26 वर्षीय आयुष

बडोनी घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। उन्होंने अब तक 27 लिस्ट-ए मुकाबलों में 36.47 की औसत से रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं।

हालांकि उन्हें मुख्य रूप से बल्लेबाज के तौर पर जाना जाता है, लेकिन हाल के समय में उन्होंने निचले क्रम में बल्लेबाजी और ऑफस्पिन गेंदबाजी पर भी काम किया है। मौजूद आंकड़ों के अनुसार विजय हजारे ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में दिल्ली की ओर से खेलते हुए बडोनी ने तीन पारियों में 22 ओवर गेंदबाजी की है और चार विकेट झटके हैं।

आईपीएल 2026 में मुस्तफिजुर पर सवाल, रिपोर्टर पर बुरी तरह बिफरे मोहम्मद नबी, कहा- मुझसे क्या मतलब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दौरान मीडिया से बातचीत करते समय अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद नबी ने एक पत्रकार के सवाल पर आपत्ति जताई। नबी स्पष्ट रूप से नाराज थे और उन्होंने पत्रकार को बेतुका सवाल पूछने के लिए फटकार लगाई। पत्रकार ने आगामी सीजन से पहले आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर किए जाने को लेकर चल रहे विवाद पर नबी की प्रतिक्रिया जानना चाहा था।

बांग्लादेश के साथ चल रहे तनाव के बीच, आईपीएल 2026 में मुस्तफिजुर की संभावित भागीदारी को लेकर जनता में आक्रोश फैल गया था, जिसके बाद बीसीसीआई ने केकेआर को क्रिकेटर को टीम से बाहर करने का निर्देश दिया था।

स्पेनिश सुपर कप फाइनल के बाद एम्बाप्पे का इशारा चर्चा में, बार्सिलोना अध्यक्ष की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। स्पेनिश सुपर कप फाइनल के बाद किलियन एम्बाप्पे ने अपने रियल मैड्रिड के साथियों से मैदान छोड़ने को कहा, ताकि उन्हें एफसी बार्सिलोना के खिलाड़ियों को गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए ट्रॉफी उठाते न देखना पड़े। यह इशारा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और फुटबॉल जगत में इसे लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई। गौरतलब है कि यह घटना स्पेनिश सुपर कप फाइनल के तुरंत बाद की है, जहां बार्सिलोना ने खिताब अपने नाम किया है। मौजूद जानकारी के अनुसार,

एम्बाप्पे का यह कदम न सिर्फ विरोधी खेमे में बल्कि रियल मैड्रिड के भीतर भी कुछ लोगों को पसंद नहीं आया। इस पूरे मामले पर बार्सिलोना के अध्यक्ष जोआन लापोर्ता ने खुलकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक रेडियो इंटरव्यू में कहा है कि एम्बाप्पे का व्यवहार उन्हें हैरान करने वाला लगा है। लापोर्ता के मुताबिक, जीत और हार दोनों ही स्थितियों में खिलाड़ियों को उदारता और सम्मान दिखाना चाहिए हैं।

उन्होंने यह भी कहा है कि खेल का मूल भाव यही है कि सामान्य और सम्मानजनक तरीके से व्यवहार किया जाए। लापोर्ता ने यह भी स्पष्ट किया है कि बार्सिलोना ने जीत के बाद विरोधी टीम के प्रति सम्मान दिखाया है, इसी वजह से उन्हें एम्बाप्पे की प्रतिक्रिया समझ में नहीं आई। हालांकि उन्होंने यह स्वीकार किया है कि हाल के एल क्लासिको मुकाबलों के चलते दोनों टीमों के बीच माहौल पहले से ही तनावपूर्ण बना हुआ है। गौरतलब है कि हाल ही में लीग मैच के दौरान भी दोनों टीमों के बीच भावनाएं काफी उफान पर थीं, जिसका असर इस फाइनल में भी दिखा है।

लापोर्ता ने कहा है कि उन्होंने एम्बाप्पे का इशारा सीधे नहीं देखा, लेकिन वह यह समझते हैं कि हार के उस पल में रियल मैड्रिड के खिलाड़ी मानसिक रूप से काफी आहत रहे होंगे और उसी भावावेश में ऐसी प्रतिक्रिया सामने आई है। बार्सिलोना अध्यक्ष के अनुसार, मैदान पर खेल के दौरान जो अंतर दिखा, वही रियल मैड्रिड की निराशा की बड़ी वजह रहा। उनका मानना है कि मैच के दौरान ही यह साफ हो गया था कि बार्सिलोना की पकड़ मजबूत है और जीत की संभावनाएं ज्यादा हैं, जिसे स्वीकार करना विरोधी टीम के लिए कठिन रहा है।

डब्ल्यूपीएल फैंस को लगा बड़ा झटका!

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नवी मुंबई नगर निगम चुनाव के चलते 15 जनवरी को डी वाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में होने वाली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दर्शकों के बिना खेले जाने की संभावना है। ESPNcricinfo के अनुसार, पुलिस ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सूचित किया है कि डब्ल्यूपीएल और चुनाव के बीच होने वाले टकराव के दिन क्रिकेट के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करना संभव नहीं होगा। मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस का मुकाबला 15 जनवरी को यूपी वॉरियर्स से होगा। यह अभी भी अनिश्चित है कि 14 और 16 जनवरी को होने वाले मैच भी दर्शकों के बिना खेले जाएंगे या नहीं। डब्ल्यूपीएल के आधिकारिक ऑनलाइन टिकट प्लेटफॉर्म पर 14, 15 और 16 जनवरी के मैचों के टिकट उपलब्ध नहीं हैं, जिससे संभवतः निम्नलिखित मैच प्रभावित होंगेः 14 जनवरी को दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स, 15 जनवरी को मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स और 16 जनवरी को गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु।

शिखर धवन ने सोफी शाइन के साथ की सगाई

कौन हैं 'गब्बर' की नई जीवनसाथी, जानें सगाई से जुड़ी हर एक बात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार शिखर धवन ने सोमवार को अपनी लॉन्ग-टाइम गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से सगाई की पुष्टि की। धवन ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, "मुस्कुराहट से लेकर सपनों तक। हमारी सगाई के लिए मिले प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए आभारी हैं, क्योंकि हमने हमेशा साथ रहने का फैसला किया है - शिखर और सोफी।" इस पोस्ट में दोनों की सगाई की अंगूठी पहने हुए एक तस्वीर थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, धवन फरवरी में सोफी शाइन से शादी करने वाले हैं। यह समारोह फरवरी के तीसरे हफ्ते में दिल्ली-एनसीआर में होने की संभावना है, जिसमें क्रिकेट जगत और बॉलीवुड की बड़ी हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है।

भव्य समारोह की तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं, हालांकि अभी तक कोई और जानकारी सामने नहीं आई है। शिखर धवन की मंगेतर सोफी शाइन आयरलैंड की रहने वाली हैं और एक मशहूर सोशल मीडिया पर्सनैलिटी हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 348,000 से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। यह इन्फ्लुएंसर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइफस्टाइल और ट्रैवल से जुड़े पोस्ट शेयर करती हैं। उनके इंस्टाग्राम फीड पर धवन के साथ कई तस्वीरें हैं। उन्होंने अपने प्रोफाइल के बायो में अपनी लोकेशन बदलकर भारत कर ली है। इससे पहले, शिखर की शादी आयशा मुखर्जी से हुई थी और उनका एक बेटा है जिसका नाम जोरावर है।

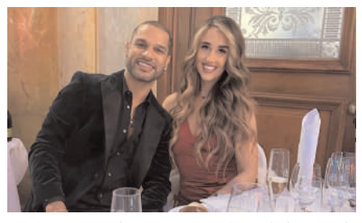

अक्टूबर 2023 में, आठ साल की शादी के बाद वे अलग हो गए। अलगाव के दौरान, दिल्ली फैमिली कोर्ट ने धवन को क्रूरता के आधार पर तलाक का आदेश दिया। शादी खत्म होने के बाद से वह दो साल से अपने बेटे जोरावर से व्यक्तिगत रूप से नहीं मिल पाए हैं। उन्होंने अठक को दिए एक इंटरव्यू में अपने बेटे जोरावर के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बात की। धवन ने बताया कि 39 साल के होने के बाद से उन्होंने अपने छोटे बेटे से एक साल से बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने बेटे जोरावर को दो साल से नहीं देखा है।

उन्होंने स्वीकार किया कि यह मुश्किल है, लेकिन इंसान इसके साथ जीना सीख जाता है। अगस्त 2024 में, शिखर धवन ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया। उन्होंने 2013 में भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड मिला था।

संक्षिप्त खबरें

तालिबान-भारत की बैठक, वीजा पर ऐलान, अब जमकर होगा व्यापार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान से बिगड़ते रिश्तों को देखते हुए तालिबान भारत का साथ चाहता है और भारत भी अफगानिस्तान के लोगों के लिए हर बड़ा कदम उठाने के लिए तैयार है। आज भारत अफगान रिश्ते कितने मजबूत हो चुके हैं। दरअसल राजधानी दिल्ली में स्थित अफगान दूतावास के नए प्रभारी मुफ्ती नूर अहमद नूर ने विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी आनंद प्रकाश के साथ एक बड़ी बैठक की और यह जो तस्वीर आप देख रहे हैं, यह उसी वक्त की है। यह मुलाकात इसलिए खास है क्योंकि अगस्त 2021 में काबुल की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद नूर अहमद नूर भारत में नियुक्त होने वाले पहले तालिबान के वरिष्ठ अधिकारी अफगान दूतावास ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बैठक की पूरी जानकारी शेयर की है।

दूतावास के मुताबिक मुफ्ती नूर अहमद नूर और विदेश मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश के बीच व्यापार को बढ़ाने और वीजा प्रक्रियाओं को आसान बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। दूदावास ने साफ कहा है कि दोनों पक्षों ने भारत और अफगानिस्तान के बीच राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया है। इस बैठक का एजेंडा सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं था। इसमें भारत में रह रहे अफगान व्यापारियों, वहां से आए छात्रों और आम नागरिकों को आ रही परेशानियों को दूर करने पर भी बात हुई। हालांकि भारत ने अब तक तालिबान शासन को आधिकारिक मान्यता नहीं दी लेकिन मानवीय मदद और रणनीतिक जुड़ाव के जरिए भारत ने अफगानिस्तान के लोगों का दिल जीत रखा। एक तरफ जहां पाकिस्तान और तालिबान के बीच सीमा विवाद और सुरक्षा को लेकर तलवारें खींची हुई, वहीं भारत का तालिबान की तरफ हाथ बढ़ाना पाकिस्तान के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं। अफगानिस्तान को पता है कि विकास और व्यापार के लिए भारत से बेहतर कोई साझेदार नहीं हो सकता। वहीं भारत भी चाहार और मध्य एशिया तक पहुंच के लिए अफगानिस्तान के साथ मजबूत रिश्तों को जरूरी मानता है। और जिस तरह से पिछले कुछ महीनों में लगातार अफगानिस्तान के मंत्रियों की बैठक भारत में लगी है। यह सबसे बड़ा झटका पाकिस्तान के लिए होगा। पाकिस्तान से बिगड़ते रिश्तों के बीच काबुल का दिल्ली की ओर यह झुकाव दक्षिण एशिया की जिओ पॉलिटिक्स में एक नई इमारत लिखने जा रहा है।

अकासा एयर की पुणे-बेंगलुरु उड़ान में आई तकनीकी खराबी, यात्रियों को विमान से उतारा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पुणे से बेंगलुरु जा रही अकासा एयर की एक फ्लाइट में सवार यात्रियों को मंगलवार को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा, जब आखिरी क्षण में तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद उन्हें विमान से उतरने के लिए कहा गया। यात्री बोइंग 737 मैक्स में अपनी सीटों पर बैठ चुके थे और लगभग डेढ़ घंटे तक केबिन में ही रहे, जिसके बाद क्रू ने घोषणा की कि सभी को विमान से उतरना होगा। सुबह 8.50 बजे उड़ान भरने वाली इस फ्लाइट में करीब 8.10 बजे से यात्रियों के चढ़ने-उतरने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। एक यात्री के अनुसार, विमान लगभग उड़ान भरने के लिए तैयार था, तभी अचानक एक तकनीकी खराबी की सूचना मिली। यात्री ने बताया, 13 जनवरी को पुणे से बेंगलुरु जाने वाली अकासा एयर की फ्लाइट (क्यूपी1312) पुणे हवाई अड्डे पर रुकी हुई है। यात्री विमान में सवार हो चुके थे और उड़ान भरने के लिए तैयार ही थी कि आखिरी समय में विमान में कुछ तकनीकी खराबी की सूचना मिली। बाद में सभी यात्रियों को विमान से उतार दिया गया। यात्रियों के अनुसार, एयरलाइन ने अभी तक संशोधित प्रस्थान समय की घोषणा नहीं की है। कई यात्री टर्मिनल के अंदर ही फंसे रहे क्योंकि उन्हें यह स्पष्ट नहीं था कि विमान कब तैयार होगा। गौरतलब है कि अकासा एयर पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय विमानन संगठन इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) की सदस्य बनी। आईएटीए 360 से अधिक एयरलाइनों का प्रतिनिधित्व करता है, जिनमें भारतीय एयरलाइनें एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और स्पाइसजेट शामिल हैं। शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति में अकासा एयर ने बताया कि आईएटीए की सदस्यता के लिए अनिवार्य परिचालन सुरक्षा ऑडिट (आईओएसए) पूरा करने के बाद वह आईएटीए की सदस्य बनी है। आईएटीए के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शेल्डन ही ने कहा हम अकासा एयर को आईएटीए के सदस्य के रूप में शामिल करने पर बेहद उत्साहित हैं।

हिंदू त्योहारों के दौरान गड़बड़ी की तो... मंत्री नितेश राणे ने दी सीधी चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने चेतावनी दी है कि हिंदू त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने की कोशिश करने वाले को कड़ी सजा भुगतनी पड़ेगी। वसई नगर निगम के लिए एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी हिंदू समुदाय का पूरा समर्थन करेगी। कोई भी हिंदू समुदाय को बुरी नजर से नहीं देख सकता। हम पूरी ताकत से आपके साथ खड़े रहेंगे। अगर कोई हिंदू त्योहार के दौरान गड़बड़ी करने की कोशिश करता है, तो वह शुक्रवार को घर भी नहीं लौट पाएगा, इसकी मैं गारंटी देता हूं। कोई भी आपको बुरी नजर से नहीं देख सकता। हम मजबूती से आपके साथ खड़े रहेंगे। राणे ने कहा कि राज्य सरकार, मुख्यमंत्री और नगर महापौर हिंदुत्ववादी मानसिकता का पालन करते हैं। उन्होंने हिंदू एकता का आ''ान किया और कहा कि शहर में केवल हिंदू परंपराओं का समर्थन करने वाले ही दिखाई देने चाहिए, बाकी सभी को शहर छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार, हमारे मुख्यमंत्री और यहां तक कि नगर महापौर भी हिंदुत्ववादी मानसिकता रखते हैं। हमें 'आई लव महादेव' मनाना चाहिए। हमारे शहर में केवल 'जय श्री राम' का जाप करने वाले ही दिखाई देने चाहिए। बाकी, जो 'आई लव मोहम्मद' का दावा करते हैं, उन्हें पाकिस्तान में उनके पिता के पास भेज देना चाहिए। हमें उन्हें यहां से निकालना होगा। इसलिए, आपको हिंदू समुदाय के रूप में एकजुट रहना चाहिए।

बुलेट पर होकर सवार, फडणवीस ने नागपुर में किया प्रचार, कहा- मुंबई में महायुति का मेयर बनेगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव के लिए प्रचार आज समाप्त हो रहा है। इससे पहले, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में रोड शो किया। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी, जिसके बीच मुख्यमंत्री मोटरसाइकिल पर सवार होकर रोड शो में शामिल हुए। रोड शो भारत माता चौक से शुरू होकर विविध चौक से होते हुए महल क्षेत्र में शिवाजी प्रतिमा के पास समाप्त हुआ। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मुंबई में महायुति गठबंधन महापौर का चुनाव करेगा। मुख्यमंत्री के रोड शो के लिए नागपुर के बडकस चौक को भव्य ढंग से सजाया गया था। आरएसएस का मुख्यालय बडकस चौक से लगभग 200 मीटर की दूरी पर स्थित है। मुख्यमंत्री के रोड शो से कुछ ही समय पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत का काफिला भी इसी रास्ते से गुजरा था। नागपुर में पूरे रोड शो मार्ग पर भव्य सजावट की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अन्य वरिष्ठ नेताओं के पोस्टर प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए थे।

ट्रम्प के टैरिफ अटैक से पहले ही मोदी चल देते हैं चाल

ईरान पर अमेरिकी दाँव उलटा पड़ जायेगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को झकझोर देने वाला ऐलान किया है। ट्रंप ने घोषणा की है कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर अमेरिका पच्चीस प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाएगा। यह फैसला न केवल ईरान के खिलाफ है, बल्कि उन सभी देशों के लिए सीधी चेतावनी है जो किसी भी रूप में तेहरान से आर्थिक संबंध बनाए हुए हैं। ट्रंप ने इस कदम को अंतिम और निर्णायक करार दिया है और साफ कहा है कि इसमें किसी तरह की ढील या अपवाद नहीं होगा। यह घोषणा ऐसे समय आई है जब ईरान के भीतर लंबे समय से अशांति और विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। सरकार विरोधी आंदोलनों ने वहां की व्यवस्था को हिला दिया है और पश्चिमी देशों का आरोप है कि ईरान इन आंदोलनों को बल प्रयोग से दबा रहा है। ट्रंप प्रशासन इसी पृष्ठभूमि को आधार बनाकर ईरान पर आर्थिक शिकंजा और कसना चाहता है। ट्रंप का मानना है कि यदि ईरान को अंतरराष्ट्रीय व्यापार से काट दिया गया तो वहां की सत्ता पर आंतरिक दबाव कई गुना बढ़ जाएगा। देखा जाये तो इस टैरिफ का दायरा बेहद व्यापक है। जो भी देश ईरान से तेल खरीदेगा, वस्तुएं बेचेगा या किसी भी तरह का व्यापार करेगा, उसे अमेरिका के साथ अपने व्यापार पर पच्चीस प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क चुकाना होगा। इसका सीधा मतलब यह है कि अमेरिका अब केवल अपने बाजार की शर्तें नहीं तय कर रहा, बल्कि वह यह भी तय करना चाहता है कि बाकी दुनिया किससे व्यापार करे और किससे नहीं। इस फैसले के बाद वैश्विक बाजारों में बेचैनी साफ दिखाई देने लगी है। ऊर्जा बाजार खास तौर पर दबाव में हैं क्योंकि ईरान तेल और गैस का बड़ा उत्पादक देश है। यदि व्यापार बाधित होता है या तनाव बढ़ता है तो तेल की आपूर्ति पर असर पड़ना तय है। इसका असर सिर्फ पश्चिमी देशों पर नहीं, बल्कि एशिया और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ेगा। ईरान की प्रतिक्रिया भी उतनी ही सख्त रही है। ईरानी नेतृत्व ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि दबाव, धमकी और छल की नीति अब काम नहीं आएगी। ईरान ने संकेत दिया है कि यदि उसके खिलाफ आर्थिक युद्ध को और तेज किया गया तो वह अपने तरीके से जवाब देगा। यह जवाब क्षेत्रीय स्तर पर भी हो सकता है और वैश्विक ऊर्जा मार्गों पर भी इसका असर पड़ सकता है। देखा जाये तो ट्रंप का यह कदम केवल आर्थिक नहीं, बल्कि साफ तौर पर सामरिक है। अमेरिका यह संदेश देना चाहता है कि उसकी मर्जी के बिना कोई भी देश वैश्विक व्यवस्था में स्वतंत्र भूमिका नहीं निभा सकता। यह नीति सहयोग से अधिक दंड और दबाव पर आधारित है, जो आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय संबंधों को और अधिक टकराव की दिशा में ले जा सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि ट्रंप का नया टैरिफ ऐलान खुला शक्ति प्रदर्शन है। यह उस सोच को दर्शाता है जिसमें अमेरिका खुद को वैश्विक पंच मानता है और बाकी दुनिया को आदेश मानने वाला समूह। ईरान के बहाने यह फैसला असल में पूरी दुनिया को चेतावनी है कि जो देश अमेरिकी लाइन से हटेगा, उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह नीति अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मूल सिद्धांतों पर सीधा हमला है। किसी देश को उसके तीसरे देश से व्यापार करने पर सजा देना न तो नैतिक है और न ही कानूनी। यह कदम वैश्विक व्यापार व्यवस्था को कमजोर करता है और नियम आधारित व्यवस्था की जगह डर आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देता है। ट्रंप पहले भी टैरिफ को हथियार की तरह इस्तेमाल करते रहे हैं और अब एक बार फिर वही रास्ता चुना गया है। भारत के लिए यह फैसला विशेष रूप से चिंता का विषय है। भारत और ईरान के बीच ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार भले ही बहुत बड़ा न हो, लेकिन उसका महत्व गहरा है। भारत ईरान को दवाएं, खाद्य सामग्री और औद्योगिक सामान भेजता रहा है, जबकि ईरान भारत के लिए ऊर्जा और क्षेत्रीय संपर्क के लिहाज से अहम रहा है।

अन्नामलाई का डीएमके पर बड़ा हमला

कहा- वादे पूरे न कर तमिलनाडु की जनता को दिया धोखा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नेता के. अन्नामलाई ने मंगलवार को डीएमके के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार ने जनता से किए गए वादों को पूरा न करके उन्हें 'धोखा' दिया है। तेनकासी जिले के वासुदेवनल्लूर में भव्य पोंगल उत्सव मनाते हुए अन्नामलाई ने कहा कि शेनबागवल्ली बांध के जीर्णोद्धार की लंबे समय से चली आ रही मांग भी पूरी नहीं हुई है, जबकि खनिज संसाधनों की अवैध तस्करी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार की 'प्रशासनिक विफलता' को उजागर करते हुए उन्होंने यह भी बताया कि इस मुद्दे पर निष्क्रियता के कारण डीएमके के एक पदाधिकारी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। अन्नामलाई ने पर पोस्ट किया, ''डीएमके सरकार शेनबागवल्ली बांध के जीर्णोद्धार की लंबे समय से चली आ रही मांग सहित जनता से किए गए वादों को पूरा न करके उन्हें धोखा दे रही है। वहीं दूसरी ओर, केंद्र में स्थित भाजपा सरकार ने पुलियानकुडी नींबू को भौगोलिक संकेत की मान्यता दे दी है।''

अवैध तस्करी के बारे में बात करते हुए, अन्नामलाई ने कहा कि तेनकासी से केरल में खनिज संसाधनों की अवैध तस्करी बढ़ रही है। डीएमके सरकार की इस पर अंकुश लगाने में असमर्थता से डीएमके के एक पदाधिकारी इतने निराश हुए हैं कि उन्होंने पार्टी पद से इस्तीफा दे दिया है, जो मुख्यमंत्री की प्रशासनिक विफलता को दशार्ता है। अन्नामलाई ने जनता से एकता का आ''ान किया और कहा कि तेनकासी के लोगों को मिट्टी से जड़े राष्ट्रवादी विचारक को विधानसभा में भेजना चाहिए।

उन्होंने पोंगल पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सूर्य और पंच तत्वों का सम्मान करने वाले इस भव्य पोंगल पर्व पर, मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर की कृपा से सभी प्राणियों के कल्याण और समृद्धि की हार्दिक कामना करता हूं। इससे पहले, तिरुनेलवेली जिले के डीएमके नेता चंद्रशेखर ने खनिज तस्करी पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए पार्टी पद से इस्तीफा दे दिया और पार्टी की सदस्यता त्याग दी।

यूपी में 14 जनवरी नहीं इस दिन होगी मकर संक्रांति की छुट्टी, योगी सरकार ने लिया फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने मकर संक्रांति के अवसर पर 15 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। यह निर्णय एक आधिकारिक अधिसूचना के माध्यम से जारी किया गया है और सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और राज्य द्वारा संचालित प्रतिष्ठानों पर लागू होता है। अधिसूचना के अनुसार, सभी राज्य सरकारी विभाग, स्कूल और सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान बंद रहेंगे। गौरतलब है कि मकर संक्रांति का त्योहार देश भर में 14 जनवरी के बजाय 15 जनवरी को मनाया जा रहा है। मकर संक्रांति के अवसर पर प्रयागराज, कानपुर, वाराणसी, उन्नाव, मेरठ और बिजनौर सहित उत्तर प्रदेश के प्रमुख गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।

तीर्थयात्री गंगा और सरयू जैसी नदियों में स्नान करेंगे और दान देंगे। इसी तरह, ऋषिकेश और हरिद्वार में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है।

असम में 'मिया पॉलिटिक्स' पर घमासान

सीएम हिमंत सरमा बोले- कांग्रेस बदल रही है डेमोग्राफी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री हिमंता सरमा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ऊपरी असम के प्रमुख जिलों की जनसांख्यिकीय संरचना को बदलने की योजना बना रही है। उन्होंने शिवसागर और तिनसुकिया को धुबरी में बदलने की हालिया टिप्पणी की कड़ी आलोचना की। हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए अखिल असम अल्पसंख्यक छात्र संघ (एएमएसयू) के पूर्व अध्यक्ष रेजाउल करीम सरकार ने शिवसागर को धुबरी, बराक घाटी को शिवसागर और तिनसुकिया को धुबरी में बदलने की बात कही थी। उनका दावा था कि ऐसे बदलाव असम को आगे ले जाने में सहायक होंगे।

इस टिप्पणी पर तत्काल तीखी प्रतिक्रिया हुई, खासकर ऊपरी असम में। शिवसागर को ऐतिहासिक रूप से अहोमों का गढ़ माना जाता है, जबकि धुबरी को व्यापक रूप से बंगाली मुस्लिम बहुल जिला माना जाता है। सरकार ने कहा, "हम भय में जी रहे हैं," और आगे कहा कि वह गौरव गोगोई के साथ 'सेनापति' (कमांडर) के रूप में मजबूती से खड़े रहेंगे और असम से हिमंता बिस्वा सरमा को बाहर निकालकर इस चिंता को समाप्त करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमें असम और उसके समाज एवं संस्कृति को बचाना है। मुझे विश्वास है कि मैं असम के सभी समुदायों और अपने पिछड़े समुदाय को एक मंच पर लाऊंगा... और एक-दूसरे के सहयोग से हम असम को आगे ले जाएंगे। मुख्यमंत्री हिमंता सरमा ने कहा कि ये टिप्पणियां प्रमुख जिलों की जनसांख्यिकीय संरचना को बदलने के पार्टी के इरादे की खुली घोषणा के समान हैं। मुख्यमंत्री ने पार्टी पर असम के सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने को खतरे में डालने वाले एजेंडे को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। सरमा ने कहा कि कांग्रेस के मंच से आज दिए गए बयान से साफ पता चलता है कि उन्होंने शिवसागर और तिनसुकिया जैसे जिलों को 'मिया' की भूमि में बदलने का अपना इरादा खुलेआम जाहिर कर दिया है। सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर भी निशाना साधा और कहा कि वे उस कार्यक्रम में मौजूद थे। सरमा ने कहा कि गौरव गोगोई उस समय मौजूद थे जब यह बयान दिया गया था। उन्हें इसका विरोध करना चाहिए था।

'गुरु' वाले बयान पर दिल्ली में बवाल, कपिल मिश्रा की मांग

अरविंद केजरीवाल मंगवाएं आतिशी से माफी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (AAP) नेता आतिशी की गुरु तेग बहादुर पर कथित टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को उनसे माफी मांगने को कहना चाहिए था। मिश्रा ने AAP नेतृत्व पर इस मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया और कहा कि वे इस गंभीर मामले पर चुप नहीं रहेंगे। दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मिश्रा ने कहा कि 6 जनवरी को दिल्ली विधानसभा में एक पाप हुआ, जब विपक्ष की नेता ने गुरु तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान पर बहस के दौरान अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उस दिन से आतिशी गायब हैं; उन्हें मीडिया के सामने न आने का आदेश दिया गया है। इस पाप को छिपाने के लिए अरविंद केजरीवाल के आदेश पर पंजाब सरकार और पंजाब पुलिस की व्यवस्था का दुरुपयोग किया जा रहा है।

कपिल मिश्रा ने आगे कहा कि मैं भगवंत मान जी से कहना चाहता हूं, इस पाप में भागीदार न बनें... इसके बाद आतिशी का जिस तरह गायब होना यह दशार्ता है कि उन्होंने जानबूझकर ऐसा किया... हम इस मुद्दे पर चुप नहीं रहेंगे। अरविंद केजरीवाल को आतिशी से इस मामले में माफी मांगने को कहना चाहिए था। मैं आतिशी से कहना चाहता हूं कि वे मीडिया के सामने आएं। रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली की नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के कथित तौर पर प्रसारित किए गए छेड़छाड़ वाले वीडियो के विरोध में नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय के बाहर व्यापक प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई आम आदमी पार्टी विधायकों और पार्टी नेताओं को हिरासत में लिया। यह विरोध प्रदर्शन कपिल मिश्रा समेत भाजपा नेताओं द्वारा साझा किए गए एक वीडियो के बाद हुआ है, जिसे आम आदमी पार्टी (AAP) का दावा है कि उसमें छेड़छाड़ करके आतिशी के बोले ही न हुए शब्द शामिल किए गए हैं और सिख गुरुओं का कथित तौर पर अपमान किया गया है। दिल्ली AAP अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, "AAP कार्यकर्ता मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से माफी की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर हम भाजपा कार्यालय के पास आए हैं। यह साबित हो चुका है कि भाजपा मंत्री कपिल मिश्रा ने आतिशी के वीडियो में झूठे शब्द डाले और देश में धार्मिक सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश की। उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।"

इस बीच, एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 9 जनवरी की एक फोरेंसिक रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित ऑडियो क्लिप में आतिशी ने "गुरु" शब्द का उच्चारण नहीं किया था। विज्ञप्ति में आगे स्पष्ट किया गया कि 9 जनवरी, 2026 की फोरेंसिक रिपोर्ट से पता चला है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो क्लिप में मौजूद ऑडियो में आतिशी ने 'गुरु' शब्द का उच्चारण नहीं किया है। इसके अलावा, वीडियो में जानबूझकर छेड़छाड़ की गई है ताकि कैप्शन में ऐसे शब्द जोड़े जा सकें जो आतिशी ने कभी नहीं बोले।

उम्मीदवारों को पैसे देकर हटाने की हो रही कोशिश, राज ठाकरे ने महायुति पर साधा निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में नामांकन वापस लेने के लिए मतदाताओं और विपक्षी उम्मीदवारों को रिश्वत देने के आरोप में सत्तारूढ़ महायुति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं के साथ एक संयुक्त रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि 66 वार्डों में उम्मीदवारों को नामांकन वापस लेने के लिए पैसे की पेशकश की गई है। उन्होंने आगे कहा कि विकास के दावों के बावजूद मतदाताओं को पैसे दिए जा रहे हैं। राज ठाकरे ने कहा कि भाजपा के लोग पैसे बांट रहे हैं और शिंदे के लोग उन्हें पकड़ रहे हैं।

पता नहीं क्या हो रहा है। मैंने कल्याण-डोम्बिवली और अन्य मतदान क्षेत्रों का दौरा किया। वे प्रति वोट 5,000 रुपये बांट रहे हैं।

दोस्त ईरान! ट्रंप की धमकी के बीच भारत ने कर दिया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ईरान की सड़कों पर कोहराम मचा। वहां की सरकार के खिलाफ जंग छिड़ चुकी और अब तो हालात इस कदर बिगड़ गए। भारत सरकार ने भी सीधा और कड़ा संदेश जारी कर दिया। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने दिल्ली से पूरी दुनिया को बता दिया कि ईरान की पल-पल की हलचल पर भारत की पैनी नजर है। विदेश सचिव ने कहा कि हम ईरान में हो रहे बदलावों पर नजर रख रहे हैं। ईरान में भारतीय प्रवासियों और भारत से गए छात्रों का एक बड़ा समुदाय है। वहां लगे प्रतिबंधों के बावजूद हमारा दूतावास छात्र समुदाय तक पहुंचने में कामयाब रहा और पता चला है कि वह सभी ठीक और अब तक उन्हें कोई मुश्किल नहीं हुई। हमने वहां मौजूद अपने सभी देशवासियों को सलाह दी है कि वह बाहर ना निकलें या खुद को गड़बड़ी के बीच में ना फंसाएं। ईरान में मौजूदा हालात को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने गाइडलाइन भी जारी की है जिसमें साफ कहा गया है कि बाहर ना निकलें।

प्रदर्शन से दूर रहें और सिर्फ सुरक्षित ठिकानों पर ही रुकें। रही बात ईरान की तो वहां हालात काफी बिगड़ चुके हैं। लगभग 500 लोगों की मौत हो चुकी है। अब अगर इस बात को समझते हैं कि आखिर ईरान में ऐसा क्या हुआ कि मौत का आंकड़ा 500 के पार चला गया। तो आपको बता दें 28 दिसंबर को बढ़ती महंगाई के खिलाफ जो चिंगारी सुलगी थी वो अब एक ऐसी आग बन चुकी है जो ईरान के धार्मिक नेतृत्व को झुलसा रही है। सड़कों पर सिर्फ नौजवान नहीं बल्कि महिलाएं और बुजुर्ग भी सीना तान कर खड़े हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक केवल दो हफ्ते के भीतर 500 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों की जान जा चुकी है और 10,000 से ज्यादा लोग सलाखों के पीछे हैं। वहां की सरकार इस विद्रोह के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ बता रही है और वो इस विद्रोह को कुचलने के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए भी तैयार है। ईरान ने कहा कि वह युद्ध और बातचीत दोनों के लिए तैयार है।

विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तेहरान में विदेशी राजनयिकों के सम्मेलन में कहा कि ईरान युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर हालात बिगड़ते हैं तो वह पूरी तरह तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान बातचीत के लिए भी तैयार है, बशर्ते वह बराबरी, आपसी सम्मान और निष्पक्ष शर्तों पर हो। ट्रंप को बहाना मिले, इसलिए प्रदर्शन हुए। ईरान के विदेश मंत्री ने आरोप लगाया कि उनके देश में हिंसक प्रदर्शन हुए ताकि ट्रंप को हस्तक्षेप करने का बहाना मिल सके। विदेश मंत्री ने हालांकि अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। अराघची ने तेहरान में विदेशी राजनयिकों से बात की।

एसयूवी का क्रेज बरकरार! यूटिलिटी व्हीकल्स की डिमांड से कार सेल्स में 27% की शानदार बढ़त: सियाम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। यात्री वाहनों की थोक बिक्री यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के दम पर दिसंबर 2025 में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़ गई। उद्योग निकाय सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दिसंबर 2025 में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 3,99,216 इकाई रही जो दिसंबर 2024 की 3,14,934 इकाई की तुलना में 26.8 प्रतिशत अधिक है। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बयान में कहा कि समीक्षाधीन अवधि में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 11,05,565 इकाई के मुकाबले 39 प्रतिशत बढ़कर 15,41,036 इकाई हो गई।

तिपहिया वाहनों की कुल बिक्री 61,924 इकाई रही जो दिसंबर 2024 की 52,733 इकाई की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है। सियाम ने बिक्री के परिदृश्य पर कहा कि उद्योग 2025-26 की चौथी तिमाही में मजबूत गति के साथ प्रवेश कर रहा है क्योंकि 2025 के अंत में सभी वाहन खंडों में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई।

एनएसए डोभाल जा रहे थे चीन

इधर ट्रंप ने झट से भारत को बहुत बड़ा ऑफर भेजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कई देशों में डायरेक्ट इनवॉल्वमेंट दिखाकर वहां पर तख्तापलट करने की कोशिश की है। कई जगह पर वो कामयाब रहे हैं। कहीं पर वो दो देशों को लड़ा रहे हैं। कहीं पर टैरिफ टैरिफ खेल रहे हैं। लेकिन इन सबके बीच भारत में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गौर से अजित डोभाल की मुलाकात होती है। जनवरी का महीना चल रहा है और इसी जनवरी में प्लानिंग की जा रही है कि अजीत डोबाल चाइना भी जाएंगे। हालांकि ये पहले से प्रस्तावित था जब वो एसइओ में शामिल होने के लिए गए थे। उस वक्त ये डील हो गई थी कि एक दौर की वार्ता जनवरी 2026 में भी होगी। तो ये तो उसी का पार्ट है। लेकिन उससे पहले भारत में अमेरिका के राजदूत से मुलाकात करना वो भी एक ऐसा शख्स जो ट्रंप का बहुत करीबी माना जाता है।

ट्रंप के करीबी सर्गियो गोर अचानक दिल्ली में लैंड करते हैं और कहते हैं कि मोदी या ट्रंप तो इतने अच्छे दोस्त हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है। इसलिए इस समझौते को अंतिम रूप देना आसान काम नहीं है, लेकिन हम इसे पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। व्यापार हमारे संबंधों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन हम सुरक्षा, आतंकवाद-विरोधी उपायों, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी मिलकर काम करना जारी रखेंगे। 10 दिसंबर को केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ता को लेकर आशा व्यक्त करते हुए कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है।

गोयल ने कहा, "सभी समझौतों के कई विविध पहलू होते हैं। कई बिंदुओं को जोड़ा गया है। वार्ता में काफी प्रगति हुई है, हालांकि 2025 के पतझड़ तक पहले चरण को पूरा करने का मूल लक्ष्य अमेरिकी व्यापार नीति में नए घटनाक्रमों, जिनमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए टैरिफ भी शामिल हैं, के कारण विलंबित हो गया है।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक और मुद्रक राजेश कुमार रंजन के द्वारा आमीन प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट न0.193, डॉक्टर्स कॉलोनी, रोड न0. 7, पोस्ट अगमकुंआ, छोटी पहाड़ी, पटना बिहार-800007 से मुद्रित एवं ग्राम पिपराही, पोस्ट दिनापट्टी, सुपौल बिहार-852218 से प्रकाशित-प्रसारित, फोन- 8051344056, 9471220794